हिन्दी दैनिक

रोजनामा इन्डो गल्फ

www.Newsindogulf.com/Email:-Newsindogulf730@gmail.com

सच्चाई में है दम, सच लिखते हैं हम

पटना, बुधवार | 25 सितम्बर 2024 | वर्ष : 02 अंक : 133 | पृष्ठ - 14 | PRGI NO - BIHHIN/2023/86924 | मूल्य - ₹ 3 | पटना संस्करण

ब्रीफ न्यूज

आंगनबाड़ी शिक्षकों के लिए कन्नड़ के साथ उर्दू जरूरी !भाजपा के निशाने पर

एजेंसी

नई दिल्ली: आई सिद्धारमैया सरकार कन्नड़ बनाम हिंदी बहस के बीच, सीएम सिद्धारमैया के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार उस अधिसूचना पर विपक्षी भाजपा के निशाने पर आ गई, जिसमें आंगनवाड़ी शिक्षकों के लिए उर्दू को अनिवार्य भाषा के रूप में जानना अनिवार्य है। अधिसूचना से आक्रोश फैल गया है और भाजपा ने कांग्रेस पर 'मुस्लिम तुष्टिकरण' करने का आरोप लगाया है। भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष और सांसद नलिनकुमार कतील ने इस कदम की निंदा की और इसे एक विशिष्ट समुदाय को पूरा करने के लिए बनाई गई खतरनाक राजनीतिक रणनीति बताया।नलिनकुमार कतील ने कहा कि राज्य की कांग्रेस सरकार की यह घोषणा कि आंगनवाड़ी शिक्षिका की नौकरी पाने के लिए उर्दू भाषा आनी चाहिए, निंदनीय है। उन्होंने कहा कि आंगनवाड़ी शिक्षकों की भर्ती में मुस्लिम समुदाय को खुश करने और केवल उन्हें ही नौकरी देने की पिछले दरवाजे से की गई कोशिश एक बार फिर कांग्रेस की कपटपूर्ण नीति को उजागर कर रही है।

पीएम मोदी के अमेरिका दौरे की सफलता से NDA नेता गदगद,

नीतीश और नायडू ने कर दी दिल खोलकर तारीफ, शिंदे-मांझी भी हुए मुरीद

कुल मिलाकर मोदी के इस दौरे को काफी सफल बताया जा रहा है। यही कारण है कि मोदी सरकार 3 में भाजपा के सहयोगी दलों ने भी प्रधानमंत्री के अमेरिका दौरे की जमकर तारीफ की है।

एजेंसी

नई दिल्ली: प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी तीन दिवसीय यात्रा के लिए वह संयुक्त राज्य अमेरिका में थे। इस दौरान प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी ने वैश्विक समुदाय के लिए भारत द्वारा प्रस्तुत विशाल संभावनाओं और अवसरों का पता लगाने के लिए उद्योग जगत के नेताओं के साथ बातचीत की। न्यूयॉर्क में एक गोलमेज सम्मेलन में प्रौद्योगिकी क्षेत्र के शीर्ष सीईओ के साथ अपनी बातचीत में, प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी ने बौद्धिक संपदा अधिकारों की सुरक्षा और तकनीकी नवाचार को बढ़ावा देने के लिए भारत की अटूट प्रतिबद्धता के बारे में आश्वासन दिया।इस यात्रा के दौरान उन्होंने ह्यक्वाडह्ल (चतुष्पक्षीय सुरक्षा संवाद) के सदस्य देशों के शासन प्रमुखों की बैठक और भारतीय समुदाय के एक कार्यक्रम में भाग लिया। उन्होंने संयुक्त राष्ट्र महासभा में ह्यभविष्य के शिखर सम्मेलनह्ल को संबोधित किया। मोदी ने अपनी इस यात्रा के दौरान कई द्विपक्षीय बैठकें भी कीं। उन्होंने रविवार को ह्यक्वाडह्ल शिखर सम्मेलन के इतर अपने जापानी और ऑस्ट्रेलियाई समकक्षों के साथ द्विपक्षीय बैठकें कीं और आपसी लाभ एवं हिंद-प्रशांत क्षेत्र की ह्यह्यशांति, स्थिरता और समृद्धिह्लह्ल के लिए द्विपक्षीय सहयोग को और गहरा करने पर विचारों का आदान-प्रदान किया। मोदी ने न्यूयॉर्क में यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की के साथ बातचीत के दौरान, यूक्रेन में संघर्ष के शीघ्र समाधान तथा क्षेत्र में शांति एवं स्थिरता की बहाली के लिए भारत का समर्थन दोहराया। कुल मिलाकर मोदी के इस दौरे को काफी सफल बताया जा रहा है। यही कारण है कि मोदी सरकार 3 में भाजपा के सहयोगी दलों ने भी प्रधानमंत्री के अमेरिका दौरे की जमकर तारीफ की है। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने एक्स पोस्ट में लिखा कि नरेन्द्र मोदी की अभी हाल की अमेरिका यात्रा के दौरान दोनों देशों के बीच निवेश बढ़ाने को लेकर लिए गए निर्णय स्वागत योग्य हैं। दोनों देशों के बीच लिए गए निर्णयों से अत्याधुनिक तकनीकी क्षेत्रों में निवेश बढ़ेगा और विकास के नए रास्ते खुलेंगे। नीतीश ने कहा कि बिहार के लोग प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अमेरिका यात्रा के दौरान की गई घोषणाओं और उनसे उत्पन्न होने वाले नये अवसरों से उत्साहित हैं। विश्व के नेताओं और भारतीय प्रवासियों द्वारा प्रधानमंत्री मोदी जी का गर्मजोशी से किया गया। यह स्वागत उनके नेतृत्व को मजबूती प्रदान करता है। इस यात्रा के दूरगामी एवं सकारात्मक प्रभाव होंगे। इस सफल यात्रा के लिए आदरणीय प्रधानमंत्री जी को बधाई।आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री और टीडीपी प्रमुख चंद्रबाबू नायडू ने लिखा कि संयुक्त राज्य अमेरिका की अपनी सफल यात्रा के बाद देश लौटने पर मैं नरेंद्र मोदी का स्वागत करता हूं। हम भाग्यशाली हैं कि हम ऐसे राजनेता के नेतृत्व में काम कर रहे हैं। उन्होंने राष्ट्रों के समुदाय में भारत की स्थिति मजबूत की है और समुदायों और देशों को एक साथ लाकर निर्विवाद रूप से एक बड़े विश्व नेता के रूप में उभरे हैं। संयुक्त राष्ट्र में उनका संबोधन इस बात का प्रमाण है कि विश्व नेता भारत को कितना महत्व देते हैं और आने वाले वर्षों में हम वैश्विक मंच पर क्या भूमिका निभाने के लिए तैयार हैं।महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री और शिवसेना प्रमुख एकनाथ शिंदे ने नरेंद्र मोदी की प्रशंसा करते हुए कहा कि इस यात्रा ने एक बार फिर प्रदर्शित किया कि प्रधान मंत्री एक प्रतिष्ठित वैश्विक राजनेता और असाधारण योग्यता के ट्रेंडसेटर क्यों हैं। मुख्यमंत्री शिंदे ने अपनी यात्रा के दौरान प्रौद्योगिकी और व्यापारिक नेताओं के साथ प्रधानमंत्री मोदी की बातचीत पर अपनी सहमति व्यक्त की।

कैंसर मूनशॉट से लड़ाई को मजबूती मिलेगी, नड्डा बोले- लाखों लोगों के जीवन पर असर पड़ेगा

एजेंसी

नई दिल्ली: प्रधानमंत्री मोदी की अमेरिका यात्रा पर केंद्रीय मंत्री और भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अमेरिका यात्रा पैमाने और इसके परिणामों के मामले में महत्वपूर्ण और सार्थक रही है। हर भारतीय को इस बात पर गर्व है कि राष्ट्रपति बाइडेन ने डेलावेयर में अपने आवास पर पीएम मोदी की मेजबानी की। दुनिया के सबसे पुराने और सबसे बड़े लोकतंत्रों के नेताओं के बीच यह निरंतर जुड़ाव वैश्विक शांति और कल्याण के लिए बहुत अच्छा है। भारत के स्वास्थ्य मंत्री के रूप में मैं क्वाड नेताओं द्वारा कैंसर मूनशॉट पहल शुरू करने से बहुत खुश हूं। इससे कैंसर के खिलाफ लड़ाई को मजबूती मिलेगी और दुनिया भर में लाखों लोगों के जीवन पर असर पड़ेगा।प्रधानमंत्री मोदी अमेरिका की तीन दिवसीय यात्रा पर थे और इस दौरान उन्होंने शनिवार को विलमिंगटन में क्वाड (चतुष्पक्षीय सुरक्षा संवाद) देशों के नेताओं के शिखर सम्मेलन में हिस्सा लिया, रविवार को लॉन्ग आइलैंड में भारतीय-अमेरिकी समुदाय के हजारों सदस्यों के विशाल कार्यक्रम को संबोधित किया तथा सोमवार को संयुक्त राष्ट्र के ह्यह्यभविष्य का शिखर सम्मेलनको संबोधित किया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने न्यू यॉर्क में यूएन के 'समिट ऑफ फ्यूचर' में कहा कि हमारी सामूहिक ताकत में ही सफलता छिपी है।

भारत के स्वास्थ्य मंत्री के रूप में मैं क्वाड नेताओं द्वारा कैंसर मूनशॉट पहल शुरू करने से बहुत खुश हूं। इससे कैंसर के खिलाफ लड़ाई को मजबूती मिलेगी और दुनिया भर में लाखों लोगों के जीवन पर

कांग्रेस पर फिर बरसीं मायावती, छलकपट वाली है राहुल गांधी की आरक्षण नीति

एजेंसी

नई दिल्ली: बहुजन समाज पार्टी (बसपा) प्रमुख मायावती ने मंगलवार को एक बार फिर से राहुल गांधी के आरक्षण वाले बयान को लेकर कांग्रेस पर निशाना साधा। उन्होंने कांग्रेस को आरक्षण विरोधी करार दिया और उस पर दलितों और पिछड़े वर्गों के लिए दोगली और भ्रामक आरक्षण नीति रखने का आरोप लगाया। मायावती ने एक्स पर लिखा कि कांग्रेस व राहुल गांधी की एससी/एसटी/ओबीसी आरक्षण नीति स्पष्ट नहीं बल्कि दोगली एवं छलकपट की है। अपने देश में इनके वोट के लिए ये आरक्षण का समर्थन व इसे 50% से ऊपर बढ़ाने की वकालत तथा विदेश में जाकर इनके आरक्षण को खत्म करने की बात करते हैं। इनके इस दोहरे मापदण्ड से लोग सचेत रहें।मायावती ने आगे लिखा कि यह भी सच है कि केन्द्र में इनकी सरकार ने ओबीसी आरक्षण सम्बन्धी मण्डल कमीशन रिपोर्ट लागू नहीं की थी। साथ ही, बीएसपी के संघर्ष से एससी/एसटी के पदोन्नति में आरक्षण को प्रभावी बनाने के लिए संसद में लाए गए संविधान संशोधन बिल को भी कांग्रेस ने पास नहीं होने दिया, जो अभी तक लम्बित है। तथा ना ही इस मामले में इनकी सरकार ने कोर्ट में सही से पैरवी की। उन्होंने कहा कि इस आरक्षण विरोधी कांग्रेस व अन्य पार्टियों से भी ये लोग सजग रहें। साथ ही, केन्द्र में रही कांग्रेसी सरकार द्वारा जातीय जनगणना नहीं कराना और अब सत्ता से बाहर होने पर आवाज उठाना, यह सब ढोंग नहीं तो और क्या है?

आदमपुर सीट को भेदना नहीं है आसान, दशकों से कायम है भजनलाल परिवार का कब्जा

एजेंसी

हरियाणा: हरियाणा की राजनीति में आदमपुर विधानसभा सीट का राजनीतिक महत्व बेहद है। इस विधानसभा सीट में जाटों की बहुलता है। तो वहीं अनुसूचित जाति और अन्य समुदायों की भी संख्या अच्छी-खासी है। इस सीट पर पूर्व मुख्यमंत्री स्वर्गीय भजनलाल के परिवार का कब्जा रहा है। बता दें कि 15 चुनावों में हर बार यहां पर प्रत्याशी और पार्टियां बदलती रहीं, लेकिन इस सीट पर भजनलाल के परिवार का कब्जा कायम रहा। ऐसे में एक बार फिर आदमपुर विधानसभा सीट पर मुकाबला बेहद दिलचस्प देखने को मिल रहा है। अब सवाल यह है कि पिछले 56 सालों से यहां पर बजने वाली 'भजन धुन' को अन्य पार्टियां रोकने में कामयाब होंगी।

खान-पान की वस्तुओं में मानव अपशिष्ट मिलाना वीभत्स, यह सब स्वीकार नहीं: योगी आदित्यनाथ

एजेंसी

उत्तर प्रदेश: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने खान-पान की वस्तुओं में मानव अपशिष्ट/गंदी चीजों की मिलावट करने वालों के खिलाफ कठोरतम कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। देश के विभिन्न क्षेत्रों में घटीं ऐसी घटनाओं का संज्ञान लेते हुए 24 सितम्बर मंगलवार को एक उच्च स्तरीय बैठक में मुख्यमंत्री जी ने प्रदेश के सभी होटलों/ढाबों/रेस्टोरेंट आदि संबंधित प्रतिष्ठानों की गहन जांच, सत्यापन आदि के भी निर्देश दिए हैं साथ ही आम जन की स्वास्थ्य सुरक्षा सुनिश्चित करते हुए नियमों में आवश्यकतानुसार संशोधन के भी निर्देश दिए। - हाल के दिनों में देश के विभिन्न क्षेत्रों में जूस, दाल और रोटी जैसी खान-पान की वस्तुओं में मानव अपशिष्ट/अखाद्य/गंदी चीजों की मिलावट की घटनाएं देखने को मिली हैं। ऐसी घटनाएं वीभत्स हैं और आम आदमी के स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव डालने वाली हैं। ऐसे कुत्सित प्रयास कतई स्वीकार नहीं किया जा सकते। उत्तर प्रदेश में ऐसी घटनाएं न हों, इसके लिए ठोस प्रबंध किए जाने आवश्यक हैं।- ऐसे ढाबों/रेस्टोरेंट आदि खान-पान के प्रतिष्ठानों की जांच की जानी आवश्यक है।

हाईकोर्ट से झटके के बाद बोले सीएम सिद्धारमैया, मुझे न्यायालय पर भरोसा, सत्य की जीत होगी

एजेंसी

कर्नाटक: अदालत के फैसले के बाद अपने पहले बयान में, सिद्धारमैया ने कहा कि वह जांच करने में संकोच नहीं करेंगे और विशेषज्ञों से परामर्श करेंगे कि कानून के तहत ऐसी जांच की अनुमति है या नहीं। मुख्यमंत्री सिद्धारमैया को झटका देते हुए, कर्नाटक उच्च न्यायालय ने मंगलवार को साइट आवंटन मामले में उनके खिलाफ जांच के लिए राज्यपाल की मंजूरी को चुनौती देने वाली उनकी याचिका खारिज कर दी। मुख्यमंत्री ने एक प्रमुख इलाके में मैसूर शहरी विकास प्राधिकरण (एमयूडीए) द्वारा अपनी पत्नी को 14 साइटों के आवंटन में कथित अनियमितताओं में उनके खिलाफ जांच के लिए राज्यपाल थावरचंद गहलोत द्वारा दी गई मंजूरी को चुनौती दी थी।मुख्यमंत्री ने कहा कि मैं जांच करने में संकोच नहीं करूंगा। मैं इस बारे में विशेषज्ञों से सलाह लूंगा कि कानून के तहत ऐसी जांच की अनुमति है या नहीं। मैं कानूनी विशेषज्ञों से चर्चा कर लड़ाई की रूपरेखा तय करूंगा। मुझे विश्वास है कि अगले कुछ दिनों में सच्चाई सामने आ जाएगी और 17ए के तहत जांच रद्द कर दी जाएगी। इस राजनीतिक संघर्ष में प्रदेश की जनता मेरे साथ खड़ी है।' उन्होंने कहा कि उनका आशीर्वाद ही मेरी सुरक्षा है।

ओडिशा में ऐसा क्या हुआ सेना और पुलिस में छिड़ गया सोशल वॉर? जनरल वीके सिंह ने कही बड़ी बात

एजेंसी

ओडिशा: ओडिशा के एक पुलिस स्टेशन में सेना के एक अधिकारी को कथित तौर पर प्रताड़ित करने और उसकी मंगेतर के साथ यौन उत्पीड़न के मामले में सेना के दिग्गजों और सेवानिवृत्त पुलिस कर्मियों ने आरोप लगाए हैं। इस घटना ने पूरे देश में आक्रोश फैल गया है। जनरल वीके सिंह (सेवानिवृत्त) सहित सेना के दिग्गजों ने इस घटना को शर्मनाक और भयावह बताया है। वहीं सेवानिवृत्त पुलिस अधिकारियों ने कहा कि अगर पुलिस दोषी पाई जाती है तो कार्रवाई की मांग करते हुए जोड़े के व्यवहार पर भी सवाल उठाए हैं, उनका दावा है कि वे नशे में थे।आरोप-प्रत्यारोप तब शुरू हुए जब सोशल मीडिया पर कुछ वीडियो वायरल हुए, जिसमें कथित तौर पर दंपति को लोगों के एक समूह के साथ हाथापाई करते हुए दिखाया गया था। महिला ने आरोप लगाया है कि भरतपुर पुलिस स्टेशन में उसके साथ मारपीट की गई और उसका यौन उत्पीड़न किया गया, जबकि उसके सेना अधिकारी-मंगेतर को पुलिस ने अवैध रूप से एक कोठरी में बंद कर दिया। यह घटना तब हुई जब दंपति एक रोड रेज मामले की शिकायत दर्ज कराने गए थे। मामले के तूल पकड़ने के बाद पांच पुलिस अधिकारियों को निलंबित कर दिया गया।

बिना आदमी पार्टी के समर्थन के नहीं बन सकती नई सरकार, हरियाणा में फिर बोले अरविंद केजरीवाल

एजेंसी

हरियाणा: जैसे-जैसे हरियाणा चुनाव नजदीक आ रहे हैं वैसे-वैसे सभी राजनीतिक दलों के नेताओं ने चुनाव में अपनी पूरी ताकत झोंक दी है। इस बीच आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल भी हरियाणा में जमकर चुनाव प्रचार कर रहे हैं। उन्होंने आज रानियां में रोड शो किया और लोगों को संबोधित भी किया। केजरीवाल ने इस दौरान कहा कि हरियाणा के आपके इस बेटे ने, आपके भाई ने पूरे देश में, पूरी दुनिया में हरियाणा का नाम रोशन कर दिया। हरियाणा से निकलकर दिल्ली में सरकार बनाई, पंजाब में सरकार बनाई। आप नेता ने कहा कि अब आपको कहना चाहता हूं एक मौका दे दो हरियाणा की भी सेवा करने का, हरियाणा में भी अच्छे स्कूल बना दूंगा, बिजली फ्री कर दूंगा, अच्छे अस्पताल बना दूंगा। उन्होंने कहा कि आप कहोगे कैसे बनाओगे सरकार बन रही है क्या? तो मेरा जवाब है जो भी सरकार बन रही है हमारे बिना नहीं बन रही है। भाजपा पर वार करते हुए उन्होंने कहा कि जेल में इन्होंने मुझे तोड़ने की खूब कोशिश की, मैं शुगर का मरीज हूं इन्होंने मेरी इंसुलिन बंद कर दी। ये मेरे हौसले तोड़ना चाहते थे, लेकिन ये नहीं जानते थे कि मैं हरियाणा का हूं। आप किसी को भी तोड़ सकते हो,

तिरुपति लड्डू विवाद में मोदी सरकार का बड़ा एक्शन! कंपनी को थमाया शो कॉज नोटिस

एजेंसी

तिरुपति: तिरुपति लड्डू बनाने में जानवरों की चर्बी के इस्तेमाल को लेकर उठे विवाद के बीच केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने श्री वेंकटेश्वर मंदिर को घी सप्लाई करने वाली कंपनियों में से एक एआर डेयरी फूड प्राइवेट लिमिटेड को कारण बताओ नोटिस जारी किया है। मंत्रालय को चार कंपनियों से नमूने मिले थे और गुणवत्ता परीक्षण करने पर पता चला कि एक कंपनी का नमूना परीक्षण में फेल हो गया, जिससे मिलावट का पता चला। नोटिस भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (ऋ्ररअक), सरकार की नियामक संस्था द्वारा तमिलनाडु स्थित एक फर्म को तिरुमाला तिरुपति देवस्थानम को घटिया घी की आपूर्ति करने के आरोप में भेजा गया।नोटिस में खाद्य नियामक ने ए आर डेरी फूड प्राइवेट लिमिटेड से पूछा कि खाद्य सुरक्षा एवं मानक विनियमन 2011 के प्रावधानों के उल्लंघन के लिए उसका केंद्रीय लाइसेंस निलंबित क्यों न कर दिया जाए। नोटिस के अनुसार एफएसएसएआई ने कहा कि उसे मंगलागिरी (आंध्र प्रदेश) स्थित प्रिवेंटिव मेडिसिन संस्थान के निदेशक से जानकारी मिली है कि डिंडीगुल स्थित ए आर डेरी फूड प्राइवेट लिमिटेड पिछले चार वर्षों से तिरुमला तिरुपति देवस्थानम (टीटीडी) को घी की आपूर्ति कर रही है।मामला तब प्रकाश में आया जब आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू ने 18 सितंबर को दावा किया कि पिछली युवजन श्रमिक रायथू कांग्रेस पार्टी (वाईएसआरसीपी) सरकार के दौरान तिरुपति के श्री वेंकटेश्वर मंदिर में परोसे जाने वाले लड्डू की तैयारी में पशु वसा सहित घटिया सामग्री का इस्तेमाल किया गया था।

जमीन माफिया सर्वे को लेकर अफवाह फैला रहे थे, तीन महीने का समय देने से रैयतों को हुआ लाभ

राजस्व विभाग ने सर्वे को लेकर समस्या बताने, सुझाव देने और शिकायत करने के लिए जारी किया है टॉल फ्री नंबर : डॉ दिलीप जायसवाल

- राजस्व विभाग के पदाधिकारी और कर्मचारी जनता को करेंगे मदद : डॉ. दिलीप जायसवाल
- राहुल गांधी का राजनीतिक पतन हो चुका है : डॉ. दिलीप जायसवाल

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

पटना, 24 सितंबर। बिहार के राजस्व और भूमि सुधार मंत्री सह भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. दिलीप जायसवाल ने आज कहा कि भूमि सर्वे का काम चल रहा है और चलता रहेगा। उन्होंने साफ लहजे में कहा कि इसके लिए तीन महीने का समय बढ़ाया गया है जिससे रैयतों की मुश्किलें कम होगी और उन्हें लाभ मिलेगा। राजस्व विभाग के पदाधिकारी और कर्मचारी जनता को मदद करेंगे।

पटना में आज पत्रकारों से चर्चा के दौरान उन्होंने कहा कि जमीन माफिया जमीन सर्वे को लेकर अफवाह फैला रहे थे। विभाग द्वारा एक टॉल फ्री नंबर 18003456215 जारी किया गया है जिस पर रैयत अपनी समस्या और शिकायत दर्ज कर सकते हैं और सुझाव भी दे सकते हैं। उन्होंने कहा कि सर्वे बंद नहीं होगा, यह चल रहा है और चलते रहेगा। इस सर्वे को लेकर अभी थोड़ी दिक्कत आ रही है लेकिन सर्वे होने के बाद भूमि से संबंधित सभी समस्याएं समाप्त हो जाएगी। विभाग के पदाधिकारी और कर्मचारी की भी अगर शिकायत मिलेगी तो उस पर भी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि तीन महीने में कैथी लिपि का विभाग के लोग प्रशिक्षण भी प्राप्त कर लेंगे। उन्होंने बताया कि कैथी लिपि के साथ हिंदी में भी लिखने का निर्देश दिया गया है।

एक प्रश्न के उत्तर में उन्होंने कहा कि राहुल गांधी घबराहट में हैं, उनका राजनीति पतन हो चुका है। उन्होंने कहा कि वे पप्पू है, यह कब होशियार होंगे पता नहीं। राहुल गांधी का दोहरा चरित्र देश के सामने आ गया है यह काँग्रेस और इंडी गठबन्धन को ले डूबेगा। जिस तरह का बयान उन्होंने आरक्षण पर दिया उसे एसटी, एससी समाज कभी माफ नहीं करेगा।

एक सवाल पर उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से कोई सांसद या विधायक जितनी आसानी से मिलते है उतनी आसानी से कोई नेता नहीं मिलता। इस मामले में तो मैं उनका कायल हूं। उन्होंने पुनौरा धाम विकास को लेकर पूछे गए एक प्रश्न पर उन्होंने कहा कि पुनौरा धाम सर्किट के निर्माण से देश ही नहीं दुनिया के पैमाने पर आएगा।

प्रधानमंत्री की अमेरिकी यात्रा तकनीक और आर्थिक रूप से ऐतिहासिक - मनोज शर्मा

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

पटना, 24 सितम्बर। भारतीय जनता पार्टी के पूर्व विधायक और प्रदेश प्रवक्ता श्री मनोज शर्मा ने माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी कि अमेरिका यात्रा को ऐतिहासिक और विदेश नीति के तहत सफल यात्रा बताया है। उन्होंने कहा कि तकनीकी रूप से और आर्थिक रूप से इस यात्रा का एक बहूयामी परिणाम होने वाला है। माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी की यह नौंवी अमेरिका यात्रा है और इसे भारत के हित में ठोस समझौता के लिए वर्षों वर्षों तक जाना जाएगा।

उन्होंने आगे कहा कि भारत ने पहली बार एक ऐसा समझौता किया है जो अभी तक अमेरिका ने किसी अन्य देश से नहीं किया है। इसके तहत अमेरिका की मिलिट्री इकाई यूएस स्पेस फोर्स, भारत सरकार के सेमीकॉन मिशन सहित दो भारतीय कंपनियों के साथ मिलकर खास किस्म के सेमीकंडक्टर बनाएगी, जो आधुनिक सामरिक क्षमता के मद्देनजर एडवांस सेंसिंग, संवर्धित संचार और हाई वोल्टेज पावर इलेक्ट्रॉनिक्स में भारत को अग्रणी बनाएगा। बीजेपी प्रवक्ता ने कहा कि माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की अमेरिका यात्रा तकनीक, एआई, क्वांटम कम्प्यूटिंग और सेमीकंडक्टर को बढ़ावा देने के लिहाज से काफी अहम रही है। आज के युग में तकनीक ही विकास की मुख्य ड्राइव फोर्स है।

राहुल गांधी के आरक्षण विरोधी एवं देश विरोधी बयानों के खिलाफ

भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चा ने किया पुतला दहन

मो. सदरे आलम नौमानी

- समाज एवं देश तोड़ने वाले नेता है राहुल गांधी-- ज्ञानचंद मांझी,
- राहुल गांधी के बयान से अनुचित समाज आहत - रणजीत कुमार सिंह
- अनुसूचित जाति समाज के लिए अपमानजनक शब्दों का प्रयोग करते हैं राहुल गांधी - कृष्णा राम

आज भारतीय जनता पार्टी अनुसूचित जाति मोर्चा के जिला अध्यक्ष कृष्णा राम के नेतृत्व भाजपा ने प्रतिपक्ष के नेता राहुल गांधी के आरक्षण एवं देश विरोधी बयानों को लेकर एक प्रतिरोध मार्च निकाला और उनका पुतला दहन नगर पालिका चौक छपरा पर किया गयापुतला दहन का नेतृत्व कर रहे हैं पूर्व विधायक ज्ञानचंद मांझी ने कहा कि समाज एवं देश को तोड़ने का काम करते हैं, राहुल गांधी जब-जब विदेश की धरती पर जाते हैं तो भारत विरोधी बयान बाजी करते हैं। भाजपा के जिला अध्यक्ष रणजीत कुमार सिंह ने कहा कि राहुल गांधी के आरक्षण विरोधी बयानों से अनुसूचित जाति समाज आहत हैं। अनुसूचित जाति मोर्चा के अध्यक्ष कृष्णा राम ने कहा कि राहुल गांधी देश एवं समाज को तोड़ना चाहते है आज के इस पुतला दहन में कार्यक्रम में प्रदेश नेता हेम नारायण सिंह, महामंत्री विवेक कुमार सिंह, शत्रुघन भक्त, जिला मंत्री सत्यानंद सिंह, अर्द्धेन्दु शेखर, जिला मीडिया प्रभारी बलवंत सिंह, प्रदेश मंत्री एस सी मोर्चा अजय मांझी, एस सी मोर्चा उपाध्यक्ष मीरा देवी, महामंत्री भरत मांझी, कोषाध्यक्ष योगेन्द्र राम, संतोष मांझी, चरणदास, नगर अध्यक्ष राजेश फैशन, निवर्तमान नगर अध्यक्ष सुशील कुमार सिंह, पूर्व मंडल अध्यक्ष मनोरंजन प्रसाद, सैनिक प्रकोष्ठ जिला संयोजक उमाकांत पांडे, किसान मोर्चा अध्यक्ष मनोज पाण्डेय, चंदन कुमार, हरेश्वर सिंह, अनुप यादव, चंदु सिंह, युवा मोर्चा नगर अध्यक्ष मनीष मिश्रा सहित सभी अनुसूचित जाति मोर्चा के जिला पदाधिकारी के साथ भारतीय जनता पार्टी के सभी कार्यकर्ता एवं नेतागण उपस्थित थे।

तीन घर जले, ग्रामीणों के सहयोग से आग पर काबू पाया गया

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
मोहम्मद जुबैर

समस्तीपुरः कल्याणपुर अंचल क्षेत्र के कुढवा पंचायत वार्ड 11 में रविवार की संध्या अचानक आग लगने से तीन घर जलने का मामला प्रकाश में आया है। घर में रखें सभी सामान जल घर राख हो गए। स्थानीय भाजपा नेता तेज नारायण प्रसाद राम, मुन्ना कुमार आग लगने की सूचना अंचल पदाधिकारी शशि रंजन कुमार को दी। ग्रामीणों के अनुसार अग्नि पीड़ित में राजगीर पासवान महेंद्र पासवान संतोष पासवान के घर जले हैं। अंजना अधिकारी स्वयं जयजा लेने पहुंचे हैं। आगे सीओ ने बताया कि आपदा से मिलने वाली सहायता राशि अग्नि पीड़ित को उपलब्ध कराई जाएगी।

मधुबनी जिलाधिकारी अरविन्द कुमार वर्मा की अध्यक्षता में जिला कृषि टास्क फोर्स की बैठक हुई आयोजित

वरिष्ठसंवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
अबु बकर

- मधुबनी जिलाधिकारी अरविन्द कुमार वर्मा की अध्यक्षता में जिला कृषि टास्क फोर्स की बैठक हुई आयोजित।
- जिले में नहरों से सिंचाई, नलकूप, कृषि फीडर से विधुत आपूर्ति, उर्वरक की उपलब्धता, छापेमारी आदि का किया समीक्षा।
- नहरों के अंतिम टेल तक पानी पहुचाने एवं कृषि फीडर से 16 घण्टे निर्बाध रूप से प्रतिदिन बिजली उपलब्ध करवाने को लेकर संबधित अधिकारियों दिया* निर्देश।
- कृषि फीडर से विधुत कनेक्शन में कठिनाई हो तो कार्यपालक अभियंता के व्हाट्सअप नंबर 7763815320(मधुबनी) एवं 7763815321(झंझारपुर) पर करे शिकायत।
- नहर प्रमंडल के सभी पदाधिकारी प्रतिदिन क्षेत्र में जाकर नहरों से हो रही जलापूर्ति पर नजर रखे।
- जिले के किसानों को ससमय पूरी सहजता से कृषि यंत्रीकरण योजना का लाभ दिलाने का दिया निर्देश-जले हुए ट्रांसफार्मर को जल्द से जल्द बदलने के दिया निर्देश

जिलाधिकारी अरविन्द कुमार वर्मा की अध्यक्षता में कल 23 सितंबर सोमवार की देर शाम में समाहरणालय स्थित सभाकक्ष में जिला स्तरीय कृषि टास्क फोर्स की बैठक आयोजित हुई। उन्होंने *नहरों से सिंचाई, नलकूप, कृषि फीडर से बिजली आपूर्ति, उर्वरक की उपलब्धता आदि का समीक्षा कर संबधित अधिकारियों को निर्देश भी दिये। समीक्षा के क्रम में जिलधिकारी ने कहा की पटवन हेतु *नहरों के अंतिम छोर तक लगातार पानी पहुँचे, इसको लेकर नहर प्रमंडल के सभी पदाधिकारी प्रतिदिन क्षेत्र में जाकर नहरों में रही जलापूर्ति पर नजर रखे। उन्होंने कहा कि किसानों से मिलकर पटवन की स्थिति जाने। उन्होंने कार्यपालक अभियंता नलकूप को निर्देश दिया कि बंद पड़े नलकुपो को शीघ्र मरम्मति कर चालू करवाना सुनिश्चित करे। उन्होंने कहा कि सिंचाई के लिए सुदूर खेतों तक तेजी के साथ विद्युत संबद्धता प्रदान करना हमारा लक्ष्य है। उन्होंने बैठक में उपस्थित कार्यपालक अभियंता विद्युत को निर्देश दिया कि जिले में जिन इच्छुक किसानों के खेतों में बिजली का खंबा उपलब्ध है, वहां शत प्रतिशत इच्छुक किसानों को जल्द से जल्द विद्युत संबद्धता प्रदान करे। कृषि फीडर से विधुत कनेक्शन में कठिनाई हो तो कार्यपालक अभियंता के व्हाट्सअप नंबर 7763815320(मधुबनी) एवं 7763815321(झंझारपुर पर शिकायत किया जा सकता है।। जिलाधिकारी ने जले हुए ट्रांसफार्मर को जल्द से जल्द बदलने के निर्देश भी दिए। उन्होंने कृषि फीडर से निर्बाध 16 घण्टे बिजली प्रतिदिन उपलब्ध करवाने को लेकर विधुत विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए। । उन्होंने नलकूपों की मरम्मती और नव निर्माण में गति लाने के लिए ठोस कदम उठाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि बंद पड़े नलकुपो को शीघ्र चालू करवाना सुनिश्चित करवाये, विशेषकर विधुत दोष से बंद पड़े नलकूप को शीघ्र ठीक करवाकर चालू करवाये।

ताजपुर प्रखंड व अंचल कार्यालय समेत विभिन्न विभागों का उद्र रोशन कुशवाहा ने किया निरीक्षण

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
मोहम्मद जुबैर

सितम्बर 24, 2024समस्तीपुर/ताजपुर : डीएम रोशन कुशवाहा ने डीडीसी संदीप शेखर प्रियदर्शी, डीएसओ महमूद आलम के साथ ताजपुर प्रखंड कार्यालय स्थित बीडीओ कार्यालय कक्ष में प्रखंड के विभिन्न विभागों के पदाधिकारी के साथ बैठक कर प्रखंड, अंचल, आरटीपीएस, कृषि, मनरेगा, एसएफसी गोदाम एवं रेफरल हॉस्पिटल का निरीक्षण किया। इस दौरान ई-किसान भवन के परिसर में पौधरोपण किया। वहीं प्रखंड मुख्यालय से एसएफसी गोदाम तक जर्जर सड़क निर्माण कराने की बात कही। वहीं रेफरल हॉस्पिटल ताजपुर का भी निरीक्षण कर आवश्यक निर्देश दिये।

आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना में उत्कृष्ट प्रदर्शन को लेकर जिलाधिकारी

अरविन्द कुमार वर्मा सहित बिहार के पाँच जिला पदाधिकारियों को किया गया सम्मानित

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
अबु बकर

आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना में उत्कृष्ट प्रदर्शन को लेकर जिलाधिकारी अरविन्द कुमार वर्मा सहित बिहार के पाँच जिला पदाधिकारियों को किया गया सम्मानित। 22 सितंबर 2024 (रविवार) को अपराह्न ज्ञान भवन पटना में आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के 6 वी वर्षगांठ के पूर्व संध्या पर आयोजित आयुष्मान दिवस समारोह के अवसर पर आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना अंतर्गत मधुबनी जिला द्वारा उत्कृष्ट प्रदर्शन को लेकर जिला पदाधिकारी अरविंद कुमार वर्मा को माननीय स्वास्थ्य मंत्री श्री मंगल पांडेय के द्वारा सम्मानित किया गया। उक्त अवसर पर जिला क्रियान्वयन इकाई (आयुष्मान भारत), मधुबनी के जिला कार्यक्रम समन्वयक कुमार प्रिय रंजन और जिला आई टी प्रबंधक प्रभाकर रंजन को भी सम्मानित किया गया। गौरतलब हो कि उक्त समारोह में आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना में उत्कृष्ट प्रदर्शन को लेकर मधुबनी सहित पाँच जिले के जिला पदाधिकारियों को सम्मानित किया गया

पूसा प्रखंड मुख्यालय पहुंचे DM, विकास कार्यो को लेकर समीक्षा बैठक में दिए आवश्यक निर्देश

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
मोहम्मद जुबैर

समस्तीपुर/पूसा :- पूसा प्रखंड मुख्यालय स्थित पंचायत समिति भवन सभागार में को डीएम रोशन कुशवाहा की अध्यक्षता में विकास कार्यों को लेकर समीक्षात्मक बैठक आयोजित की गई। समीक्षात्मक बैठक में मुख्य रूप से क्षेत्र में चल रहे विकास कार्यों को लेकर चर्चा की गई। वहीं आधार कार्ड निर्माण केंद्र को मुख्यालय के सामने लगाने का दिशा निर्देश दिया।

इसके अलावे जिलाधिकारी ने अद्यतन प्रतिवेदन के आधार पर अन्य विकास योजनाओं में तेजी लाने का निर्देश भी बीडीओ रवीश रवि को दिया। इन सबके अलावे डीएम ने जनवितरण प्रणाली गोदाम के सामने वाली सरक जो वर्षों पूर्व से जर्जर है उसे किसी भी योजना से जल्द से जल्द बनवाने का निर्देश दिया। बीडीओ रवीश कुमार रवि ने डीएम को बताया कि उक्त सरक का निर्माण कराने के लिए उसे प्रस्ताव में ले लिया गया है।

अरविन्द कुमार की अध्यक्षता में आगामी दुर्गा पूजा सहित सभी महत्वपूर्ण पर्व त्योहारों को शांतिपूर्ण एवं सौहाद्रपूर्ण वातावरण में मनाने को लेकर जिला स्तरीय शांति समिति की बैठक

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
अबु बकर

- मधुबनी डीएम अरविन्द कुमार की अध्यक्षता में आगामी दुर्गा पूजा सहित सभी महत्वपूर्ण पर्व त्योहारों को शांतिपूर्ण एवं सौहाद्रपूर्ण वातावरण में मनाने को लेकर जिला स्तरीय शांति समिति की बैठक हुई आयोजित।
- डीएम ने कहा सोशल मीडिया पर अफवाह फैलाने वाले एवं असामाजिक एवं उपद्रवी तत्वों पर रखी जाएगी कड़ी नजर।
- शांति समिति के सदस्यों ने एक स्वर में कहा जिले में सभी के सहयोग से शांति, सौहाद्रपूर्ण एवं भाईचारे के वातावरण में मनाया जाएगा दुर्गा पूजा सहित सभी पर्व-त्योहार।
- जिले में शांतिपूर्ण एव सौहाद्रपूर्ण माहौल में पर्व मनाने को लेकर शांति समिति के सदस्यों ने दिए कई महत्वपूर्ण सुझाव।

मधुबनी---24 सितंबर 2024आगामी दुर्गा पूजा सहित सभी महत्वपूर्ण पर्व त्योहारों को शांतिपूर्ण एवं सौहाद्रपूर्ण वातावरण में मनाने को लेकर डीएम अरविन्द कुमार वर्मा की अध्यक्षता में समाहरणालय स्थित सभा कक्ष में जिला स्तरीय शांति समिति की बैठक आयोजित हुई। उपस्थित शांति समिति के सदस्यों ने जिले में शांतिपूर्ण एवं सौहाद्रपूर्ण माहौल में पर्व मनाने को लेकर कई महत्वपूर्ण सुझाव दिए। शांति समिति के सभी सदस्यों ने एक स्वर में कहा जिले में सभी के सहयोग से शांति, सौहाद्रपूर्ण एवं भाईचारे के वातावरण में मनाया जाएगा दुर्गा पूजा सहित सभी पर्व-त्योहार। जिलाधिकारी प्राप्त महत्वपूर्ण सुझाव के लिए सभी सदस्यों को धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कहा की प्राप्त सुझाव के आलोक में त्वरित करवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि सभी आयोजन समितियां जिला प्रशासन द्वारा निर्गत सभी निदेशों का अनुपालन करे ताकि शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में इसका आयोजन संपन्न किया जा सके। उन्होंने स्पष्ट किया कि सभी आयोजन समितियां अपने संबंधित थाने से लाइसेंस अनिवार्य रूप से ले। मूर्ति विसर्जन के निर्धारित समय और रूट के बारे में निर्गत दिशानिदेशों का अनिवार्य रूप से पालन करे। उन्होंने कहा कि जिले के सभी महत्वपूर्ण एवं संवेदनशील स्थलों पर पर्याप्त संख्या में तेजतर्रार दंडाधिकारियों एवं पुलिस पदाधिकारी की प्रतिनियुक्ति की जाएगी। उन्होंने कहा कि सोशल मीडिया पर अफवाह फैलाने वाले और असामाजिक एवं उपद्रवी तत्वों पर कड़ी नजर रखी जा रही है। पुलिस अधीक्षक स्वयं इसकी मॉनिटरिंग कर रहे है। उन्होंने कहा कि पूजा पंडालों में अनिवार्य रूप से सीसीटीवी कैमरे लगाना होगा साथ ही अग्नि सुरक्षा सहित सभी सुरक्षा के सभी मानकों का अनिवार्य रूप से पालन करना होगा। जिलाधिकारी ने कहा कि डीजे सहित आपत्तिजनक एवं विवादित स्लोगन, गाने, कार्टून आदि पर पूर्ण रूप से प्रतिबंध रहेगा।

बाढ़ से संबंधित समीक्षा बैठक में जिलाधिकारी द्वारा दिया गया आवश्यक निर्देश

वरिष्ठसंवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

सारण छपरा 24 सितंबर 2024 बाढ़ से संबंधित समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करते हुए जिलाधिकारी सारण श्री अमन समीर द्वारा बाढ़ प्रभावित क्षेत्र से बाढ़ का पानी निकलने के पश्चात वहां आने वाली समस्याओं पर चर्चा करते हुए सिविल सर्जन एवं अन्य संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिया। सर्वप्रथम जिलाधिकारी द्वारा अंचल अधिकारी सोनपुर से बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में पानी के स्थिति की जानकारी लिया गया। अंचल अधिकारी सोनपुर द्वारा बताया गया कि प्रभावित क्षेत्र में लगातार पानी कम हो रहा है। सोनपुर प्रखंड के दियारा क्षेत्र के उत्तरी, पूर्वी सबलपुर, हासिलपुर, कसमर गांव में अभी भी पानी है। जहां 13 नावों का परिचालन हो रहा है।

आवश्यकतानुसार कल से नाव का परिचालन और कम कर दिया जाएगा। सोनपुर में चलाए जा रहे सामुदायिक रसोई घर को आवश्यकता अनुसार चलाने की बात कही गई। बताया गया कि दिघवारा प्रखंड के निचले हिस्से में ही पानी है जहां अभी भी 05 नावों का परिचालन हो रहा है।

बताया गया कि बाढ़ से प्रभावित सदर प्रखंड के तीनों पंचायतों में बाढ़ का पानी हट चुका है। यहां भी निचले इलाकों में नावों का परिचालन हो रहा है। मांझी प्रखंड में भी प्रभावित क्षेत्रों मे पानी कम हो गया है। कार्यपालक अभियंता बाढ़ नियंत्रण सारण के द्वारा बताया गया कि क्षतिग्रस्त बांधों की मरम्मती कर लिया गया है। जिलाधिकारी द्वारा सभी बाढ़ प्रभावित क्षेत्र के अंचल अधिकारी से बाढ़ से संबंधित अद्यतन प्रतिवेदन जिला आपदा शाखा, सारण को आज शाम तक उपलब्ध कराने का निर्देश दिया गया। जिलाधिकारी द्वारा सोनपुर प्रखंड में एक पशु की मृत्यु से संबंधित प्रतिवेदन की मांग की गई। बाढ़ से प्रभावित क्षेत्रों में बाढ़ के कारण व्यक्ति की मृत्यु होने पर अनुग्रह अनुदान की राशि शीघ्र आश्रित को भुगतान करने का निर्देश दिया गया। सभी अंचल अधिकारी को प्रखंड कृषि पदाधिकारी के साथ बैठक कर फसलक्षति का मैपिंग फसलवार तैयार करने का निर्देश दिया गया। बैठक में उपविकास आयुक्त, अनुमंडल पदाधिकारी सदर, विभिन्न संबंधित विभागों के जिला स्तरीय पदाधिकारी, प्रखंडों के वरीय प्रभारी तथा वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से अन्य अनुमंडल पदाधिकारी, अंचलाधिकारी आदि जुड़े थे।

मनोज झा निकला अपहरणकर्ता और , फर्जी दस्तावेजों के आधार पर करता था काम, जस्टिस मिश्रा बनकर करता था कॉल.

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
अबु बकर

- प्रेस कॉन्फ्रेंस में एसपी सुशील कुमार ने कई मामलों की दी जानकारी

मधुबनी जिला के बाबूबरही थाना क्षेत्र के सर्रा गांव निवासी तथा तथाकथितमनोज झा को पुलिस ने ललित राम का अपहरण करने के आरोप में गिरफ्तार किया है। घटना के बारे में मीडिया को जानकारी देते हुए मधुबनी के एसपी सुशीलकुमार ने बताया की मनोज झा पर गिरफ्तारी के वक्त पुलिस पर मिर्ची फैकवाने का भी आरोप है। गिरफ्तारी के पश्चात अभियुक्त से पुछताछ के क्रम में यह बात प्रकाश में आई है कि मनोजझा पूर्व में भी ठगी के केस में जेल जा चुके हैं। इनके द्वारा फर्जी दस्तावेजों के आधार पर कई फर्जी सीम कार्ड निकाले गये हैं तथा इनके द्वारा इसका इस्तेमाल प्रतिरूपण करने, ठगी करने एवं विभिन्न प्रकार से धोखाधड़ी करने में किया गया है।एसपी सुशील कुमार ने मनोज झा के पूर्व में पंजाब, हरियाणा, दिल्ली, बिहार में ठगी करने को लेकर एक दर्जन से अधिक कैसे दर्ज होने और और जेल जाने की जानकारी दी। आरोपी जस्टिस मिश्रा बनकर फर्जी कॉल करता था और केस में मदद लेता था। मामले को लेकर अभी और जांच चल रही है, साथ भी संबंधित एजेंसियों को भी सूचित किया जा रहा है।सोमवार को मधुबनी के एसपी सुशील कुमार ने मीडिया को बताया की 17 सितंबर को एक केस में ललित राम के अपहरण को लेकर तथाकथित समाजसेवी मनोज झा को रविवार को गिरफ्तार किया गया। बाबूबरही थाना कांड सं०-424/24,दिनांक-21.09.2024,धारा-137(2) बी०एन०एस०-2023 एवं परिवर्तित धारा-140(1)/140(3)/128(2)/115(2)/127(2)/352/351(2)/3(6) बी०एन०एस०-2023 एवं 3(1) (१)(२)/3(2)(५)/3(2)(५) एससी/एसटी (पीओए) एक्ट. के अंतर्गत प्राधनिकी अभियुक्त मनोज झा,पे-गंगेश झा,साकिन-सर्रा,थाना-बाबूबरही,जिला-मधुबनी के विरूद्ध ललित राम का अपहरण करने आदि के आरोप में दर्ज किया गया था।

मामले को लेकर बाबूबरही थानाध्यक्ष को सूचना मिली की मनोज झा अपने घर पर प्रेस कॉन्फ्रेन्स करने वाले है। इसकी सूचना वरीय पदाधिकारी को देते हुए इस छापामारी दल का गठन करते हुए उक्त कांड के प्राथमिक अभियुक्त मनोज झा पे०-गंगेश झा,साकिन-सर्रा,थाना-बाबूबरही,जिला-मधुबनी को गिरफ्तार करने हेतु अभियुक्त के घर ग्राम-सर्रा थाना-बाबूबरही, जिला-मधुबनी समय करीब 11:15 बजे पूर्वाहन में पुलिस दल के पहुंचा। पुलिस जब वहां गई तो देखा गया कि वहां पर पहले से 50-60 महिला-पुरुष लाठी, डंडा, हरवे हथियार से लैश होकर खड़े थे। जिसे अभियुक्त मनोज झा के द्वारा आदेश दिया गया कि पुलिस बल को मारो-पीटों क्योंकि ये लोग मुझे गिरफ्तार करने आये है।अभियुक्त मनोज झा के आदेश के आलोक में सभी महिला पुरूष पुलिस छापामारी दल पर लाठी, डंडा, हरवे हथियार से हमला कर दिया। जिसका फायदा उठाते हुए अभियुक्त मनोज झा पुलिस बल को चकमा देकर वहां से भाग गया। जिसके आलोक में बाबूबरही थाना कांड सं०-428/24, दिनांक-23.09.24. धारा-191(2)/190/132/121(1)/126(2)/127(2)/118(2)/352/351(2)/191(3)/121(2)/62 बीएनएस-2023 के अन्तर्गत प्राथमिकी अभियुक्त 1).मनोज झा, 2).रामसदाय पे०-नामालूम, 3).रामदेव सदाय,पे०-नामालूम सभी सा०-सर्रा,थाना-बाबूबरही,जिला-मधुबनी एवं 50-60 अज्ञात महिला-पुरुष के विरुद्ध दर्ज किया गया है। पुलिस फरार अभियुक्त मनोज झा का पीछा करते हुए ग्राम सोनपताही सर्रा पहुँच कर खोजबीन करने लगी। खोजबीन के क्रम में सूचना मिली कि फरार अभियुक्त मनोज झा अपने घर में छिपे हुए हैं,

ब्रीफ न्यूज

समाज और मोबाइल: तकनीक का बढ़ता प्रभाव- जहांगीर की कलम से

- आज के दौर में मोबाइल फोन केवल एक संचार उपकरण नहीं, बल्कि हमारे जीवन का अभिन्न अंग बन चुका है। यह तकनीक न केवल लोगों को जोड़े रखने में मददगार है, बल्कि इसका समाज पर गहरा और व्यापक असर भी दिखाई दे रहा है। मोबाइल फोन ने कई सकारात्मक बदलाव लाए हैं, लेकिन इसके नकारात्मक प्रभाव भी तेजी से उभर रहे हैं, जो समाज के ताने-बाने को प्रभावित कर रहे हैं।

सकारात्मक बदलाव

- मोबाइल फोन ने हमारे जीवन को सरल और सुगम बना दिया है। शिक्षा, व्यापार, स्वास्थ्य जैसी महत्वपूर्ण सेवाएं अब मोबाइल की मदद से किसी भी स्थान पर उपलब्ध हैं। छात्र, पेशेवर और उद्यमी सभी अपने कार्यों को मोबाइल फोन के जरिए तेजी से पूरा कर रहे हैं। इंटरनेट और सोशल मीडिया ने लोगों को वैश्विक मंच पर अपने विचार और जानकारियों को साझा करने का अवसर दिया है, जिससे सामाजिक संवाद और सहयोग को बढ़ावा मिला है। इसने देश के ग्रामीण और दूरस्थ क्षेत्रों में भी शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच को सशक्त बनाया है।

चिंताजनक पहलू

- परंतु, इस तकनीकी क्रांति के साथ ही इसके दुष्प्रभाव भी सामने आ रहे हैं। मोबाइल के अत्यधिक उपयोग ने लोगों के व्यक्तिगत और पारिवारिक संबंधों को कमजोर कर दिया है। लोगों में सामाजिक अलगाव की भावना बढ़ रही है, और वे असली दुनिया से दूर होकर आभासी दुनिया में अधिक समय व्यतीत करने लगे हैं। विशेषकर बच्चों और युवाओं पर इसका विपरीत प्रभाव स्पष्ट रूप से देखा जा सकता है। लंबे समय तक मोबाइल का उपयोग करने से उनकी मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य पर बुरा असर पड़ रहा है। सोशल मीडिया और मोबाइल गेम्स की लत से उनकी एकाग्रता में गिरावट और मानसिक तनाव जैसी समस्याएं बढ़ रही हैं। इसके अलावा, साइबर बुलिंग और डेटा चोरी जैसे खतरों ने भी लोगों की निजता पर सवाल खड़े किए हैं।

संभावित समाधान

- समाज में मोबाइल फोन के प्रयोग को संतुलित करने की सख्त जरूरत है। इसके लिए जागरूकता अभियान चलाना और तकनीक के सही उपयोग के महत्व को समझाना जरूरी है। परिवारों को चाहिए कि वे अपने बच्चों के मोबाइल उपयोग पर नजर रखें और उनके साथ गुणवत्ता समय बिताएं। स्कूलों और कॉलेजों में भी डिजिटल साक्षरता का प्रसार किया जाना चाहिए, ताकि युवा पीढ़ी तकनीक का इस्तेमाल जिम्मेदारी और संयम से कर सके।
- आखिरकार, मोबाइल फोन एक शक्तिशाली उपकरण है, लेकिन इसका विवेकपूर्ण और संतुलित उपयोग ही इसे समाज के लिए वरदान बना सकता है।

खानपुर पुलिस ने शराब की बड़ी खेप पकड़ी, पुलिस को चकमा देकर कारोबारी सहित चालक फरार

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
मोहम्मद जुबैर

जिले के खानपुर थाना क्षेत्र के अमसौर भोरेकायराम पंचायत में शराब तस्करी का बड़ा मामला सामने आया है। गुप्त सूचना के आधार पर खानपुर पुलिस ने अमसौर गांव स्थित मध्य विद्यालय के पास छापेमारी कर एक टाटा 407 पिकअप वाहन सहित शराब की बड़ी खेप बरामद की है। हालांकि, इस दौरान पुलिस तस्कर और वाहन चालक को पकड़ने में असफल रही, और आरोपी पुलिस को चकमा देकर फरार हो गया।जब बिहार में पूर्ण शराबबंदी लागू है। इसके बावजूद, जिलों में शराब तस्करी के मामले लगातार सामने आ रहे हैं। यह घटना इसी तस्करी का एक और उदाहरण है, जहां बड़े पैमाने पर अवैध शराब की खेप पकड़ी गई, लेकिन कारोबारी फरार होने में कामयाब रहा।

अपर थाना अध्यक्ष नरेंद्र कुमार ने बताया कि उन्हें गुप्त सूचना मिली थी कि अमसौर गांव में एक सब्जी लदी पिकअप गाड़ी में शराब तस्करी की जा रही है। सूचना के आधार पर पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए छापेमारी की और पिकअप गाड़ी से 70 कार्टून और 9 कंटेनर विदेशी शराब बरामद की। हालांकि, छापेमारी के दौरान वाहन चालक फरार हो गया।

आंगन बाड़ी किंद्रों का निरक्षण किया गया

मो. सदरे आलम नोमानी

सीतामढ़ी: डीएम रिची पांडेय के निर्देश के आलोक में आज जिला स्तरीय वरीय पदाधिकारियों,अनुमंडल अधिकारियों, प्रखंड विकास पदाधिकारी, अंचल अधिकारी एवं प्रखंडों के नोडल पदाधिकारियों के द्वारा विभिन्न प्रखंडों में आवंटित दोझदो आंगनबाड़ी केंद्रों का निरीक्षण किया गया। आज कुल 102 आंगनबाड़ी केंद्रों का एक साथ विभिन्न पदाधिकारियों के द्वारा निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के क्रम में आंगनबाड़ी केंद्र भवनों की स्थिति,शौचालय, बिजली की उपलब्धता,बच्चों के उपस्थिति,सेविका/ सहायिका की

उपस्थिति इत्यादि से संबंधित जांच की गई। पोषण कार्यक्रम के संचालन की स्थिति से अवगत हुआ गया। बच्चों के स्वास्थ्य जांच एवं पोशाक तथा स्कूल पूर्व शिक्षा के बारे में जानकारी ली गई।साथ ही पदाधिकारियों के द्वारा नागरिकों का फीडबैक भी लिया गया सभी जांच पदाधिकारियों को निर्देशित किया गया है कि आज संध्या 5:00 बजे तक जांच प्रतिवेदन जिला विकास प्रशाखा को उपलब्ध कराना सुनिश्चित करेंगे।

अंकेक्षण के दौरान विद्यालयों में पीएम पोषण योजना से संबंधित कई खामियां निकल कर आयी सामने

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
मोहम्मद जुबैर

समस्तीपुर/रोसड़ा :- सोशल ऑडिट सोसाइटी, ग्रामीण विकास विभाग, बिहार सरकार एवं शिक्षा विभाग के संयुक्त दिशा-निर्देश में तथा जिला पदाधिकारी समस्तीपुर के आदेश के आलोक में जिला समाजिक अंकेक्षण इकाई के द्वारा रोसड़ा प्रखंड के नगर निकाय अन्तर्गत चिन्हित 19 विद्यालयों का निरीक्षण उपरान्त प्राप्त तथ्यों या समस्यायों पर विस्तृत चर्चा करते हुए एसडीएम रोसड़ा आकाश चौधरी, अनमोल उपहार सेवा फाऊंडेशन के निदेशक देव कुमार, जिला समाजिक अंकेक्षण कार्यालय के जिला समन्वयक नीरज कुमार सिन्हा, नगर निकाय के नामित प्रतिनिधि ने जनसुनवाई किया।एसडीएम श्री चौधरी ने पीएम पोषण योजना के तहत संचालित मध्याह्न भोजन योजना में लगाये गये आरोप का साक्ष्य 15 दिनों के अंदर उपलब्ध कराने का निर्देश दिया। जिला समन्वयक श्री सिन्हा के द्वारा बताया गया कि दिनांक 18 से 23 सितंबर तक पीएम पोषण योजना का सोशल ऑडिट किया गया है। जिसकी जनसुनवाई आज की गई है। अंकेक्षण के दौरान विद्यालयों में पीएम पोषण योजना से संबंधित कई खामियां निकल कर सामने आया है, जिसे विभाग स्तर पर अग्रसारित किया जाएगा। मौके पर बीईओ, बीआरपी एमडीएम, ऑडिटर राजीव कुमार, गणेश कुमार, प्रीति कुमारी, अल्फा कुमारी एवं संबंधित विद्यालय के एचएम मौजूद थे।

प्रीपेड मीटर पर रोक लगाने की मांग को लेकर विधुत उपभोक्ताओं ने जुलूस निकालकर किया

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
मोहम्मद जुबैर

समस्तीपुर : प्रीपेड स्मार्ट मीटर पर रोक लगाने, 24 घंटे बिजली आपूर्ति की व्यवस्था करने, विधुत सेवा शुल्क-मीटर शुल्क एवं लोड शुल्क,लोड जुमार्ना पर रोक लगाने, 2 सौ यूनिट फ्री बिजली देने आदि मांगों को लेकर विधुत उपभोक्ताओं ने खेग्रामस के बैनर तले जुलूस निकाला। विधुत उपभोक्ताओं ने खेग्रामस के बैनर तले मंगलवार को ताजपुर नगर परिषद क्षेत्र के बहादुरनगर में इकट्ठा होकर कथितरूप से तेज चलने वाला प्रीपेड मीटर पर रोक लगाओ इलेक्ट्रीक शुल्क-मीटर शुल्क, लोड शुल्क एवं लोड जुमार्ना पर रोक लगाने, सबसे गरीब राज्य में सबसे महंगा बिजली क्यों? बिहार सरकार जबाब दो, 2 सौ यूनिट बिजली फ्री दो आदि नारे लगाते हुए गैस गोदाम से जुलूस निकाला जो बहादुरनगर धर्मकांटा तक नारे लगाकर भ्रमण करते हुए जुलूस सभा में तब्दील हो गया। सभा की अध्यक्षता खेग्रामस प्रखंड सचिव प्रभात रंजन गुप्ता ने ने किया। सभा को संबोधित करते हुए विधुत सुधार संघर्ष मोर्चा के जिला संयोजक सह भाकपा-माले जिला स्थाई समिति सदस्य सुरेंद्र प्रसाद सिंह ने कहा कि प्रीपेड मीटर तेज चलने की खबर लगातार आ रही है। जो उपभोक्ता डीजिटल मीटर का 250-300 रुपए का बिल आता था, डीजिटल मीटर लगते ही उनका बिल 5 सौ रुपए का आने लगा। यह सत्यापित जानकारी है कि एक किलोवाट लोड का प्रीपेड मीटर का इलेक्ट्रीक बिल एवं मीटर रेंट 10 रुपए हैं। स्वभाविक है कि महीने का 3 सौ और साल का 36 सौ रुपए बिना बिजली जलाये ही विभाग वसूलती है। लोड जुमार्ना के नाम पर प्रति महीना 80 रुपये वसूलती है। यह जनता की गाढ़ी कमाई का लूट है और इस लूट का विरोध किया जाना चाहिए। अपने अध्यक्षीय संबोधन में प्रभात रंजन गुप्ता ने कहा कि प्रीपेड मीटर कंपनी ऊर्जा विभाग के सचिव संजीव हंस को मर्सिडीज कार गिफ्ट दें दी। स्वभाविक है कि सबसे गरीब राज्य में सबसे महंगी बिजली आपूर्ति करना एक ओर उपभोक्ताओं का शोषण है और दूसरी ओर मर्सिडीज की कीमत की कंपनी द्वारा भरपाई है।

अर्द्ध वार्षिक परीक्षा शांतिपूर्ण और कदाचार मुक्त परीक्षा सम्पन्न

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
मोहम्मद आरिफ

सिवान महाराजगंज दुरौंधा 24 सितम्बर मंगलवार ।राज्य परियोजना परिषद द्वारा आयोजित अर्द्ध वार्षिक परीक्षा का आयोजन पुरे राज्य मे संचालित कड़ी निगरानी के बीच कराया जा रहा था। जहा आज विषय गणित विषय का परीक्षा वर्ग तीन से वर्ग पांच के छात्रों का परीक्षा प्रथम पाली मे सम्पन्न हुआ। और छात्र आज से टेंशन फ्री मोड मे नजर आ रहे थे। वही नया प्राथमिक विद्यालय कंगाली छपरा के प्रधाना धयापक श्री धर्मेन्द्र कुमार ने बताया की छात्रों का ये परीक्षा नहीं अग्नि परीक्षा था। जो राज्य परियोजना परिषद के गाइड लाइन के अनुरूप लिया गया है। वही प्रधाना ध्यापाक द्वारा परीक्षा मे तैनात वीक्षको, संदीप यादव, शमशाद अली, अर्चना कुमारी, चुनमुन कुमारी को परीक्षा को सफलता पूर्वक सफल पर धन्यवाद ज्ञापित किया।

माता पिता की आज्ञा का पालन सबसे बड़ा जीवन मंत्र

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

- दो आईएएस अधिकारियों(से.) अरविंद कुमार सिंह और अजय द्विवेदी ने जे आर कॉन्वेंट स्कूल में बच्चों के साथ कायम किया संवाद
- दरौली, सिवान :पितृ पक्ष के पावन पखवाड़े में दोन के कर्मयोगी स्वर्गीय कुमार बिहारी पांडेय की स्मृति में किया गया पौधारोपण भी

दोन। आज समय जरूर बदल रहा है लेकिन स्थानीय जे आर कॉन्वेंट स्कूल में सोमवार को आए दो आईएएस अधिकारियों (से.) अरविंद कुमार सिंह और अजय द्विवेदी ने बच्चों को अपने अनुभव से जीवन मंत्र दिया। इस अवसर पर विद्यालय के प्राचार्य सी एस नायक ने आगत अतिथियों का स्वागत किया। इस अवसर पर जे आर कॉन्वेंट के निदेशक संजय पांडेय और प्रबंधक अनीश पांडेय भी उपस्थित रहे। सोमवार को प्रातः काल में विद्यालय परिसर में पितृपक्ष के पावन पखवाड़े में विद्यालय के संस्थापक स्वर्गीय कुमार बिहारी पांडेय की स्मृति में पौधरोपण भी आगत अतिथियों द्वारा किया गया।

कैमूर और पूर्णिया के डीएम रह चुके रिटायर्ड आईएएस अधिकारी अरविंद कुमार सिंह ने जे आर कॉन्वेंट स्कूल के छात्रों से संवाद करते हुए कहा कि जिंदगी में कभी सुख तो कभी दुख आता रहता है। कभी अच्छा समय भी आता है तो कभी चुनौतियां भी आती है। हमें कभी भी धैर्य नहीं खोना चाहिए। सदैव अपना ध्यान कर्म पर रखना चाहिए। उन्होंने कहा कि प्रत्येक बच्चे को अपने माता पिता की आज्ञा का सदैव पालन करना चाहिए क्योंकि वे ही हमारे सबसे बड़े शुभचिंतक होते हैं।

इस अवसर पर रिटायर्ड आईएएस अजय द्विवेदी ने कहा कि इस क्षेत्र के बच्चों को प्राप्त हो रही उच्चस्तरीय शिक्षा को देखकर मन खुश हो जाता है। बच्चे परिश्रम करें, आगे बढ़ें ऐसी कामना है।पितृपक्ष के पावन पखवाड़े में जे आर कॉन्वेंट स्कूल प्रांगण में बच्चों से संवाद के पूर्व संस्थापक कर्मयोगी स्वर्गीय कुमार बिहारी पांडेय जी के पावन स्मृति में आगत अतिथियों सेवानिवृत आईएएस अधिकारियों श्री अरविंद कुमार सिंह और अजय द्विवेदी द्वारा पौधरोपण भी किया गया। स्वर्गीय कुमार बिहारी पांडेय जी की स्मृति में किया इन पौधों को लेकर शिक्षाविद् डॉक्टर गणेश दत्त पाठक, दंत रोग विशेषज्ञ डॉक्टर रविकांत सिंह और शशिकांत सिंह रविवार की संध्या में दोन पहुंचे थे।

राष्ट्रीय सेवा योजना के स्थापना दिवस के अवसर पर विचार गोष्ठी का आयोजन

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

ताजपुर / समस्तीपुर : राष्ट्रीय सेवा योजना की स्थापना दिवस के अवसर पर विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया। जिसकी अध्यक्षता माननीय प्राचार्य डॉ. प्रभात रंजन 'कर्ण' ने किया। कार्यक्रम का संचालन राष्ट्रीय सेवा योजना के समन्वयक डॉ. मनोज कुमार ने किया।

इस मौके पर डॉक्टर प्रभात रंजन 'कर्ण 'ने राष्ट्रीय सेवा योजना के इतिहास पर प्रकाश डालते हुए, कहा कि राष्ट्रीय सेवा योजना स्वयंसेवकों को एक बहुत बड़ा मंच प्रदान करता है।

मुख्य वक्ता डॉ. अखिलेश कुमार ने कहा उच्च शिक्षा में विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास में राष्ट्रीय सेवा योजना की महत्वपूर्ण भूमिका है। स्वच्छता, स्वास्थ्य, खेल और संस्कृति के संवर्धन में इसका महत्वपूर्ण योगदान है।

डॉ .मुकुंद कुमार ने कहा कि विद्यार्थियों के बौद्धिक एवं शारीरिक विकास में राष्ट्रीय सेवा योजना का अपना अहम योगदान देता है।

डॉ. मनोज कुमार ने कहा कि राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवकों को जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में अपना सर्वोत्तम योगदान देना चाहिए।

इस कार्यक्रम में सम्मानित शिक्षक डॉ. जगदीश प्रसाद वैश्यंत्री ,डॉ. विनीता कुमारी, श्री निशिकांत जायसवाल, श्री रजत दास, ,,डॉ. मनोज कुमार, डॉ.मुकुंद कुमार, डॉ. सुप्रिया रंजन, डॉ प्रियंका रंजन, डॉ. राशदा अमजदी,डॉ.हरिमोहन प्रसाद सिंह, डॉ.कुमारी सुषमा सरोज, ,डॉ. दुर्गा पटवा, डॉ. शहनाज आरा, डॉ. अनिल शर्मा, मौजूद रहें। इस कार्यक्रम में विद्यार्थियों में रवि कुमार, गौरव कुमार प्रतिभा कुमारी, हादी इकबाल , विश्वनाथ कुमार, आयुष राज, प्रियशी कुमारी, सुरभि कुमारी,नदीमुर रहमान, और सुमित कुमार आदि ने अपना वक्तव्य दिया।साथ ही बड़ी संख्या में शिक्षकेत्तर कर्मी एवं विद्यार्थी भी मौजूद रहे।

अर्द्ध वार्षिक परीक्षा शांतिपूर्ण और कदाचार मुक्त परीक्षा सम्पन्न

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
मोहम्मद आरिफ

सिवान महाराजगंज दुरौंधा 24 सितम्बर मंगलवार ।राज्य परियोजना परिषद द्वारा आयोजित अर्द्ध वार्षिक परीक्षा का आयोजन पुरे राज्य मे संचालित कड़ी निगरानी के बीच कराया जा रहा था। जहा आज विषय गणित विषय का परीक्षा वर्ग तीन से वर्ग पांच के छात्रों का परीक्षा प्रथम पाली मे सम्पन्न हुआ। और छात्र आज से टेंशन फ्री मोड मे नजर आ रहे थे। वही नया प्राथमिक विद्यालय कंगाली छपरा के प्रधाना धयापक श्री धर्मेन्द्र कुमार ने बताया की छात्रों का ये परीक्षा नहीं अग्नि परीक्षा था। जो राज्य परियोजना परिषद के गाइड लाइन के अनुरूप लिया गया है। वही प्रधाना ध्यापाक द्वारा परीक्षा मे तैनात वीक्षको, संदीप यादव, शमशाद अली, अर्चना कुमारी, चुनमुन कुमारी को परीक्षा को सफलता पूर्वक सफल पर धन्यवाद ज्ञापित किया।

गिरिराज बोले, बेगूसराय आपदाग्रस्त क्षेत्र घोषित हो

केंद्रीय मंत्री ने कहा- जिला प्रशासन तुरंत राज्य सरकार को रिपोर्ट भेजे, फसलें हो रही बर्बाद

बेगूसराय। केंद्रीय मंत्री और स्थानीय सांसद गिरिराज सिंह ने बाढ़ प्रभावित प्रखंड के साथ-साथ पूरे जिले को आपदाग्रस्त क्षेत्र घोषित करने की मांग की है। उन्होंने कहा है कि बेगूसराय में एक लाख हेक्टेयर से अधिक में लगी फसल बर्बाद हो गई है। जिला प्रशासन तुरंत इसकी रिपोर्ट राज्य सरकार को भेजे। हम मुख्यमंत्री से मांग कर रहे हैं। बेगूसराय में गिरिराज सिंह ने कहा कि बिहार का 22 जिला बाढ़ से प्रभावित है, लेकिन बेगूसराय जिला कुछ अधिक प्रभावित हो गया है। यहां गंगा, बूढ़ी गंडक और बलान से लोग प्रभावित हैं। बेगूसराय में करीब डेढ़ लाख हेक्टेयर कृषि योग्य भूमि है, जिसमें से एक लाख हेक्टेयर में लगी फसल बर्बाद हो गई है। नगर निगम का आंशिक क्षेत्र सहित 8 प्रखंड बाढ़ से बुरी तरह से प्रभावित हैं। वनद्वार में बूढ़ी गंडक नदी के बांध पर खतरा आ गया था, लेकिन विधायक की नजर पड़ते ही डीएम ने तुरंत संज्ञान लिया।

गिरिराज ने कहा कि गंगा के दियारा इलाके में 8 प्रखंड जहां बाढ़ से परेशान हैं, वहीं उत्तरी क्षेत्र का तमाम प्रखंड जलजमाव से तबाह है। यहां फसल बर्बाद हो गई है। डीएम सरकार को इस पर रिपोर्ट भेजें, हमने जिला कृषि पदाधिकारी से भी कहा है कि जायजा लेकर रिपोर्ट भेजें। उत्तरी क्षेत्र में वॉटर लॉगिंग एक बहुत बड़ी समस्या है। बाढ़ से नगर निगम की हालत गांव से बदतर हो गई है, लेकिन कोई फायदा नहीं मिलता है, इस क्षेत्र को भी शामिल करें। किसानों के लिए क्वालिटी बीज व खाद का प्रबंध अभी से हो। जिला प्रशासन खाद-बीज विक्रेता के साथ मीटिंग कर खाद और गुणवत्तापूर्ण बीज की उपलब्धता सुनिश्चित करें।

फ्लड फाइटिंग का ठोस उपाय नहीं हुआ तो पुराना इलाका समाप्त हो जाएगा

कहा कि मटिहानी और बलिया प्रखंड में कटाव हो रहा है, घर गिर रहे हैं, फ्लड फाइटिंग का ठोस उपाय नहीं हुआ तो पुराना इलाका समाप्त हो जाएगा। बाढ़ में प्रशासन की ओर से जितनी व्यवस्था करनी चाहिए, हो रही है, लेकिन डिमांड बढ़ती है। वह तात्कालिक व्यवस्था है, यह व्यवस्था हमें पूर्ण निदान नहीं देता है। पन्नी और कम्युनिटी किचन तात्कालिक होता है। हम चिंतित हैं कि तात्कालिक व्यवस्था के साथ-साथ स्थाई व्यवस्था हो, नहीं तो बेगूसराय शहर खतरे में है। जब बाढ़ का पानी कमा तो घर गिरना शुरू हो गया है, 100 मीटर पर कटाव हो रहा है।

विधान पार्षद सर्वेश कुमार ने कहा कि बेगूसराय को बाढ़ग्रस्त क्षेत्र घोषित करना बहुत जरूरी है। गंगा नदी का जलस्तर 2016 के लेवल को पार कर उच्चतम लेवल के करीब पहुंच गया था। लोगों को काफी कष्ट हो रहा है, फसलें बर्बाद हो गई है। 20-21 दिन पानी स्थिर रहने से लोगों को लगा था कि अब बाढ़ नहीं आएगा। प्रशासन भी निश्चित हो गया था, अचानक पानी बढ़ने से परेशानी हुई। इसके लिए समेकित योजना बनाकर काम करना होगा।

कटाव निरोधक कार्य तेजी से हो

मटिहानी विधायक राजकुमार सिंह ने कहा कि बार प्रभावित क्षेत्र में लोगों की मदद करने का पूरा प्रयास हो रहा है, लेकिन कुछ त्रुटी रह जाती है। मटिहानी प्रखंड में एक महीने से कटाव हो रहा है, अब गुप्ता-लखमीनियां बांध पर खतरा बढ़ गया है। कटाव निरोधक कार्य तेजी से हो। खोरमपुर से थर्मल तक रिंग बांध बनाने कि जल्द व्यवस्था होनी चाहिए। 2021 में मटिहानी का निरीक्षण करने आए मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने आश्वासन दिया था, अब फिर हम लोग इस पर पहल करेंगे।

बेगूसराय को बाढ़ प्रभावित क्षेत्र घोषित किया जाए। पानी घटने के बाद का प्रबंधन हो, क्योंकि प्रभावित क्षेत्र में सड़क की मरम्मत तेजी से करनी होगा।

जंजीर बांध बच्चे को पीटने वाले आरोपी अब भी फरार

बेगूसराय। में दो दिन पहले 12 साल के एक नाबालिग लड़के को दबंग महिला ने अपने बेटे और बेटी के साथ मिलकर बेरहमी से पीटा था। नाबालिग के पैर में जंजरी बंधे थे, हाथ दुपट्टे से बांधे गए थे। उसे इतना पीटा कि वो बार-बार बेहोश हो रहा था। बेटे की पिटाई की सूचना पर मां पहुंची। जिसके बाद बच्चे को छोड़ा गया। बच्चे पर आरोप था कि उसने एक पौधे को तोड़ा है। बच्चे को इतना मार गया कि उसे गोद में उठाकर पिता घर ले गए। गरीब मां-बाप के पास इतने पैसे भी नहीं है कि वह अपने बेटे का इलाज किसी अच्छे डॉक्टर से करवा सकें। जख्मी बच्चे ने कहा कि मैंने कुछ नहीं किया था, मम्मी ने मुझे बचाया। मामले में पिता ने पांच लोगों के खिलाफ आवेदन दिया है। मामला दर्ज भी हो गया है, पर अब तक पुलिस ने किसी को पकड़ा नहीं है। आरोपी पक्ष के लोग घर छोड़कर फरार हैं। घटना बखरी थाना क्षेत्र के सोनमा वार्ड नंबर-5 की हैपीड़ित बच्चे की मां ने बताया कि मैं काम करने गई हुई थी। उसके पिता बीमार रहते हैं तो घर पर ही थे। पड़ोसी अर्जुन पाल की पत्नी सुमित्रा देवी, उसका बेटा और बेटी ने बच्चे के साथ मारपीट की। बच्चे को घर से खींच कर ले गए थे। उसके हाथों को दुपट्टा से और पैर में जंजीर बांधकर उसकी पिटाई की गई। मैं पहुंची तो बच्चा बार-बार बेहोश हो रहा था। इसके बाद हमलोग उसे अस्पताल लेकर गए।बच्चे के पिता ने बताया कि पूरी रात आरोपी घर में ही थे। सुबह में भाग गए। वहीं बच्चे ने बताया कि घर से खींचकर जामुन के पेड़ के पास ले गए और बांधकर अमरूद के डंडे से पीटा था। मां, बेटा-बेटी सब मिलकर पीट रहे थे। मैंने कुछ नहीं किया था। स्थानीय लोगों ने बताया कि अर्जुन पाल दूसरे राज्य में रहता है। गांव में उसकी पत्नी सुमित्रा देवी अपने बेटे और बेटी के साथ रहती है। सुमित्रा देवी के खेत में कोई पैर रख देता है तो उसके साथ गाली-गलौज और मारपीट की जाती है। सुमित्रा देवी इतनी दबंग है कि डर से कोई कुछ बोलना भी नहीं है। आरोपी घर से फरार इधर, एसपी मनीष ने बताया कि एक बच्चे को बांधकर पीटा गया है। सूचना मिलते ही बखरी थाना की पुलिस मौके पर पहुंची और जांच-पड़ताल की। इसमें महोगनी का पौधा तोड़ने के कारण मारपीट किए जाने की बात स्थानीय लोगों ने कही है। फिलहाल आरोपी घर से फरार हैं। आगे की कार्रवाई की जा रही है।

एक्सीडेंट में दोस्त को खोया, अब बांट रहे हेलमेट

गोपालगंज। साल 2012 में मेरे दोस्त राहुल की बाइक दुर्घटना में मौत हो गई। पोस्टमॉर्टम के दौरान रिपोर्ट आई कि सिर में गहरी चोट थी। तब डॉक्टरों ने बताया कि हेलमेट होती तो जान बच सकती थी। यह हादसा मेरे लिए किसी सदमे के जैसा था। इसके बाद मैंने लोगों को सड़क हादसे और हेलमेट के लिए जागरूक करने का सोचा और आज मेरे लिए ये एक मुहिम बन चुका है। ये कहना है गोपालगंज के शाहीद इमाम का, जिसे लोग हेलमेट मैन के नाम से जानने लगे हैं। सदर प्रखंड के सरेया वार्ड नंबर 4 के निवासी शाहीद इमाम पिछले 11 साल से हेलमेट के प्रति लोगों को जागरूक कर रहे है। इस अभियान में हर साल डेढ़ लाख रुपए बिना किसी के सहयोग के खर्च करते हैं। वो एनएच पर बिना हेलमेट बाइक चलाने वालों को फ्री में हेलमेट देकर जागरूक करते हैं। इसी कारण लोग इन्हें हेलमेट मैन के नाम से जानते हैं। शाहीद अब तक 10 हजार से ज्यादा हेलमेट बांट चुके हैं। शाहीद कंप्यूटर इंजीनियर थे, उसे छोड़ कर अब वो खुद की कंप्यूटर कोचिंग चलाते हैं। बच्चो को इसकी शिक्षा देते है। साथ ही इनका कंप्यूटर और उसके पार्ट्स की दुकान है। शाहीद तीन भाईयो में मंझले हैं। तीनो भाइयों की शादी हो चुकी है। इनके काम से परिवार के सभी लोग खुश रहते है। साथ ही इनके भाई भी इस अभियान में शाहीद का साथ देते है। परिवार से कोई आपत्ति नहीं होती है। दरअसल शाहीद इमाम के करीबी दोस्त राहुल जो कंप्यूटर के डिस्ट्रब्यूटर थे, उनकी 2013 में सड़क हादसे में मौत हो गई थी। इस दर्दनाक घटना ने शाहीद को अंदर से झकझोर कर रख दिया। दोस्त के जाने का गम उनके दिल में हमेशा के लिए बस गया। दोस्त की मौत के कुछ दिन बाद एक दंपती की मौत देखी। जिसमें बाइक सवार दंपती ट्रक की चपेट में आने से मौत हो गई।

जमुई-चकाई मुख्य मार्ग के बटिया जंगल में हादसा

जमुई । चकाई मुख्य मार्ग के बटिया जंगल में अज्ञात तेज रफ्तार वाहन ने बाइक सवार युवक को कुचल दिया। हादसे में उसकी मौके पर ही मौत हो गई। मृतक की पहचान सेबयजोर गांव निवासी बहादुर मिस्त्री के 32 वर्षीय बेटे पिंटू विश्वकर्मा के रूप में की गई है।

बताया जाता है कि रविवार की रात बटिया थाना अध्यक्ष नीतू कुमारी को सूचना मिली कि अज्ञात वाहन की चपेट में आने से एक युवक की मौत हो गई है। घटना की जानकारी के बाद पुलिस मौके पर पहुंची तो बटिया जंगल में एक बाइक सवार युवक का शव पड़ा था। जबकि पास में ही बाइक भी पड़ी थी। मृतक को एंबुलेंस के जरिए सदर अस्पताल लाया गया। वहीं एंबुलेंस चालक मिथुन कुमार ने बताया कि बटिया थाने की पुलिस के द्वारा फोन कर बुलाया गया था। सड़क पर पड़े एक युवक को एंबुलेंस के जरिए सदर अस्पताल लाया गया। मृतक के पिता बहादुर मिस्त्री ने बताया कि उसका पुत्र पिंटू रविवार को अपने निजी काम के सिलसिले में वह चकाई गया था। जब वह रात को अपने घर लौट रहा था तो अज्ञात वाहन ने बटिया जंगल में कुचल दिया। बटिया थानाध्याक्ष नीतू कुमारी ने पूरी घटना की जानकारी उन्हें फोनकर दिया और सदर अस्पताल एंबुलेंस से भेजने की बात कही। जब वह सदर अस्पताल पहुंचा तो देखा कि उसका पुत्र मृत पड़ा है।

बटिया थाना अध्यक्ष नीतू कुमारी ने बताया कि अज्ञात वाहन की चपेट में आने से एक बाइक सवार युवक की मौत हुई है। शव को सदर अस्पताल भेज पूरे मामले की जांच की जा रही है। आगे की कार्रवाई भी की जा रही है।

पिंडदान के लिए 4 लाख से अधिक तीर्थयात्री पहुंच चुके

फल्गु नदी के तट देवघाट पर जुटे पिंडदानी, हर दिन लोगों की बढ़ती जा रही संख्या

गया। जी धाम में तीर्थयात्रियों की हर दिन भारी भीड़ उमड़ रही है। इस भीड़ में आम के साथ-साथ खास भी हैं। सभी अपने पूर्वजों को जन्म-मरण से मुक्ति और उनके मोक्ष के निमित पिंडदान के विधि विधान को सम्पन्न कराने में जुटे हैं। जिला प्रशासन की माने तो अबतक 4 लाख से अधिक तीर्थ यात्री गया जी आ चुके हैं। उनके आने और जाने का क्रम हर दिन बना हुआ है। तीर्थ यात्री आगामी बुधवार तक विष्णुपद मन्दिर से जुड़ी पिंडवेदियों पर पूर्वजों के निमित पिंडदान करेंगे। विष्णुपद से जुड़े पिंडवेदियों पर पिंडदान का विधान पंचमी तिथि से शुरू है जो अष्टमी तक चलेगा। इस बीच पिंडदानियों द्वारा अलग अलग दिन कुल मिलाकर 19 पिंड वेदियों पर पिंडदान करेंगे। इस दौरान त्रिपाक्षिक श्राद्ध करने वालों के अलावा तीन दिनों तक का श्राद्ध करने वालों की भीड़ देखने को मिलेगी।

सोमवार सुबह से ही कार्तिकपद, दक्षणाग्निपद, गार्हपत्याग्निपद, आह्ववियाग्नि पद वेदियों पर पिंडदान करने की भीड़ लग रही है। यह सभी वेदी विष्णुपद मन्दिर परिसर के अंदर ही स्थित हैं। इन स्थानों पर पिंडदान करने के बाद पिंडदानी भगवान श्री हरि विष्णु के गर्भगृह में विष्णुचरण का दर्शन करेंगे। इसके अलावा सोमवार को आने वाले पिंडदानी फल्गु नदी के तट देवघाट में पिंडदान करने में जुटे हैं। खास बात यह भी गया जी में उमस भरी गर्मी बखूबी इन दिनों पड़ रही है। इसकी वजह पिंडदानी थोड़े बेदम हैं। गौरतलब है कि पिंडदान करने के लिए बड़ी संख्या में या तो बुजुर्ग होते हैं या फिर अधेड़। गर्मी व उपवास की वजह से कई तीर्थ यात्रियों को स्वास्थ्य सम्बन्धित दिक्कत भी हो रही है। हालांकि विष्णुपद मन्दिर परिसर के निकट ही स्वास्थ्य शिविर होने की वजह से उन्हें तत्काल उपचार भी मिल जा रहा है। विष्णुपद प्रबन्धकारिणी समिति के अध्यक्ष शम्भू लाल बिट्ठल का कहना है कि तीर्थ यात्रियों की संख्या प्रति दिन बढ़ रही है।

सुदूर गांव के लोग सर्वे-लेखागार कार्यालय का लगा रहे चक्कर

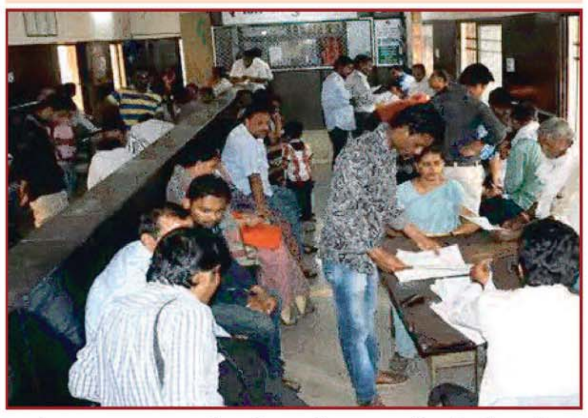

दरभंगा। राज्य सरकार ने जमीन की सर्वे करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है, लेकिन अधिकारियों व कर्मचारियों की मनमानी के कारण यह प्रक्रिया आम लोगों के लिए परेशानी का सबब बनती जा रही है। हालात यह है कि सुदूर गांव से लोग हर रोज सर्वे व लेखागार कार्यालय का चक्कर लगा रहें है। जिला मुख्यालय अभिलेखागार कार्यालय में रोज सैकड़ों की संख्या में खतियान लेने के लिए किसानों की भीड़ देखी जा रही है। जिला मुख्यालय अभिलेखागार कार्यालय से प्रत्येक दिन सिर्फ सौ खतियान ही बांटे जा रहे हैं। जबकि खतियान लेने के लिए प्रत्येक दिन 1200 से 2000 के बीच चिरकूट फाइल किया जा रहा है।बताया जाता है कि ऑनलाइन सिस्टम कमजोर होने की वजह से भी कई तरह की परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। किसानों ने बताया कि सर्वे करना सरकार की अच्छी पहल है, लेकिन इसके लिए सरकार को पहले तैयारी करनी चाहिए थी। बगैर किसी तैयारी के सर्वे करने की घोषणा कर दी गई और सर्वे का कार्य जैसे ही प्रारंभ हुआ, किसानों को कागजात इकट्ठा करने में भी काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। अधिक से अधिक खतियान का वितरण की कोशिश जिला अभिलेखागार कार्यालय के प्रधान लिपिक ने बताया कि यहां खतियान के लिए सैकड़ों किसानों की भीड़ इकट्ठा हो रही है। कोशिश की जा रही है अधिक से अधिक खतियान का वितरण किया जाए, लेकिन 100 खतियान से ज्यादा वितरण नहीं हो पा रहा है। प्रत्येक दिन भीड़ बढ़ते ही जा रही है। अभिलेखागार में कुछ मौजा का खतियान कटे-फटे होने की वजह परेशानी हो रही है। वैसे किसानों को चकबंदी कार्यालय में भेजा जा रहा है। उहापोह की स्थिति बनी हुई अभिलेखागार प्रभारी पदाधिकारी सह डीपीआरओ पंचायत प्रशांत कुमार ने कहा कि इन दिनों अभिलेखागार में प्रत्येक दिन 1500 से 2000 के बीच रिकॉर्ड की खोजबीन के लिए चिरकुट फाइल हो रहा है।

मां को मंत्री बनाना था,इतना पैसा पेपर लीक से आता

संजीव मुखिया के बेटे डॉ. शिव का खुलासा; कहा- पापा प्रिंटिंग प्रेस की रेकी करते

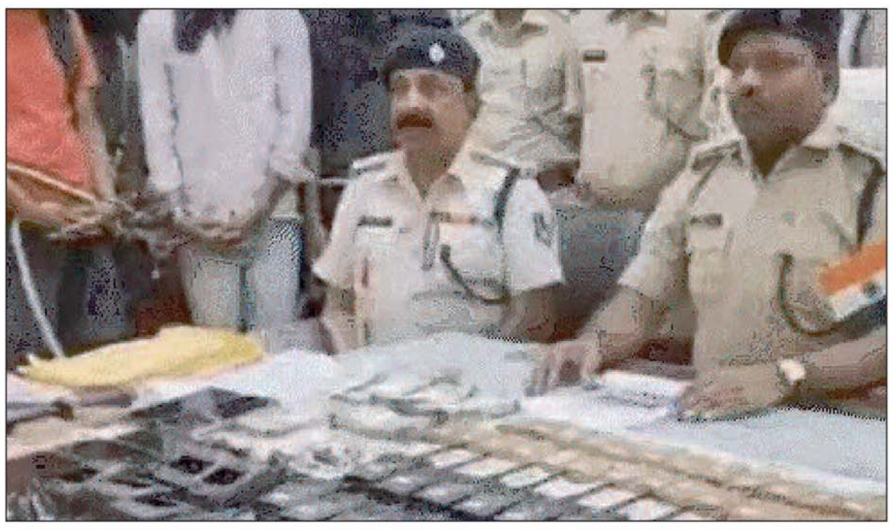

पटना। सिपाही पेपर लीक मामले में अब तक की सबसे बड़ी गिरफ्तारी संजीव मुखिया के बेटे डॉ. शिव कुमार उर्फ बिट्टू की हुई है। वह पटना के PMCH में 2015-2021 बैच का डॉक्टर है। शिव के खिलाफ पुलिस ने चार्जशीट दाखिल कर लिया है। चार्जशीट में शिव ने जो बयान दिया है, वो चौंकाने वाले हैं।

शिव ने बताया कि उसने ये सब अपनी मां ममता देवी के लिए किया है। उसने कहा कि उसकी मां ममता देवी ने साल 2020 में लोजपा के टिकट पर हरनौत से विधानसभा का चुनाव लड़ा, लेकिन हार गईं। उस चुनाव में करीब 5 करोड़ खर्च हुए थे।

उसने कहा, 'मेरा लक्ष्य मां को लोकसभा चुनाव जीता कर मंत्री बनाना है। चुनाव में काफी पैसा खर्च होता है। इतना पैसा पेपर लीक कराकर ही कमाया जा सकता है।' शिव ने कहा कि उसके पिता संजीव मुखिया भी इनसब में शामिल है। क्वेश्चन पेपर छापने का ठेका कोलकाता के कालटेक्स प्रिंटिंग प्रेस को दिया गया है। इस बात की जानकारी केंद्रीय चयन पर्षद के अधिकारियों ने ही दी थी।

चार्जशीट में शिव ने कहा कि उसके पिता को पता रहता है कि किस परीक्षा को कौन-सा आयोग आयोजित करवा रहा है। इसके बाद उसके पिता आयोग के कर्मी या अधिकारी से मिलकर प्रिंटिंग प्रेस के बारे में जानकारी हासिल कर लेते हैं। इसके बाद प्रिंटिंग प्रेस, उसके कर्मियों और अधिकारियों की रेकी की जाती है।

यहीं से क्वेश्चन पेपर का ट्रांसपोर्टेशन करने वाली कंपनी के बारे में जानकारी हासिल होती है। ढुलाई के दौरान गाड़ी को रोककर उसका सील लॉक तोड़ा जाता है और पेपर का फोटो खींच लिया जाता है। फिर गाड़ी में दूसरा सील लॉक लगा दिया जाता हैजांच में खुलासा हुआ कि संजीव मुखिया परीक्षा माफियाओं का अंतरराज्यीय गिरोह चलता है। उसके गिरोह में बिहार, झारखंड, उत्तरप्रदेश, बंगाल,ओडिशा, राजस्थान और मध्यप्रदेश के जालसाज शामिल हैं। इन राज्यों में जैसे ही बहाली का कोई विज्ञापन आता है, गिरोह पेपर लीक कराने में जुट जाता है।

डॉ. शुभम मंडल, विक्की कुमार, सुमित, प्रदीप, रवि अत्री, अभिषेक केसरी, मनीष, अतुल वत्स, अश्विनी रंजन, विशाल चौरसिया, सुचिंद्र पासवान, सोनू चेसी, अजीत चौहान, अजय चौहान, अमित भारती, डॉ. मनीष, संजय प्रभात, साहिल सिंह, विकास, अमन, सुमन, डॉ.. पिंटू सिंह, अखिलेश, बबलू भूमिहार गिरोह के मुख्य आदमी हैं।

संजीव के नेपाल में छिपे होने का शक

संजीव मुखिया की गिरफ्तारी को लेकर एजेंसियां लगातार छापेमारी कर रही हैं। कुछ दिन पहले सूचना मिली थी कि वो नेपाल में छिपा है। इसके बाद टीम उसकी तलाश में नेपाल पहुंची, लेकिन वो वहां नहीं मिला, लेकिन जानकारी के मुताबिक, संजीव मुखिया अभी नेपाल में ही है।

सिपाही भर्ती परीक्षा एक अक्टूबर 2023 को हुई थी। शिक्षक भर्ती परीक्षा 15 मार्च 2024 को थी और नीट यूजी की परीक्षा एक मई 2024 को थी। तीनों ही परीक्षा का प्रश्नपत्र लीक हो गया। जांच में यह बात सामने आ चुकी है कि तीनों परीक्षा के प्रश्नपत्र लीक का मास्टरमाइंड संजीव मुखिया है। हालांकि, सिपाही भर्ती परीक्षा लीक के बाद उसे रद्द कर दिया गया था।

शंकराचार्य बोले- हिंदुओं का वोट लेकर उन्हीं के साथ धोखा

लखनऊ में कहा- योगी सीएम, फिर भी यूपी सबसे ज्यादा गौ मांस एक्सपोर्ट कर रहा

लखनऊ। जगद्गुरु शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती सोमवार को लखनऊ पहुंचे। उन्होंने कहा- हिंदुओं का वोट लेकर हिंदुओं के साथ धोखा हो रहा है। देश में न राष्ट्रपति हिंदू हैं न प्रधानमंत्री हिंदू हैं। अगर ये हिंदू होते तो एक भी गाय की हत्या नहीं होती। शंकराचार्य ने कहा- गौ हत्या बंद करने के लिए सरकार को कानून बनाना होगा। इसके लिए ही मैं मठ छोड़कर निकला हूं। यह देखकर आश्चर्य होता है कि यूपी के मुख्यमंत्री महंत योगी आदित्यनाथ हैं। इसके बाद भी यूपी सबसे ज्यादा गौ मांस का निर्यात कर रहा है। मेरी यात्रा का विरोध सबसे पहले बीजेपी ने ही किया, इससे आश्चर्य हुआ। उन्होंने कहा- मैं सभी प्रदेशों की यात्रा करूंगा गौ-ध्वज फहराऊंगा। सरकार को हर हाल में गौ रक्षा का कानून बनाना होगा। मैंने रामलला के सामने भी यही संकल्प लिया है, कि जब तक कानून नहीं बन जाता, तब तक दर्शन नहीं करूंगा।लखनऊ के इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती 'गौ-ध्वज स्थापना भारत यात्रा' विषय पर कार्यक्रम में शामिल हुए। उन्होंने कहा- जब इस समय एक देश, एक कानून। एक देश, एक चुनाव की बात हो रही है, तो गौ माता को लेकर हर प्रदेश में अलग-अलग कानून क्यों बनाए गए? हमारी इस यात्रा का सबसे पहला विरोध भारतीय जनता पार्टी की तरफ से हुआ। नगालैंड में हमें रोक दिया गया, लेकिन हम नगालैंड जाएंगे। यह बीजेपी का दोहरा चरित्र है, जिससे मैं आश्चर्यचकित हूं। शंकराचार्य किसी पार्टी के नहीं होते। उन्होंने कहा कि अल्पसंख्यक नहीं कह सकते, कि गाय खाना हमारा अधिकार है। अगर ऐसा कहते हैं, तो वे अपने शरिया वाले देश में चले जाएं। हमारे यहां पहला स्थान गाय को दिया जाता हैशंकराचार्य ने कहा-देश में न राष्ट्रपति हिंदू हैं न प्रधानमंत्री हिंदू हैं। अगर ये हिंदू होते तो एक भी गाय की हत्या नहीं होती। भारत की पहचान मंदिर है, यहां की संकृति में सबसे बड़ा सम्मान गाय का है। हमारे यहां पहली रोटी गाय के लिए निकाली जाती है। हमारे यहां पहला स्थान गाय को दिया जाता है। भारतीय संस्कृति को नष्ट करने के लिए गायों की जान ली जा रही।

मेंहदावल में अतिक्रमणकारियों ने सड़कों पर किया कब्जा

संतकबीरनगर। के मेंहदावल कस्बे की सड़कों पर अतिक्रमणकारियों ने कब्जा कर लिया। सड़क के दोनों किनारों पर अस्थायी दुकानें हैं। जिससे कस्बे की खूबसूरती तो बिगड़ी ही है।

साथ ही लोगों की दिक्कत भी बढ़ गई हैं। नगर पंचायत और तहसील मुख्यालय होने के बावजूद अतिक्रमण की यह समस्या थमने का नाम नहीं ले रही। कस्बे के अंजहिया बाजार से लेकर रोडवेज तक, और बारह खाल से चौक बाजार तक, हर तरफ अतिक्रमणकारियों का कब्जा है। ये अस्थायी दुकानें सड़कों के दोनों किनारों पर जम चुकी हैं, जिससे यातायात अव्यवस्थित हो गया है। सड़कों पर गाड़ियां तो दिखती हैं, पर अतिक्रमण की वजह से कई बार जाम की स्थिति उत्पन्न हो जाती है।

उत्पादकता व चीनी परता बढ़ाने के ज्ञान वृद्धि में सहायक होगी ओपी गुप्ता की पुस्तक

संवाददाता

कसया, कुशीनगर। उत्तर प्रदेश गन्ना किसनो संस्थान प्रशिक्षण केन्द्र - पिपराईच - गोरखपुर के पूर्व सहायक निदेशक व कसया तहसील क्षेत्र के बकनहा निवासी ओम प्रकाश गुप्ता ने अपनी लिखी पुस्तक में दावा किया है कि प्रशिक्षण सत्र 2023 - 24 में पूर्वांचल के 12 जिलों के 25 हजार किसानों को प्रशिक्षित किया गया।अवकाशप्राप्त सहायक निदेशक श्री गुप्ता ने अपनी लिखी पुस्तक 'मेरा गन्ना महान' में गन्ने की उन्नत खेती, सह फसली खेती, प्रशिक्षण को लेकर उपयोगी और ज्ञानवर्धक जानकारी दी है। पुस्तक में कृषक अध्ययन यात्रा कार्यक्रम में देश के प्रमुख गन्ना उत्पादक राज्यो महाराष्ट्र, आन्ध्र प्रदेश, गुजरात, कर्नाटक, तमिलनाडु, करनाल, हरियाणा,

बिहार, उत्तर प्रदेश, उड़ीसा, आदि राज्यो के गन्ना अनुसंधान संस्थानो, कोयम्बटूर गन्ना प्रजनन संस्थान बी.एस.आई. पूना संस्थान में हुए प्रशिक्षणों का उल्लेख है। जिसमें शोध प्रक्षेत्र, नवीनतम शोध तकनीक प्राप्त करने की जानकारी। श्री गुप्ता ने बताया कि प्रशिक्षण लेकर गन्ने की उत्पादकता बढाने, चीनी परता में वृद्धि करने, कृषको की आय बढ़ाने के उद्देश्य से पुस्तक लिखा गया है। जो गन्ना विकास कर्मचारियों, अधिकारियों, चीनी मिल के गन्ना विकस कर्मचारियों, अधिकरियों कृषि छात्रों तथा गन्ना कृषको के लिए उपयोगी एवं ज्ञानवर्धक सिद्ध होगी। सहायक निदेशक गुप्ता को प्रशिक्षण के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने के लिए प्रदेश के कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही, करनाल - हरियाणा, मुख्य मंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा गोरखपुर महोत्सव, पथरदेवा देवरिया जिला मे जिला स्तरीय गोष्ठी में सम्मानित किया गया। श्री गुप्ता को गन्ना विकास एवं चीनी उद्योग शोध संस्थान कृषि संस्थानो मे भ्रमण एवं प्रशिक्षण का विशेष अनुभव है। पूर्वांचल के 12 जिलो में प्रशिक्षण देते है। प्रशिक्षण सत्र 2023-24 में 25 हजार को प्रशिक्षित किए गए हैं।

सदस्यता अभियान के लक्ष्य को हासिल करें कार्यकर्ता: विधायक सुरेंद्र कुशवाहा

संवाददाता

कुशीनगर। स्थानीय नगर पंचायत के सभागार में भाजपा कार्यकताओं की बैठक हुई। जिसमें पार्टी द्वारा चलाए जा रहे सदस्यता अभियान की समीक्षा करते हुए लक्ष्य के प्राप्ति पर जोर दिया गया।

बैठक को संबोधित करते हुए क्षेत्रीय विधायक सुरेन्द्र कुमार कुशवाहा ने कहा कि किसी भी राजनैतिक दल की मूल पूंजी उसके कार्यकर्ता और उनकी सदस्य संख्या होती है। पार्टी ने सभी बूथों पर कम से कम दो सौ लोगों को पार्टी की सदस्यता दिलाने का लक्ष्य रखा है। जिसे हम सभी को पूरा करना है। लोग पार्टी सदस्यता लेने को आतुर हैं। केवल हमें उनके पास पहुंचना है। ऐसा कर लेते हैं तो हम अपना लक्ष्य जरूर पूरा कर लेंगे। जिलाध्यक्ष दुर्गेश राय ने अब तक हुए सदस्य संख्या पर संतोष व्यक्त करते हुए कहा कि सभी को अपने दायित्व के प्रति सजग होने की आवश्यकता है। जिससे हम सदस्यता में प्रदेश में एक नम्बर पर पहुंचा सकें। बैठक को पूर्व विधायक शशि शर्मा,जिला उपाध्यक्ष दिवाकर मणि त्रिपाठी, ब्लाक प्रमुख प्रतिनिधि राजेश जायसवाल, रामबृक्ष गिरि,खादी ग्रामोद्योग के पंकज पांडेय,पूर्व ब्लाक प्रमुख प्रतिनिधि पशुपतिनाथ जायसवाल, डा.कन्हैया शर्मा, डा.डीएन कुशवाहा, महेन्द्र उपाध्याय आदि ने संबोधित किया। बैठक में मंडल अध्यक्ष गणश्रीनिवास राय, शेषनाथ मिश्रा, महेंद्र शर्मा, मुकुल तिवारी, राणाप्राताप मिश्रा, नंदकिशोर पाण्डेय,कुंवर सुभाष सिंह, दुर्गेश सिंह, अनिल जायसवाल, अमलेश तिवारी, विभूति गुप्ता आदि कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

सेवा से बड़ा कोई परोपकार नहीं: सीएमडी रेड हिल्स ग्रुप आलमगीर अंसारी

कुशीनगर। किसी इंसान को कामयाब होने के लिए सिर्फ दौलत की जरूरत नही होती है कुछ कामयाबी ऐसी होती है जो बिना दौलत के कमाई जाती है जिला कुशीनगर रहने वाले रेड हिल्स ग्रुप सीएमडी आलमगीर अंसारी उन चुनिंदा लोगो मे से एक है जो इन दिनों पूरे उत्तर प्रदेश अपनी कार्यशैली से लाखों दिलो पर राज कर रहे हैं। आइये जानते है वरिष्ठ रेड हिल्स ग्रुप समाजसेवी सीएमडी आलमगीर अंसारी का क्या कहना है कैसे वो इस मुकाम पर पहुंचे। जहाँ बड़े बड़े धनवान नही पहुंच पाते हैं। रेड हिल्स ग्रुप श्री अंसारी का कहना है कि दूसरों के प्रति निःस्वार्थ सेवा का भाव रखना ही जीवन में कामयाबी का मूलमंत्र है। निःस्वार्थ भाव से की गई सेवा से किसी का भी हृदय परिवर्तन किया जा सकता है। हमें अपने आचरण में सदैव सेवा का भाव निहित रखना चाहिए, जिससे अन्य लोग भी प्रेरित होते हुए कामयाबी के मार्ग पर अग्रसर हो सकें। सेवारत व्यक्ति सर्वप्रथम अपने, फिर अपने सहकर्मियों व अपने सेवायोजक के प्रति ईमानदार हो। इन स्तरों पर सेवा भाव में आई कमी मनुष्य को धीरे-धीरे पतन की ओर ले जाती है। सेवा भाव ही मनुष्य की पहचान बनाती है और उसकी मेहनत चमकाती है। सेवाभाव हमारे लिए आत्मसंतोष का वाहक ही नहीं बनता बल्कि संपर्क में आने वाले लोगों के बीच भी अच्छाई के संदेश को स्वतः उजागर करते हुए समाज को नई दिशा व दशा देने का काम करता है। जैसे गुलाब को उपदेश देने की जरूरत नहीं होती, वह तो केवल अपनी खुशबू बिखेरता है। उसकी खुशबू ही उसका संदेश है। ठीक इसी तरह खूबसूरत लोग हमेशा दयावान नहीं होते लेकिन दयावान लोग हमेशा खूबसूरत होते हैं, यह सर्वविदित है। सामाजिक, आर्थिक। सभी रूपों में सेवा भाव की अपनी अलग- अलग महत्ता है। बिना सेवा भाव के किसी भी पुनीत कार्य को अंजाम तक नहीं पहुंचाया जा सकता। सेवा भाव के जरिए समाज में व्याप्त कुरीतियों को जड़ से समाप्त करने के साथ ही आम लोगों को भी उनके सामाजिक दायित्वों के प्रति जागरूक किया जा सकता है। असल में सेवा भाव आपसी सद्भाव का वाहक बनता है। जब हम एक-दूसरे के प्रति सेवा भाव रखते हैं तब आपसी द्वेष की भावना स्वतः समाप्त हो जाती है और हम सभी मिलकर कामयाबी के पथ पर अग्रसर होते हैं। सेवा से बड़ा कोई परोपकार इस विश्व में नहीं है, जिसे मानव सहजता से अपने जीवन में अंगीकार कर सकता है। प्रारंभिक शिक्षा से लेकर हमारे अंतिम सेवा काल तक सेवा ही एक मात्र ऐसा आभूषण है, जो हमारे जीवन को सार्थक सिद्ध करने में अहम भूमिका निभाता है। बिना सेवा भाव विकसित किए मनुष्य जीवन को सफल नहीं बना सकता। हम सभी को चाहिए कि सेवा के इस महत्व को समझें व दूसरों को भी इस ओर जागरूक करने की पहल करें। तभी हम असल मे एक कामयाब इंसान बन सकते है।

बुजुर्ग का शव पड़ा रहा, गाड़ियां गुजरती रहीं

बस्ती। के हरैर्या थाना क्षेत्र के भदावल चौराहे पर एक वृद्ध को अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी। वाहन का पहिया बुजुर्ग के सिर पर चढ़ गया था, जिससे उनकी मौत हो गई थी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने वृद्ध के शव को कब्जे में लेकर घंटों शिनाख्त कराने की कोशिश की, लेकिन शिनाख्त नहीं हो पाई थी। इस बीच पुलिस काफी परेशान दिखी। बाद में पुलिस ने शव का पंचनामा कराकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। घटना सोमवार सुबह की है। एक अज्ञात वाहन ने लगभग 62 वर्षीय व्यक्ति को अपनी चपेट में ले लिया। इस बीच बुजुर्ग का शव काफी देर तक सड़क पर पड़ा रहा। सड़क से सैकड़ों वाहन गुजरते रहे। आसपास के लोगों ने घटना की सूचना पुलिस और चौकड़ी एनएचएआई को दिया। पुलिस शव को कब्जे में लेकर थाने ले आई। 72 घंटे बाद होगा अंतिम संस्कार पुलिस लोगों की मदद से शव का शिनाख्त करने प्रयास करती रही, लेकिन खबर लिखे जाने तक शव की शिनाख्त नहीं हो पाई थी। घटना को लेकर प्रभारी निरीक्षक हरैर्या तहसीलदार सिंह ने बताया कि शव के शिनाख्त के लिए काफी प्रयास किया गया, लेकिन नहीं हो सका है, ऐसे में शव का पंचनामा कराकर 72 घंटे के लिए पीएम हॉउस में रखवा दिया गया है, जिसके बाद शव का लावारिश में अंतिम संस्कार किया जाएगा।

शिविर में हुई 250 सफाई मित्रों की जांच, इओ अंकिता शुक्ला ने दिए स्वच्छता के संदेश

संवाददाता

कसया, कुशीनगर। स्वच्छता ही सेवा - 2024 के अंतर्गत 17 सितम्बर से 2 अक्टूबर तक चल रहे स्वछता पखवाड़ा के तहत नगरपालिका परिषद कुशीनगर के परिसर में सफाई मित्र सुरक्षा शिविर का आयोजन कर नगर वासियों को योजनाओं के बारे में जानकारी दी गयी और 250 सफाई मित्रों के स्वास्थ्य की जांच कर उन्हें स्वच्छ रहने की सलाह दी गयी।

सोमवार को नपाप कुशीनगर द्वारा आयोजित शिविर में आवास, राशनकार्ड, आयुष्मान कार्ड सहित विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी लोगों को दी गयी। जिला पूर्ति कार्यालय से अरविंद कुमार ने राशनकार्ड, डूडा से सूरज तिवारी ने आवास की जानकारी दी। सफाई मित्रों को दवा वितरित करते हुए नपा अध्यक्ष श्रीमती किरन जायसवाल ने सफाई

कर्मियों के सेवा कार्यों की सराहना की और कहा कि स्वस्थ्य रहने के लिए स्वच्छता पर ध्यान दें। नपाप अध्यक्ष प्रतिनिधि राकेश कुमार जायसवाल ने कहा कि स्वच्छ नगर से ही प्रदूषण मुक्त वातावरण विकसित होगा। इसलिए सफाई के प्रति हम लोगों को जागरूक करें। नगर की अधिशाषी अधिकारी अंकिता शुक्ला ने कहा कि नगर को स्वच्छ रखने के लिए सफाई मित्रों का स्वच्छ होना जरूरी है। जब आप खुद स्वच्छ होंगे तो नगर स्वच्छ होगा। सीएचसी कसया से आये चिकित्सा दल में शामिल डॉ संजय कुमार सिंह, डॉ सावित्री सिंह, डॉ पल्लवी सिंह, फिजियोथेरिपिस्ट वीरेंद्र शर्मा, एएनएम मीरा दुबे ने सफाई मित्रो की जांच कर दवा वितरित की। स्वच्छता प्रभारी श्रवण तिवारी ने संचालन करते हुए सफाई मित्रों को स्वस्थ्य रहने के टिप्स दिए। इस दौरान वरिष्ठ लिपिक राजेश श्रीवास्तव, हरेंद्र यादव, उग्रसेन कुमार, मुस्तफा अंसारी, साकेत गोंविन्द राव, विजय यादव, राजकुमार, अमन, रवि, पाण्डेय, संजय सिंह, देवेंदु गौतम, समर मद्धेशिया, अनिल शर्मा, सिराजुद्दीन, नवनीत श्रीवास्तव, अभिषेक श्रीवास्तव सहित जिलापूर्ति विभाग, डूडा आदि विभागों के कर्मी मौजूद रहे।

संक्षिप्त डायरी

रामपुर तटंबंध के पास दलदल में फंसी गायें

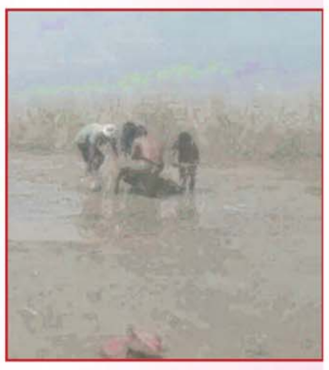

बस्ती। के कुदरहा विकास क्षेत्र के कलवारी रामपुर तटंबंध के दलदल में 10 गाय फंस गईं। सभी गाय 3 दिन से फंसी हुई बताई जा रही है। ग्रामीणों ने कड़ी मशक्कत कर 3 गायों को दलदल से निकाल लिया। लेकिन अभी भी 7 गायें दलदल में फंसी हैं। जिन्हें निकालने के लिए ग्रामीण जद्दोजहद कर रहे हैं। ग्रामीणों ने बताया कि ये गाय सरयू नदी के तलहटी में सैकड़ों की संख्या में रहती हैं। पिछले तीन दिनों से लगभग 10 गाय बंधे के दक्षिण दलदल में फंसी थी। गायों को तीन दिन से तड़पता देख उनसे से रहा नहीं गया और सोमवार को उन्होंने दलदल में उतरकर गायों को बचाने का कार्य शुरू किया। बड़ी मशक्कत के बाद तीन गायों को दलदल से बाहर निकाल लिया गया। जबकि अन्य गाय अभी भी दलदल में फंसी हुई है। गायों के बिगड़ैल व जंगली होने के चलते ग्रामीणों को इन्हें दलदल से निकालने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीणों ने बताया कि जो गाय अभी भी फंसी हुई है। मंगलवार को उनको बचाने का प्रयास किया जाएगा। गायों को बचाने में मटियरिया निवासी विनोद यादव, जितेश यादव, गोपाल यादव, अखिलेश, पिपरपाती निवासी राम आशीष यादव, दिलीप यादव आदि ग्रामीण शामिल रहे।

रूधौली में निशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन

रूधौली। में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पर सोमवार को सेवा पखवाड़ा कार्यक्रम के अंतर्गत आयुष्मान योजना के छह वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में निशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का आयोजन किया गया। जिला पंचायत अध्यक्ष संजय चौधरी ने फीता काटकर इस शिविर का शुभारंभ किया। इस शिविर में सर्जन डॉ. राजेश पटेल, डॉ. संजय चौधरी, डॉ. देवेंद्र कुमार और डॉ. भावना गुप्ता ने मरीजों की जांच की। डॉक्टरों ने मरीजों को स्वस्थ रहने के प्रति जागरूक किया और बदलते मौसम में खानपान पर विशेष ध्यान देने की सलाह दी। बुखार और खांसी की समस्या पर जल्द जांच कराने की आवश्यकता पर जोर दिया गया। आयुष्मान कार्ड का वितरण शिविर में मरीजों को निशुल्क दवाएं दी गईं और आयुष्मान कार्ड का वितरण भी किया गया, जिससे अधिक लोगों को स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ मिल सके। कार्यक्रम में जिला मंत्री अखंड प्रताप, वरिष्ठ नेता विजय कुमार राजू, जिला मंत्री राम उग्रह जायसवाल, पूर्व मंडल अध्यक्ष विजय तिवारी, मंडल अध्यक्ष सुजीत सोनी और चिकित्सा प्रकोष्ठ के सह संयोजक स्वेतांग तिवारी सहित कई अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे।

रवि किशन बोले-पत्नी के बर्थडे पर महादेव ने दिया गिफ्ट

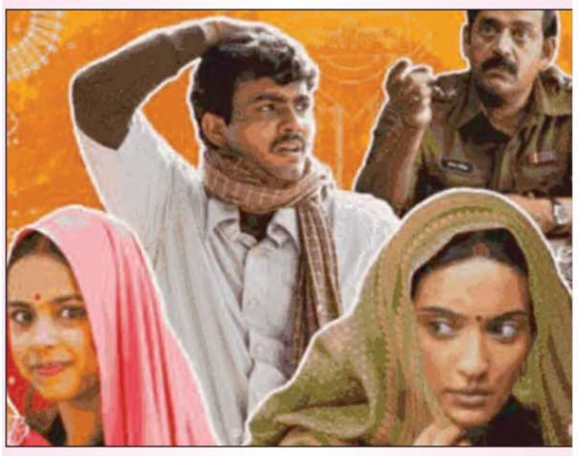

गोरखपुर। फिल्म 'लापता लेडीज' को ऑस्कर अवॉर्ड-2025 के फॉरेन कैटेगरी में भारत की तरफ से ऑफिशियल एंट्री मिली है। फिल्म में आगरा के रहने वाले एक्टर स्पर्श श्रीवास्तव ने दीपक और गोरखपुर से भाजपा सांसद रवि किशन ने इंस्पेक्टर श्याम मनोहर का रोल निभाया है। रवि किशन ने कहा- आज मेरी पत्नी प्रीति किशन का बर्थडे है। महादेव ने मुझे गिफ्ट के तौर पर इतना बड़ा प्रसाद दिया है। मैं बहुत खुश हूं। यकीन ही नहीं हो रहा कि मेरे 34 साल के करियर में मेरी पहली कोई फिल्म ऑस्कर में गई है। नेशनल अवार्ड में हमारी एक भोजपुरी फिल्म 'कब होई गौना हमार' गई थी। यह फिल्म सुपर स्टार मनोज बाजपेयी के साथ थी।

वहीं, स्पर्श श्रीवास्तव ने कहा- यह मेरे और लापता लेडीज की पूरी टीम के लिए एक भावनात्मक क्षण है। मैंने कभी इसकी उम्मीद नहीं की थी।फिल्म फेडरेशन ऑफ इंडिया सिलेक्शन कमेटी के चेयरमैन जाहनु बरुआ ने बताया- फॉरेन फिल्म कैटेगरी में 29 फिल्में रेस में थीं। इनमें विक्की कौशल की 'सैम बहादुर', रणबीर कपूर की 'एनिमल' और कार्तिक आर्यन की 'चंदू चैम्पियन' प्रमुख थीं। 13 सदस्यों की ज्यूरी ने 'लापता लेडीज' को चुना। 97वें ऑस्कर अवॉर्ड नॉमिनेशन 17 जनवरी 2025 को अनाउंस किए जाएंगे। 2 मार्च 2025 को ऑस्कर अवॉर्ड सेरेमनी होगी। लापता लेडीज आमिर खान के प्रोडक्शन हाउस के बैनर तले बनी इस फिल्म को किरण राव ने डायरेक्ट किया है। फिल्म में रवि किशन के अलावा स्पर्श श्रीवास्तव, प्रतिभा रांटा और नितांशी गोयल ने मुख्य भूमिका निभाई है।रवि किशन ने कहा- मेरी फिल्म ऑस्कर में जाएगी, मुझे बिल्कुल भी विश्वास नहीं था। इसके लिए मैं पूरा क्रेडिट किरण राव को देना चाहूंगा। आमिर खान साहब को देना चाहता हूं। फिल्म के राइटर्स को देना चाहता हूं और मेरे साथी कलाकारों को देना चाहता हूं। क्योंकि, सभी की मेहनत रंग लाई। भारत की फिल्म, भारत मूल की फिल्म, भारतीय परिवेश की फिल्म, भारत में 80 प्रतिशत हिस्सा गांव है, वो अब पूरा विश्व देखेगा। रवि किशन ने कहा- अब दुनिया देखेगी कि क्यों यह नया भारत, आत्मनिर्भर भारत, बेटियों वाला भारत जो आज पूरे विश्व में चर्चा में है। वो आज कैसे आगे आ रहा है। इसका कारण क्या है, यह फिल्म इसी बात को दिखाती है। आत्मनिर्भर भारत में एक बेटी कैसे अपनों के लिए लड़ती है। यह चीज मुझे काफी टच की। फिल्म में मैं एक पुलिस अफसर की भूमिका में हूं, जो करप्ट रहता है। लेकिन, मेरे अंदर एक मानव इंसानियत भी रहती है। आज ऑस्कर में मेरी फिल्म जाने पर मैं बहुत ज्यादा खुश हूं। रवि किशन ने कहा- जब मैं इस फिल्म का प्रमोशन कर रहा था, उस वक्त कभी मैंने सोचा नहीं था कि यह फिल्म ऑस्कर के लिए जाएगी। हां, इतना जरूर पता था कि फिल्म हिट होगी, नेशनल अवॉर्ड के लिए जाएगी, इतना भरोसा था। लेकिन, इतनी बड़ी कामयाबी मिलेगी, यह सच में मैंने नहीं सोचा था। मेरी मांग है कि इस फिल्म को टैक्स फ्री करके पूरे देश को दोबारा देखने का मौका देना चाहिए। बहुत कम बनती हैं ऐसी फिल्में रवि किशन ने कहा- ऐसी फिल्म बहुत कम बनती हैं, जो दिल की छू जाती हैं। ऐसी फिल्मों से बेटियों में आत्मविश्वास बढ़ता है। जिससे वह कुछ भी कर गुजरने को तैयार रहती हैं। आपके सपनों की हत्या नहीं होनी चाहिए। यह फिल्म बहुत सारी चीजों की सीख देती है। यह फिल्म अपने आप में ही एक किताब है। जो लोग अपने आप में निराश होते हैं, जो भी सोचते हैं, बेटी है। टूट जाते हैं, उन लोगों के लिए सीख है।

संक्षिप्त समाचार

सुक्खू सरकार कर्ज लेकर सोनिया गांधी को दे देती है, कंगना का बड़ा आरोप

शिमला, एजेंसी। भाजपा सांसद कंगना रनौत ने हिमाचल प्रदेश की कांग्रेस सरकार पर बड़ा आरोप लगाया है। कंगना ने रविवार को कहा कि हिमाचल प्रदेश सरकार कर्ज लेकर कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी को दे देती है, जिससे राज्य का खजाना खोखला हो गया है। शिमला के एक गांव में भाजपा सदस्यता अभियान की शुरुआत करने के बाद लोगों को संबोधित करते हुए अभिनेत्री से नेता बनीं रनौत ने कहा कि हर कोई जानता है कि भ्रष्टाचार व्याप्त है और कांग्रेस शासित राज्य सरकारों ने अपने-अपने राज्यों को खोखला कर दिया है। उन्होंने आश्चर्य जताया कि पार्टी चुनावों पर इतना खर्च कैसे करती है।

मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार पर हमला करते हुए कंगना ने कहा, वे कर्ज लेते हैं और सोनिया गांधी को देते हैं, जिससे राज्य खोखला हो गया है। रनौत ने कहा कि आपदाओं और कांग्रेस सरकार ने राज्य को दशकों पीछे धकेल दिया है और मैं लोगों से मौजूदा सरकार को उखाड़ फेंकने की अपील करती हूं। उन्होंने आरोप लगाया कि अगर हम आपदा निधि देते हैं, तो इसे सीएम राहत कोष में जाना चाहिए, लेकिन हर कोई जानता है कि यह सोनिया राहत कोष में जाता है।

हाल ही में हुए लोकसभा चुनाव में उनके खिलाफ चुनाव लड़ने वाले लोक निर्माण मंत्री विक्रमादित्य सिंह पर कटाक्ष करते हुए कंगना ने कहा, राजा के बेटे की हरकतें सभी को पता हैं और लोग सड़कों पर गड्ढों से तंग आ चुके हैं। उन्होंने कहा, मैं अपने क्षेत्र के लिए जितना संभव हो सके उतना करूंगी, लेकिन पीडब्ल्यूडी मंत्री को भी कुछ करना चाहिए। उन्होंने कहा कि देश को बचाना है तो भाजपा को लाना है। उन्होंने लोगों से भाजपा के अभियान में बड़ी संख्या में भाग लेने और पार्टी का सदस्य बनने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी युग पुरुष हैं और वे सूक्ष्म स्तर पर स्थितियों से निपटते हैं।

गुंडागर्दी किसी भी हालत में बर्दाश्त नहीं की जाएगी : अनिल विज

अंबाला, एजेंसी। हरियाणा के पूर्व गृमंत्री अनिल विज ने कहा कि अंबाला छावनी में कांग्रेस ने अपनी हार मान ली है और जो कांग्रेस कैरेक्टर है उसी के मुताबिक यह भेष बदलकर गुंडागर्दी करने आ गए हैं। उन्होंने कहा कि जनता का समर्थन और प्यार उनके प्रति लगातार बढ़ता जा रहा है क्योंकि जनता बातें करने वालों को नहीं चाहती बल्कि जनता अपने विश्वास के प्रति काम करने वाले लोगों को चाहती है। विज आज मीडिया कर्मियों के सवालों का जवाब दे रहे थे। उन्होंने कहा कि इस बार का अंबाला छावनी का चुनाव बातें करने वालों और काम करने वालों का चुनाव है और हमने काम करके दिखाया है। अंबाला के गांव गरनाला में किसानों का विरोध देखने को मिला के संबंध में पूछे गए सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि यह किसानों का विरोध नहीं है यह तो अंबाला छावनी में कांग्रेस ने अपनी हार मान ली है और जो इनका कैरेक्टर है उसी के मुताबिक यह भेष बदलकर गुंडागर्दी करने आ गए हैं।

उन्होंने कहा कि पहले भी बहुत गुंडागर्दी हुई है और लोगों की दुकानों, मकान पर कब्जे हुए हैं तथा कत्ल भी हुए हैं आप सभी को पता है। उन्होंने कहा कि अपनी हार को देखकर इस प्रकार से यह गुंडागर्दी कर रहे हैं जो किसी भी हालत में बर्दाश्त नहीं की जाएगी। हमारे देश में प्रजातंत्र है और प्रजातंत्र में हर व्यक्ति को अपनी बात शांतिपूर्ण कहने का हक है।

उन्होंने कहा कि वहां पर गांव का सरपंच भी खड़ा था जिसे मैं जानता हूं वह खुद काले झंडे लेकर खड़ा हुआ था, जिसको हमने हराया हुआ है। इस बारे में मैंने चुनाव आयोग, डीजीपी हरियाणा, एसपी अंबाला, डीसी अंबाला को और रिटर्निंग अधिकारी जो अंबाला के एसडीएम है उनको संदेश मैसेज भेज दिया है।

त्रिपुरा में कांग्रेस विधायक को एमएलए हॉस्टल खाली करने का नोटिस

पार्टी बोली- राजनीति हो रही है

अगरतला , एजेंसी। कांग्रेस वर्किंग कमेटी के सदस्य सुदीप राय बर्मन को त्रिपुरा विधानसभा द्वारा डेवलपमेंट से जुड़े कामों का हवाला देते हुए एख महीने के भीतर आवंटित हॉस्टल खाली करने का नोटिस दे दिया गया है। इस मुद्दे पर कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष आशीष कुमार साहा ने कहा कि यह पूरा मामला राजनीति से प्रेरित है और विधायक को नीचा दिखाने की कोशिश की जा रही है।

कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष ने आरोप लगाया कि हमारे विधायक सुदीप रॉय बर्मन को हॉस्टल खाली करने का नोटिस इसलिए दिया गया क्योंकि उन्होंने हाल ही में संपन्न हुए विधानसभा सत्र के दौरान आदिवासी कल्याण मंत्री देबबर्मा पर भ्रष्ट होने का आरोप लगाया था। साहा ने कहा कि केवल सच बोलने से उन्हें रोकने के लिए उनको यह नोटिस दिया जा रहा है।

त्रिपुरा विधानसभा कि तरफ से 20 सितंबर को सुदीप रॉय बर्मन को नोटिस देते हुए कहा गया था कि उन्हें अगले महीने तक अगरतला के बुद्धमंदिर में उनको आवंटित किया गया क्वार्टर खाली करना होगा, क्योंकि वहां पर डेवलपमेंट का काम होना है।

सुदीप रॉय बर्मन को मिले नोटिस के अनुसार, उन्हें यह हॉस्टल तत्काल खाली करना होगा और उसे खाली करने के बाद उसकी चाबियां विधायक छात्रावास के अधीक्षक को सौंपनी होंगी। इसके अलावा उन्हें अगर नए छात्रावास में जगह चाहिए तो उन्हें उसके लिए भी जल्द से जल्द एक एप्लीकेशन लिखकर देनी होगी।

दरअसल, इस महीने की शुरुआत में ही कांग्रेस विधायक सुदीप रॉय बर्मन ने मंत्री देबबर्मा पर आरोप लगाया था कि पिछले एक साल के अंदर ही उन्होंने और उनके परिवार ने कई संपत्तियां अर्जित की है, जिनमें नई दिल्ली में एक अपार्टमेंट, दो घर, दो पेट्रोल पंप सहित अन्य कई सारी संपत्तियां अर्जित की हैं। इसके अलावा बर्मन ने सीएमओ पर भी प्रोजेक्ट्स में से कई करोड़ों की घूसखोरी का इल्जाम लगाया था, जिसके बाद विधानसभा में जमकर हंगामा हुआ था। दोनों ही दलों के बीच में जमकर आरोप प्रत्यारोप का दौर चला था। इन आरोपों के ऊपर राज्य सरकार में मंत्री देबबर्मा ने कहा था कि यह आरोप एक दम निराधार हैं और वह इन आरोपों को लगाने के लिए सुदीप रॉय बर्मन के खिलाफ मानहानि का मुकदमा दायर करेंगे।

सुदीप राय बर्मन भाजपा की सरकार में मंत्री भी रह चुके हैं। बाद में उनकी पार्टी विरोधी गतिविधियों के चलते उन्हें पार्टी से बाहर कर दिया गया था। कांग्रेस पार्टी में शामिल होने के बाद उन्होंने 2023 के चुनाव में अपनी अगरतला सीट को फिर से जीत लिया था।

भूपेश बघेल ने चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया को लिखा खत, छत्तीसगढ़ में रची जा रही है मेरे खिलाफ साजिश

रायपुर, एजेंसी। चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया को लिखे अपने सात पन्नों के खत में भूपेश बघेल ने कई बातें लिखी हैं. पूर्व मुख्यमंत्री ने जो सबसे बड़ी बात लिखी है वो है उनके खिलाफ रची जा रही साजिश की बात. बघेल ने खत में लिखा है कि उनके खिलाफ राजनीतिक साजिश रची जा रही है. मुकदमों में फंसाने की योजना बनाई जा रही है. कोयला घोटाले से जुड़े मामलों में उनको घसीटने की तैयारी की जा रही है. पत्र में इस बात का भी हवाला दिया गया है कि वो जेल में सूर्यकांत तिवारी से मिलने गए लेकिन उनको मिलने नहीं दिया गया.

सीजेआई को भूपेश बघेल ने लिखा खतः पूर्व मुख्यमंत्री ने अपने पत्र में ये भी लिखा है कि राजनीतिक दुश्मनी के चलते उनको साजिश में ट्रैप कनरे की कोशिश की जा रही है. साजिश के तहत मेरा नाम अपराधों से जोड़ा जा रहा है. जिन अपराधों से मेरा कोई लेना देना नहीं है उसमें ट्रैप करने की कोशिश की जा रही है. बघेल ने आगे लिखा है कि मैंने कभी भी किसी जांच को भटकाने और उसमें बाधा डालने की कोई कोशिश नहीं की. गलत आरोपों के जरिए मेरे राजनीतिक करियर को खत्म करने की कोशिश की जा रही है.

अपने मुख्यमंत्री के कार्यकाल का दिया हवालाः पूर्व मुख्यमंत्री ने अपने मुख्यमंत्री रहते हुए जो काम किए उसका उदाहरण भी खत में लिखा है. बघेल ने लिखा है कि मैं जबतक सीएम पद पर रहा जिम्मेदारी और नैतिकता के साथ काम किया. संविधान की मर्यादाओं का सख्ती से पालन किया. बघेल ने ये भी लिखा है कि आप भारत के सर्वोच्च न्यायिक पद पर आसीन हैं. आपके ऊपर बड़ी बड़ी जिम्मेदारियां हैं. छत्तीसगढ़ में न्याय के नाम पर संविधान की हत्या करने की साजिश रची जा रही है उसकी जांच करें।

सुप्रीम कोर्ट से हस्तक्षेप की मांगः खत के आखिरी में भूपेश बघेल ने लिखा है कि मैं आपसे इस संबंध में हस्तक्षेप की उम्मीद रखता हूं. संविधान की सर्वोच्चता बनाए रखने के लिए आप हस्तक्षेप करें ऐसी मेरी प्रार्थना है. आपके कदम से संविधान पर जनता का विश्वास बढ़ेगा, न्याय सुनिश्चित होगा. चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया को लिखे भूपेश बघेल के खत से राजनीतिक हलकों में जल्द बयानबाजी का दौर शुरु हो सकता है. भूपेश लगातार इस बात की शिकायत करते रहे हैं कि केंद्रीय जांच एजेंसिया केंद्र के इशारे पर काम कर रही हैं।

गुजरात में आप विधायक समेत 20 पर केस दर्ज; पहले भी जा चुके जेल, धमकी-मारपीट का आरोप

अहमदाबाद, एजेंसी। आम आदमी पार्टी के विधायक समेत 20 अन्य लोगों के खिलाफ केस दर्ज हुआ है। घटना गुजरात के नर्मदा जिले की है। केस दर्ज करने की वजह इन रेस्टोरेंट के मालिक के साथ मार-पीट करना है। इस कारण पुलिस ने विधायक चैतर वसावा समेत 6 पहचाने गए और करीब 15 अज्ञात के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर ली है। हालांकि अब तक एक भी आरोपी की गिरफ्तारी नहीं हुई है। आपको बता दें कि विधायक को पिछले साल दिसंबर में वन अधिकारी को धमकाने, हवा में फायरिंग करने और पैसे ऐंठने के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। इन मामलों में सत्र न्यायालय ने जमानत दी थी, लेकिन इससे पहले उन्होंने जेल में करीब छह सप्ताह का समय बिताया था।

चैतर वसावा ने साल 2020 के गुजरात चुनाव में डेडियापाड़ा सीट से चुनाव जीता था। चैतर ने साल 2024 के लोकसभा चुनाव में भी हाथ आजमाया था। इन्होंने कांग्रेस के साथ सीट बटबारे के तहत चुनाव लड़ा था, लेकिन सफलता हाथ नहीं लगी थी। चैतर ने भरूच लोकसभा सीट से चुनाव लड़ा था। इस बार विधायक और इनके साथ के अन्य लोगों ने रेस्टोरेंट मालिक शांतिलाल वसावा के साथ गाली-गलौज और मारपीट की थी। विधायक और उनके साथियों ने रेस्टोरेंट मालिक के ऊपर 16 सितंबर को तब हमला किया जब उनसे बिल चुकाने को कहा गया था। इस पर फोन से बातचीत हुई तो विधायक ने उसे घर पर इंतजार करने को कहा।

इसके बाद विधायक अपने साथ करीब 20 लोगों को लेकर रेस्टोरेंट मालिक के घर पहुंचे। घर पहुंचकर उन लोगों ने मार-पीट और गाली-गलौज शुरू कर दी। मारपीट के बाद उन लोगों ने उसे जान से मारने की धमकी भी दी। इसके बाद पीड़ित ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। भारतीय न्याय संहिता की अलग-अलग धाराओं के तहत मामला दर्ज कर लिया गया है। हालांकि अब तक कोई भी गिरफ्तारी नहीं हुई है। इन मामलों में दर्ज किया गया है केस। जानबूझकर अपमान करना, जानबूझकर चोट पहुंचाना, गैरकानूनी तरीके से एकट्ठा होना, दंगा, आपराधिक धमकी और आपराधिक साजिश जैसे मामले शामिल हैं।

गाजियाबाद में रेप पाड़िता छात्रा को मां-भाइयों ने मारी गोली

गाजियाबाद , एजेंसी। गाजियाबाद के कैलादेवी थाना क्षेत्र में रेप पीड़िता की हत्या के मामले में पुलिस ने रविवार को सनसनीखेज खुलासा करते हुए मां और दो भाइयों को गिरफ्तार कर लिया। परिजन छात्रा के प्रेम प्रसंग से नाराज थे। सात महीने पहले परिजनों ने गांव के ही युवक और उसके मामा के खिलाफ अपहरण, जबकि युवक के खिलाफ रेप का मुकदमा दर्ज कराया था। छात्रा की हत्या के बाद परिजनों ने पूर्व के मुकदमे के आरोपियों को ही हत्या का आरोपी बना दिया था। जांच में परिजनों की कहानी झूठी निकली। हत्या की साजिश में शामिल छात्रा का मामा फरार है।

थाना क्षेत्र में 18 सितंबर की देर रात रेप पीड़ित छात्रा की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। छात्रा गाजियाबाद के एक निजी स्कूल में कक्षा नौ में पढ़ती थी। मूलरूप से क्षेत्र के एक गांव निवासी छात्रा परिजनों के साथ वर्तमान में गाजियाबाद के एक गांव में रहती थी। परिजनों के मुताबिक छात्रा की उस समय हत्या कर दी गई थी, जब वह मां और भाई के साथ घर जा रही थी। तहरीर पर पुलिस ने गांव के ही रिंकू और उसके मामा पप्पू के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज किया था। पुलिस की टीमों ने घटनास्थल से लेकर गाजियाबाद तक सीसीटीवी फुटेज और कॉल डिटेल खंगाले और पांचवें दिन वारदात का खुलासा कर दिया। एसपी कृष्ण कुमार विश्नोई ने रविवार को एएसपी श्रीश्चंद्र के दफ्तर पर हुई प्रेस कांफ्रेस में बताया कि प्रेम प्रसंग के चलते छात्रा छह महीने पहले रिंकू के साथ चली गई थी।

गुरुग्राम में बनेंगे 2 सिटी बस डिपो

गुरुग्राम , एजेंसी। गुरुग्राम में द्वारका एक्सप्रेसवे से सटे एक दर्जन से अधिक सेक्टरों, सेक्टरों, कॉलोनियों और गांवों में रहने वाले लोगों के लिए गुड न्यूज है। यहां सिटी बस जैसी परिवहन व्यवस्था बेहतर करने के लिए गुरुग्राम महानगर विकास प्राधिकरण (जीएमडीए) एक कदम और आगे बढ़ा दिया है। जीएमडीए ने सिटी बस डिपो बनाने के लिए ऊपरी द्वारका एक्सप्रेसवे पर सेक्टर-103 और सेक्टर-107 में जमीन चिह्नित की है। इस जमीन के लिए नगर निगम आयुक्त को पत्र लिखा गया है। इन दोनों बस डिपो को तैयार करने में करीब 32 करोड़ रुपये की लागत आएगी। इनके बनने से सेक्टर-99 से लेकर 115 तक की सोसाइटियों, गांवों के अलावा आसपास लगती रिहायशी कॉलोनियों को इसका विशेष फायदा होगा। जीएमडीए ने सेक्टर-103 में गांव दौलताबाद की सात एकड़ जमीन का चयन सिटी बस डिपो के निर्माण के लिए किया है। ये जमीन ऊपरी द्वारका एक्सप्रेसवे पर श्याम चौक से गांव बजघेड़ा की तरफ है। इसके अलावा सेक्टर-107 में गांव मोहम्मदपुर हेड़ी की 9.5 एकड़ जमीन का चयन किया है। इन दोनों बस डिपो को 100-100 ई-बस के लिए तैयार किया जाएगा। जीएमडीए अधिकारियों को उम्मीद है कि चुनाव आचार संहिता हटने के बाद यह जमीन मिल जाएगी। जीएमडीए के मुख्य कार्यकारी अधिकारी ए.श्रीनिवास ने जमीन उनके सुपुर्द करने के लिए गुरुग्राम नगर निगम के आयुक्त डॉ. नरहरि सिंह बांगड़ को पत्र लिखा है। जमीन मिलने के पश्चात इन बस डिपो के निर्माण का टेंडर किसी कंपनी को आवंटित किया जाएगा। टेंडर आवंटन के डेढ़ साल के अंदर यह बनकर तैयार हो जाएगा।

58 हजार करोड़ के मेगाप्लान से आसान होगी मुंबई की राह; बिछेगा रिंग रोड्स का जाल

मुंबई, एजेंसी। मुंबई में ट्रैफिक जाम से निपटने के लिए मेगा प्लान तैयार किया गया गया है। मुंबई मेट्रोपॉलिटन रीजन डेवलपमेंट अथॉरिटी (एमएमआरडीए) शहर में रिंग रोड्स का जाल बिछाने जा रही है। इसके बाद मुंबई के अंदर सफर बेहद आसान हो जाएगा। योजना के पूरी तरह से लागू हो जाने के बाद मुंबई में एक जगह से दूसरी जगह पहुंचने में अधिकतम एक घंटे का समय लगेगा। इस प्रोजेक्ट को 'मिनटों में मुंबई' नाम दिया गया है। इसके लिए एमएमआरडीए ने 58 हजार करोड़ रुपए की योजना को मंजूरी दी है। इसके बाद अगले पांच साल में मुंबई की सूरत पूरी तरह से बदली हुई नजर आएगी। इस योजना के तहत मुंबई में 90 किलोमीटर से अधिक की दूरी में सड़कें, पुलें और टनल बनेंगी।

तिरुपति लड्डू विवाद के बीच चंद्रबाबू नायडू का ऐलान- सभी मंदिरों की जल्द कराई जाएगी सफाई

अमरावती, एजेंसी। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू ने तिरुपति लड्डू विवाद पर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि राज्य के सभी मंदिरों में जल्द ही सफाई प्रक्रिया शुरू की जाएगी। इंडिया टुडे की रिपोर्ट के मुताबिक, नायडू ने तेलुगु देशम पार्टी के केंद्रीय कार्यालय में मीडिया को संबोधित करते हुए यह घोषणा की। साथ ही, उन्होंने धार्मिक भावनाओं का सम्मान करने के लिए राज्य सरकार की प्रतिबद्धता भी दोहराई। उन्होंने कहा कि तिरुपति लड्डुओं में पशु चर्बी की मिलावट के आरोपों के बाद सरकार भावी कदम के बारे में संतों, पुजारियों और हिंदू धर्म के अन्य शीर्ष विशेषज्ञों से परामर्श करेगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि परामर्श के बाद सरकार तिरुमाला तिरुपति देवस्थानम के संबंध में अपना निर्णय लेगी, जो तिरुपति स्थित विश्व प्रसिद्ध श्री वेंकटेश्वर स्वामी मंदिर का आधिकारिक संरक्षक है। दरअसल, हाल में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन के विधायक दल की बैठक के दौरान सीएम नायडू ने बड़ा दावा किया था। उन्होंने कहा कि पिछली वाईएसआरसीपी सरकार ने श्री वेंकटेश्वर मंदिर को भी नहीं बख्शा और अपने अनोखे स्वाद के लिए चर्चित लोकप्रिय तिरुपति लड्डुओं को बनाने में घटिया सामग्री व पशु चर्बी का इस्तेमाल किया।

नायडू बोले- क्या बकवास कर रहे हैं: चंद्रबाबू नायडू ने कहा, वह (जगन मोहन रेड्डी) क्या बकवास कर रहे हैं। हमारी सरकार को अभी 100 दिन भी नहीं हुए हैं। आप नीतियां बताएं, मेरी नीतियों की आलोचना करें और मैं जवाब दूंगा कि आपने क्या किया है, मैंने क्या किया है। लेकिन, आप ध्यान भटकाना चाहते थे, अगर आप ऐसा करेंगे तो और भी ज्यादा भावनाएं आहत होंगी। मैं तीन दृष्टिकोण अपना रहा हूं। पहला- परंपराओं के अनुसार शुद्धिकरण। मैं आईजीपी स्तर पर जांच का आदेश दे रहा हूं। प्रबंधन समिति में केवल वे ही लोग होंगे जिनकी आस्था है। अंत में, हम सभी मंदिरों के लिए एसओपी तैयार करेंगे।

320 रुपये प्रति किलो से भी कम में घी कैसे खरीदा: तिरुपति लड्डू की अद्वितीय महिमा पर प्रकाश डालते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि कई लोगों ने बेहतर प्रसाद बनाने की चेष्टा की, लेकिन वे उसमें विफल रहे। नायडू ने कहा, 'अयोध्या में भी उन्होंने बिलकुल तिरुमाला जैसा लड्डू बनाने की कोशिश की और उसके लिए कारीगरों को भी यहां से ले जाया गया मगर वह नहीं हो पाया। अयोध्या के लोगों ने मुझे इस मामले के बारे में बताया।' पशु चर्बी के आरोपों और लड्डुओं में इस्तेमाल घी पर एनडीडीबी प्रयोगशाला की रिपोर्ट का खंडन करने के लिए वाईएस जगन मोहन रेड्डी की उन्होंने आलोचना की।

गाजियाबाद में इलेक्ट्रॉनिक्स की गोदाम में आग, धुएं के चलते फंसे 2 बच्चियों समेत 7 बचाए गए

गाजियाबाद, एजेंसी। इंदिरापुरम थाना क्षेत्र के नीतिखंड वन में रविवार शाम को एक इलेक्ट्रॉनिक्स के गोदाम में आग लग गई। बेसमेंट में लगी आग का धुआं इमारत के ऊपरी फ्लैटों तक पहुंच गया। इससे चार फ्लैटों में दो बच्चियों और चार महिलाओं समेत सात लोग फंस गए। सूचना पर पहुंचे दमकल कर्मियों ने पहले लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला और फिर कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। इस दौरान मौके पर अफरातफरी का माहौल रहा। शुरुआती जांच में शॉर्ट सर्किट के कारण आग लगने का अंदेशा है। मुख्य अग्निशमन अधिकारी राहुल पाल ने बताया कि नीतिखंड प्रथम स्थित इमारत के बेसमेंट में बने गोदाम में आग लगी थी। बेसमेंट में लगी आग के बारे में पता चलता, तब तक आग ने पूरे गोदाम को चपेट में ले लिया था। शाम सवा छह बजे फायर स्टेशन वैशाली को आग लगने की सूचना मिली थी। मामला जानकारी में आने के बाद दमकलकर्मियों को मौके पर भेजा गया।

असम में विशालकाय गैंडों के लिए आफत बने आक्रामक पौधे, वन्यजीव प्रेमियों ने जताई चिंता

गुवाहाटी, एजेंसी। असम में एक सींग वाले गैंडों का शिकार कम हो रहा है, लेकिन ये सौम्य विशालकाय गैंडे अब विदेशी प्रजाति के आक्रामक पौधों के खिलाफ अपने अस्तित्व की लड़ाई लड़ रहे हैं. ये पौधे हाल के दिनों में असम में अधिकांश गैंडों के आवास वाले क्षेत्रों में बड़ी चिंता का विषय बन गए हैं. आक्रामक पौधे तेजी से बढ़ते हैं और फैलते हैं. ये आस-पास के पौधों की वृद्धि को रोकते हैं और कई तरह की पारिस्थितिक समस्याएं पैदा करते हैं.

असम सरकार के आंकड़ों के अनुसार, पिछले कुछ वर्षों से गैंडों के अवैध शिकार में कमी आई है. वर्ष 2013 और 2014 में गैंडों का सबसे अधिक अवैध शिकार दर्ज किया गया था, जिसमें प्रत्येक वर्ष 27 गैंडों के अवैध शिकार की रिपोर्ट थी. वर्ष 2022 में 45 वर्षों के बाद असम में एक भी गैंडे का अवैध शिकार नहीं किया गया. 2020 और 2021 में दो-दो गैंडे अवैध शिकार में मारे गए थे। संरक्षणवादी और इंटरनेशनल यूनियन फॉर कंजर्वेशन ऑफ नेचर के एशियन राइनो स्पेशलिस्ट ग्रुप के अध्यक्ष डॉ. बिभाब तालुकदार ने कहा, आक्रामक पौधे गैंडों के भोजन के स्रोतों को नष्ट कर देते हैं, जिनकी उन्हें चरने और खाने के लिए जरूरत होती है. असम में गैंडों के ज्यादातर आवासों में आक्रामक पौधों की वृद्धि बड़ी चिंता का विषय है। उन्होंने कहा कि असम में काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान, मानस राष्ट्रीय उद्यान, ओरंग राष्ट्रीय उद्यान और पबितोरा वन्यजीव अभयारण्य सहित सभी प्रमुख गैंडों के आवासों में मिमोसा, क्रोमोलेना ओडोरेटा, मिकानिया माइक्रांथा और पार्थेनियम जैसे विदेशी पौधों की वृद्धि अलग-अलग स्तरों पर देखी गई है।

40 प्रतिशत घास के मैदानों पर आक्रामक पौधों का कब्जा

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रशंसित संरक्षणवादी और पारिस्थितिकीविद् लहकर ने कहा, पबितोरा वन्यजीव अभयारण्य में 40 प्रतिशत घास के मैदानों में आक्रामक पौधे फैल गए हैं. वर्तमान समय में विदेशी आक्रामक पौधे वन्यजीव आवास में बड़ी चिंता का विषय हैं।

प्रभावी वन प्रबंधन रणनीतियों की जरूरत...

बिभूति प्रसाद लहकर को 2016 में आईयूसीएन विश्व धरोहर नायक पुरस्कार मिल चुका है. उन्होंने कहा, पहले असम में एक सींग वाले गैंडों का अवैध शिकार बड़ी चिंता का विषय हुआ करता था. हालांकि, असम सरकार द्वारा अपनाई गई बहुआयामी रणनीति के कारण हाल के वर्षों में अवैध शिकार में कमी आई है. लेकिन, ये आक्रामक विदेशी पौधे अब सभी गैंडों के आवासों के लिए बड़ी चिंता का विषय बन रहे हैं, जिसके लिए नियमित निगरानी और गैंडों के आवासों को सुरक्षित करने के लिए प्रभावी वन प्रबंधन रणनीतियों की जरूरत है। अंतरराष्ट्रीय प्रकृति संरक्षण संघ की लाल सूची में शामिल एक सींग वाले विशालकाय गैंडों की आबादी जंगल में लगभग 4,000 होने का अनुमान है. 2022 की गैंडा जनगणना के अनुसार, जंगल में इन 4000 गैंडों की आबादी में से 90 प्रतिशत असम के विभिन्न संरक्षित क्षेत्रों में पाए जाते हैं. इनमें काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान (2613), ओरंग राष्ट्रीय उद्यान (125), पबितोरा वन्यजीव अभयारण्य (107) और मानस राष्ट्रीय उद्यान (40) हैं।

एप्पल के उत्पादों में पाई गई कई खामियां, सरकार ने जारी किया अलर्ट

नई दिल्ली ।

टेक दिग्गज कंपनी एप्पल द्वारा बहुप्रतीक्षित आईफोन 16 सीरीज लॉन्च करने के कुछ ही दिनों बाद, भारतीय कंप्यूटर इमरजेंसी रिस्पांस टीम (सीईआरटी-इन) ने एप्पल के विभिन्न उत्पादों में पाई गई कई कमजोरियों को लेकर हाई सिक्योरिटी अलर्ट जारी किया है। इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के तहत साइबर सिक्योरिटी की निगरानी करने वाली संस्था सीआईआरटी-इन ने चेतावनी दी है कि इन कमजोरियों का उपयोग हैकर्स द्वारा न केवल संवेदनशील जानकारी तक पहुंचने के लिए किया जा सकता है, बल्कि इसके जरिए वे टारगेट किए गए डिवाइस पर मनमाना कोड रन कर सकते हैं, सुरक्षा प्रतिबंधों को बाईपास कर सकते हैं, डिनायल ऑफ सर्विस जैसी स्थिति पैदा कर सकते हैं, ऑथेंटिकेशन फीचर्स को छका कर पिछले दरवाजे से डिवाइस का एक्सेस प्राप्त कर सकते हैं, एडवांस विशेषाधिकार प्राप्त कर सकते हैं और लक्षित सिस्टम पर स्पूफिंग हमले कर सकते हैं। सीईआरटी-इन का कहना है कि इन कमजोरियों को एप्पल द्वारा जारी लेटेस्ट सॉफ्टवेयर अपडेट में ठीक कर दिया गया है। एडवाइजरी में आईओएस, आईपैडओएस, मेकओएस, टीवीओएस यूजर्स को सतर्क करते हुए सलाह दी गई है कि वे जोखिमों को कम करने के लिए अपने ऐपल डिवाइस पर लेटेस्ट सॉफ्टवेयर अपडेट को तुरंत इंस्टॉल करें। साथ ही, यूजर्स को अपने डिवाइस पर किसी भी असामान्य गतिविधि पर नजर रखने और उचित साइबर सुरक्षा उपाय सुनिश्चित करने की सलाह दी गई है।

अडाणी पावर भारत में बिजली बेचने बना रही बैकअप प्लान

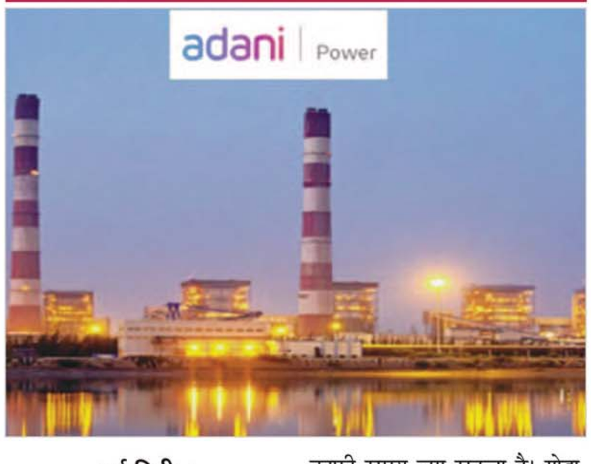

नई दिल्ली ।

अडाणी पावर भारत में बिजली बेचने के लिए बैक-अप प्लान की तैयार कर रही है। इसी मकसद से कंपनी झारखंड के गोड्डा में अपने 1600 मेगावाट के थर्मल प्लांट, जो बांग्लादेश को अपनी पूरी उत्पादित बिजली की आपूर्ति करता है, को बिहार के लखीसराय में एक सबस्टेशन के माध्यम से भारतीय ग्रिड से जोड़ रहा है और इसके लिए कंपनी को मंजूरी मिल गई है। इस मामले में अडाणी पावर लिमिटेड ने कहा' कि यह कनेक्शन तभी चालू होगा जब इसकी सहायक कंपनी, अदानी पावर झारखंड लिमिटेड 130 किलोमीटर लंबी ट्रांसमिशन लाइन और सबस्टेशन पर अतिरिक्त बे का निर्माण करेगी। इस प्रक्रिया में काफी समय लग सकता है। गोड्डा प्लांट से 30 किलोमीटर दूर बांका में एक करीबी सबस्टेशन के अंतरिम लिंक के जरिए भारतीय ग्रिड से जल्द कनेक्शन के लिए एपीजेएल के अनुरोध को नेशनल ट्रांसमिशन प्लानिंग अथॉरिटी, सेंट्रल ट्रांसमिशन यूटिलिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड ने 21 अगस्त को तकनीकी बाधाओं का हवाला देते हुए खारिज कर दिया था। बता दें कि बांग्लादेश के मुख्य सलाहकार के रूप में मोहम्मद यूनुस के शपथ लेने के दो दिन बाद, पावर मिनिस्ट्री ने 10 अगस्त को बांग्लादेश में उभरते भूराजनीतिक तनाव और बकाया भुगतान का हवाला देते हुए अडाणी पावर के गोड्डा प्लांट के लिए भारतीय ग्रिड से कनेक्टिविटी की सिफारिश की थी।

यूरोपीय संघ के देशों में ईवी कारों की बिक्री में गिरावट दर्ज

नई दिल्ली ।

बीते साल अगस्त 2023 में यूरोपीय संघ के देशों में कारों की बिक्री में बड़ी गिरावट दर्ज की गई। बिक्री में 18.3प्रतिशत की गिरावट आई है, जो पिछले तीन वर्षों में सबसे निचला स्तर है। जानकारी के मुताबिक, इस गिरावट का मुख्य कारण इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) की बिक्री में कमी है, जबकि विश्वभर की सरकारें स्वच्छ पर्यावरण की दिशा में आगे बढ़ने का आह्वान कर रही हैं।

जर्मनी, फ्रांस और इटली जैसे प्रमुख बाजारों में इलेक्ट्रिक कारों की बिक्री लगातार चौथे महीने घट रही है। इलेक्ट्रिक वाहनों की बिक्री में इस गिरावट ने यूरोपीय ऑटोमोबाइल निर्माता संघ (एसीईए) को तत्काल कार्रवाई की आवश्यकता महसूस करवाई है। रिपोर्ट के अनुसार, पूरी तरह से इलेक्ट्रिक कारों की बिक्री में अगस्त में 43.9प्रतिशतकी कमी आई, जिसमें जर्मनी में 68.8प्रतिशत और फ्रांस में 33.1प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई है। प्लग-इन इलेक्ट्रिक कारों की बिक्री भी 22.3प्रतिशत कम हुई है। प्रमुख कार निर्माता कंपनियों जैसे फॉक्सवैगन, स्टेलेंटिस और रेनॉ की बिक्री में क्रमशः 14.8प्रतिशत, 29.5प्रतिशत और 13.9 प्रतिशत की कमी आई है। सोसायटी ऑफ मैन्युफैक्चरर्स ऑफ इलेक्ट्रिक व्हीकल्स के आंकड़ों के अनुसार, वित्त वर्ष 2024-25 की पहली तिमाही में कुल 23,023 इलेक्ट्रिक कारें बिकीं, जबकि दूसरी तिमाही में यह आंकड़ा घटकर 10,939 यूनिट्स पर पहुंच गया। इस स्थिति ने स्वच्छ ऊर्जा की दिशा में किए जा रहे प्रयासों को संदेह के घेरे में ला दिया है।

आईपीओ से 500 करोड़ जुटाएगी लीला होटल की पेरेंट कंपनी

नई दिल्ली।

लीला पैलेस होटल्स एंड रिसॉर्ट्स का परिचालन करने वाली कंपनी श्लॉस बैंगलोर लिमिटेड ने अपने आरंभिक सार्वजनिक पेशकश (आईपीओ) के लिए पूंजी बाजार नियामक सेबी के पास प्रारंभिक दस्तावेज दाखिल किए हैं। कंपनी 5,000 करोड़ रुपये जुटाने की योजना बना रही है, जो होटल क्षेत्र में देश का अब तक का सबसे बड़ा आईपीओ माना जा रहा है। श्लॉस बैंगलोर के आईपीओ में 3,000 करोड़ रुपये के इक्विटी शेयरों का नया निर्गम और 2,000 करोड़ रुपये के शेयरों की बिक्री पेशकश (ओएफएस) शामिल है। यह बिक्री प्रवर्तक कंपनी प्रोजेक्ट बैलेट बैंगलोर होल्डिंग्स प्राइवेट लिमिटेड द्वारा की जाएगी। ब्रुकफील्ड एसेट मैनेजमेंट द्वारा समर्थित श्लॉस बैंगलोर लिमिटेड ने कहा है कि नए निर्गम से प्राप्त राशि का उपयोग कंपनी और उसकी अनुषंगी कंपनियों द्वारा लिए गए कर्ज को चुकाने और सामान्य कॉरपोरेट उद्देश्यों के लिए किया जाएगा।

मार्च 2024 तक कंपनी पर 4,052.50 करोड़ रुपये का कर्ज था, जिसे चुकाने के लिए यह आईपीओ लाया जा रहा है। इस रकम का बड़ा हिस्सा कंपनी के वित्तीय पुनर्गठन और विस्तार की योजनाओं में उपयोग किया जाएगा।

आईपीओ पूर्व नियोजन चरण में कंपनी 600 करोड़ रुपये जुटाने पर भी विचार कर रही है। यदि ऐसा होता है, तो नए निर्गम का आकार कम हो सकता है, जिससे कुल जुटाई जाने वाली राशि में बदलाव हो सकता है।

टेक्नोलॉजी विकसित भारत का एक अहम स्तम्भ हैः पीएम मोदी

वाशिंगटन ।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अमेरिका दौरे पर हैं। इस दौरान उन्होंने टेक कंपनियों के सीईओ के साथ राउंड टेबल बातचीत की। उन्होंने कहा कि भारत का मंत्र रिफॉर्म, ट्रांसफॉर्म और परफॉर्म है। टेक्नोलॉजी- डेमोक्रेसी संकट पैदा कर देता है। भारत के पास युवा भी, टेक्नोलॉजी भी है, मार्किट भी है। पीएम मोदी ने इस दौरान यह भी बताया कि कैसे भारत चीन को पछाड़ने जा रहा है। हालांकि उन्होंने चीन का नाम नहीं लिया है। पीएम मोदी ने कहा कि टेक्नोलॉजी विकसित भारत का एक अहम स्तम्भ है। भारत की स्किल, भारत की कपाबिलिटी, भारत का परफॉर्मेंस में यूनिक तरीके देखते होंगे। विश्व का सबसे बड़ा युवा टैलेंट आज भारत के पास है। इन्वेस्टर के लिए या कोई भी साहस करने वाले व्यक्ति के लिए पॉलिसी स्टेबिलिटी जरूरी है। बता दें कि इस समय चीन सेमीकंडक्टर के उत्पादन करने वाले देशों में नबंर वन है। हालांकि जल्द ही भारत चीन को इस मामले में पछाड़ने जा रहा है। पीएम मोदी ने टेक कंपनियों के सीईओ के साथ राउंड टेबल बातचीत में बता दिया है। उन्होंने कहा कि सेमीकंडक्टर में 15 बिलियन डॉलर का इन्वेस्ट करने की दिशा में भारत आगे बढ़ रहा है। चिप के बिना कोई कारोबार चलना मुश्किल है। 5जी में हम लेट थे, लेकिन आज हम नंबर 1 है। चिप और सेमीकंडक्टर के दिशा में जो बेसिक नीड की जरुरत है उसमें हम पूरी तरह तैयार है। आज भी दुनिया की बड़ी कंपनी के रिसर्च और इनोवेशन सेंटर भारत में हैं। मालूम हो कि अपनी तीन दिवसीय अमेरिकी यात्रा के दौरान गूगल, एनवीडिया और 13 अन्य कंपनियों जैसे प्रौद्योगिकी दिग्गजों के प्रमुखों को संबोधित करते हुए मोदी ने सेमीकंडक्टर क्षेत्र में वैश्विक साझेदार बनने की भारत की क्षमता को रेखांकित किया और बताया कि कैसे भारत में तकनीकी प्रगति नवाचार को बढ़ावा दे सकती है।

रुपया गिरावट पर बंद

मुंबई । अमेरिकी डॉलर के मुकाबले सोमवार को भारतीय रुपया तीन पैसे की गिरावट के साथ ही 83.55 पर बंद हुआ। रुपया आज शुरुआती कारोबार में छह पैसे मजबूत होकर 83.46 प्रति डॉलर पर पहुंच गया। हालांकि विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि कच्चे तेल की कीमतों में तेजी और प्रमुख विदेशी प्रतिद्वंद्वियों के मुकाबले डॉलर के मजबूत होने से भारतीय मुद्रा की बढ़त सीमित हुई। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 83.44 प्रति डॉलर पर खुला और शुरुआती सौदों के बाद 83.49 प्रति डॉलर पर फिसल गया। हालांकि फिर वापसी करता हुआ 83.46 प्रति डॉलर पर आ गया जो पिछले बंद स्तर से छह पैसे की बढ़त दिखाता है। रुपया शुक्रवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 83.52 पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दिखाने वाला डॉलर सूचकांक 0.07 फीसदी बढ़त के साथ 100.49 पर रहा। अंतरराष्ट्रीय मानक ब्रेंट क्रूड 0.74 फीसदी की बढ़त के साथ 75.04 डॉलर प्रति बैरल के भाव पर रहा।

भारतीय रियल एस्टेट बाजार में आवास की मांग मजबूतः क्रेडाई

सिडनी । भारतीय रियल एस्टेट बाजार में आवास की मांग मजबूत बनी हुई है और इसमें मंदी की कोई संभावना' दिखाई नहीं दे रही है। साथ ही मांग पूरा करने के लिए अधिक नई पेशकश की जरूरत है। रियल एस्टेट क्षेत्र के शीर्ष संगठन क्रेडाई के अनुसार किसी तिमाही में मकानों की बिक्री कम पेशकश की वजह से गिर सकती है, लेकिन कोविड-19 वैश्विक महामारी के बाद बढ़ी उपभोक्ता मांग बरकरार है। क्रेडाई 23-26 सितंबर को यहां अपना प्रमुख सम्मेलन क्रेडाई नैटकॉन आयोजित कर रहा है। इसमें 1,100 से अधिक प्रतिनिधि हिस्सा लेंगे। चालू तिमाही में बिक्री में अनुमानित गिरावट के बारे में पूछे जाने पर क्रेडाई के वे रिष्ठ अे धिकारी ने कहा कि सितंबर तिमाही में नई पेशकश कम रही हैं। अे धिकारी ने यहां पत्रकारों से बातचीत के दौरान कहा कि कोई इन्वेंट्री नहीं है। अच्छे डेवलपर की ओर से सही स्थानों तथा आकर्षक कीमतों पर आवासीय संपत्तियों की भारी मांग है।

स्पाइसजेट को पात्र संस्थागत नियोजन से 3,000 करोड़ रुपये की राशि मिली

नई दिल्ली । निजी क्षेत्र की घरेलू विमानन कंपनी स्पाइसजेट को पात्र संस्थागत नियोजन (क्यूआईपी) के जरिये 3,000 करोड़ रुपये की राशि मिली है। स्पाइसजेट ने इसी को लेकर कहा, क्यूआईपी 16 सितंबर को खुला और 18 सितंबर को बंद हुआ। इसमें निवेशकों की अच्छी प्रतिक्रिया के साथ काफी अधिक लाभ मिला है। इससे कंपनी की वृद्धि संभावनाओं में निवेशकों का भरोसा दिखता है। स्पाइसजेट ने कहा, 3,000 करोड़ रुपये के वित्तपोषण के अलावा उसे पिछले वित्तपोषण दौर से 736 करोड़ रुपये की अतिरिक्त राशि भी मिली है। इससे उसकी वित्तीय स्थिरता तथा वृद्धि योजनाओं को भी बल मिला है। । स्पाइसजेट की ओर से कहा गया कि निवेशकों और संस्थानों की ओर से मिली मजबूत प्रतिक्रिया स्पाइसजेट की तेजी से विस्तार करने और भारत के उभरते विमानन बाजार में एक मजबूत कंपनी बनने की क्षमता में दिखती है।'' विमानन कंपनी के अनुसार इस पूंजी निवेश से एयरलाइन अपने परिचालन को मजबूत करने के साथ ही अपने बेड़े को बढ़ाने और यात्रियों की बढ़ती मांग को पूरा करेगी। इसके आलावा यात्रियों को पहले से बेहतर सुविधाएं देने के प्रयास किये जाएंगे।

शेयर बाजार रिकार्ड तेजी के साथ बंद, निफ्टी 26 हजार के करीब पहुंचा

सेंसेक्स 384 अंक ऊपर आया

मुम्बई ।

मुम्बई शेयर बाजार सोमवार को भारी तेजी के साथ बंद हुआ। सप्ताह के पहले ही कारोबारी दिन बाजार में ये उछाल एशियाई बाजारों से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही विदेशी निवेश बढ़ने से आया है। दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स सप्ताह के पहले ही कारोबारी दिन 384.30 अंक करीब 0.45 फीसदी की बढ़त के साथ ही 84,928.61 के शीर्ष स्तर पर बंद हुआ। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 148 अंक तकरीबन 0.57 फीसदी बढ़कर 25,939.05 के रिकॉर्ड स्तर पर बंद हुआ। निफ्टी में आज 25,847.35 और 25,956.00 के बीच कारोबार हुआ।

सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 19 शेयर आज बढ़त पर बंद हुए। इसमें एमएंडएम, एसबीआईइ, भारती एयरटेल, कोटक बैंक और एचयूएल जैसे शीर्ष पांच शेयर शामिल रहे। इसके अलावा, अल्ट्राटेक सीमेंट, टाटा स्टील, अदाणी पोर्ट्स, एनटीपीसी, एचडीएफसी बैंक, नेस्ले इंडिया, टाइटन, मारुति, रिलायंस, आईटीसी फाइनैंस, एक्सिस बैंक, टाटा मोटर्स और बजाज फिनसर्व के शेयरों में भी तेजी आई। दूसरी ओर सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 11 शेयर गिरावट पर बंद हुए। आईसीआईसीआईसीआई बैंक, इंडसइंड बैंक, एशियन पेंट्स, टेक महिंद्रा और एचसीएल टेक सेंसेक्स के सबसे अधिक नुकसान वाले पांच शेयर रहे। इसके अलावा, इंफोसिस, टीसीएस, एलएंडटी, पावर ग्रिड, सन फार्मा और जेएसडब्ल्यू स्टील के शेयर भी नीचे आये।

बाजार जानकारों के अनुसार अमेरिकी फेडरल बैंक (फेड) द्वारा ब्याज दरों में की गई नीतिगत कटौती से से भी घरेलू बाजार ऊपर आया है।

इससे पहले आज सुबह बाजार के प्रमुख सूचकांक बीएसई सेंसेक्स और निफ्टी 50 ने सप्ताह के पहले कारोबारी दिन रिकॉर्ड ऊंचाई पर शुरुआत की। दुनियाभर के निवेशक इस बात पर नजर रख रहे है कि अमेरिकी फेडरल रिजर्व की बड़ी दर कटौती से आई तेजी कब तक बनी रहेगी। शुरुआती कारोबार में बीएसई सेंसेक्स 151 अंक बढ़कर 84,695 पर कारोबार करता नजर आया, जबकि निफ्टी 50 में 84 अंकों की बढ़त, यानी 0.33फीसदी की तेजी के साथ 25,875 पर कारोबार कर रहा था। वहीं एशिया-प्रशांत के बाजारों में सोमवार को धीमी शुरुआत देखी गई, क्योंकि क्षेत्र के निवेशक शुक्रवार को चीन और जापान द्वारा किए गए ब्याज दरों के फैसलों को समझने में लगे रहे। इससे पहले, यूएस फेड की तेज ब्याज दर कटौती ने पिछले हफ्ते बाजारों को मजबूती दी थी। सोमवार को जापान के बाजार एक सार्वजनिक अवकाश के कारण बंद है, जबकि ऑस्ट्रेलिया का एसएंडपी, एएसएक्स 200 इंडेक्स 0.43 फीसदी की गिरावट के साथ खुला। दक्षिण कोरिया के कोस्पी में 0.15 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई, जबकि हांगकांग के हैंग सेंग इंडेक्स फ्यूचर्स 18,199 के स्तर पर दिखे, जो एचएसआई के पिछले बंद स्तर 18,258.57 से नीचे है।

लीला पैलेस की मूल कंपनी ने सेबी के पास आईपीओ दस्तावेज जमा किए

नई दिल्ली। लीला पैलेस होटल्स एंड रिसॉर्ट्स का परिचालन करने वाली कंपनी श्लॉस बैंगलोर लिमिटेड ने आरंभिक सार्वजनिक पेशकश (आईपीओ) के जरिये 5,000 करोड़ रुपये जुटाने के लिए पूंजी बाजार नियामक सेबी के पास प्रारंभिक दस्तावेज दाखिल किए। यह होटल क्षेत्र में देश का सबसे बड़ा आईपीओ माना जा रहा है। भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) में दाखिल आरंभिक दस्तावेजों के अनुसार कंपनी का प्रस्तावित आईपीओ 3,000 करोड़ रुपये मूल्य के इक्विटी शेयरों का नया निर्गम और प्रवर्तक प्रोजेक्ट बैलेट बैंगलोर होल्डिंग्स (डीआईएफसी) प्राइवेट लिमिटेड द्वारा 2,000 करोड़ रुपये मूल्य के शेयरों की बिक्री पेशकश (ओएफएस) का संयोजन है। ब्रुकफील्ड एसेट मैनेजमेंट द्वारा समर्थित श्लॉस बैंगलोर ने कहा कि नए निर्गम से प्राप्त राशि का उपयोग कंपनी और उसकी अनुषंगी कंपनियों द्वारा लिए गए कर्ज को चुकाने तथा सामान्य कॉरपोरेट उद्देश्यों के लिए किया जाएगा।दस्तावेजों से पता चलता है कि मार्च, 2024 तक कंपनी पर कुल 4,052.50 करोड़ रुपये का उधार था।कंपनी आईपीओ पूर्व नियोजन चरण में 600 करो

आईनॉक्स विंड ने आईसीआईसीआई बैंक नीत कंसोर्टियम से किया समझौता

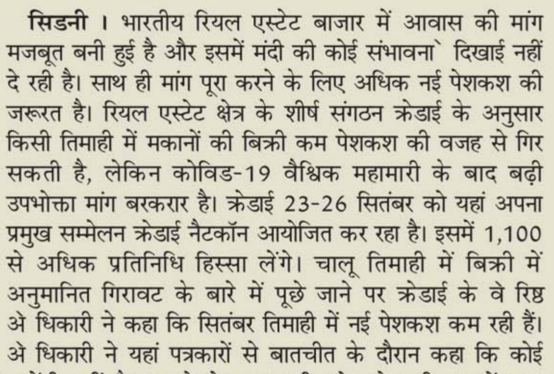

नई दिल्ली । पवन ऊर्जा समाधान प्रदाता आइनॉक्स विंड ने आईसीआईसीआई बैंक की अगुवाई वाले एक कंसोर्टियम के साथ 2,200 करोड़ रुपये की वित्त सुविधा के लिए समझौता किया है। आईनॉक्स विंड लिमिटेड (आईडब्ल्यूएल) ने कहा कि अग्रणी बैंक (आईसीआईसीआई बैंक) द्वारा किए गए कार्यशील पूंजी मूल्यांकन के अनुसार इस सीमा बढ़ाकर 2,400 करोड़ रुपये किए जाने की संभावना है। बयान में कहा गया है' कि आईसीआईसीआई बैंक नीत बैंकों के एक समूह के साथ 2,200 करोड़ रुपये की सीमा के लिए समझौते पर हस्ताक्षर किए गए हैं। ये सीमाएं मुख्य रूप से गैर-निधि आधारित हैं। आईनॉक्स जीएफएल ग्रुप के एक मुख्य वित्त अधिकारी ने कहा कि कंसोर्टियम व्यवस्था आईडब्ल्यूएल की वित्तीय मजबूती में बैंकिंग समुदाय के विश्वास को दर्शाती है। यह पिछली कई तिमाहियों के प्रयासों का परिणाम है और कंपनी के मजबूत परिचालन प्रदर्शन तथा इसके मजबूत दृष्टिकोण से समर्थित है।

आलू और प्याज की कीमतें बढ़ने की संभावना

नई दिल्ली ।

आलू-प्याज के उत्पादन को लेकर एक ऐसी रिपोर्ट सामने आई है, जिससे फिर से रसोई का खर्च बढ़ने की संभावना है। 2023-24 में भारत का बागवानी उत्पादन मामूली 0.65 फीसदी घटकर 353.19 मिलियन टन होने की संभावना व्यक्त की जा रही है। जून में जारी 2023-24 के दूसरे एडवांस अनुमान में बागवानी फसलों का कुल उत्पादन 352.23 मिलियन टन होने का अनुमान लगाया गया था। प्रमुख क्षेत्रों में कम पैदावार के कारण प्याज और आलू का उत्पादन 242.44 लाख टन और 570.49 लाख टन होने की उम्मीद है। अन्य सब्जियां जैसे बैंगन, रतालू और शिमला मिर्च का उत्पादन भी कम हो सकता है, जिससे इनकी कीमतों को नियंत्रित करना चुनौतीपूर्ण हो सकता है। यह खाद्य महंगाई को प्रभावित कर सकता है। भारत में अगस्त में खुदरा महंगाई 3.65 फीसदी पर पहुंच गई, जो जुलाई में 3.6 फीसदी थी। कुल सब्जियों का उत्पादन 205.80 लाख टन होने की उम्मीद है। अनुमानों से पता चला है कि टमाटर, पत्तागोभी, फूलगोभी, टैपिओका, लौकी, कद्दू, गाजर, खीरे, करेला, परवल और भिंडी के उत्पादन में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। पिछले वर्ष की कीमत वृद्धि के कारण टमाटर का उत्पादन 4.38 फीसदी बढ़कर 21.32 मिलियन टन हो गया है। रसोई में इस्तेमाल होने वाले खाद्य पदार्थों की कीमतें पिछले साल आसमान छूकर 250 रुपए प्रति किलोग्राम तक पहुंच गईं, जिससे किसानों को ऊंची बाजार कीमतों का फायदा उठाने की उम्मीद में खेती बढ़ाने के लिए प्रेरित किया गया। टमाटर के उत्पादन में वृद्धि से भोजन की लागत कम करने में मदद मिली है, शाकाहारी थाली में साल-दर-साल 8 फीसदी और मांसाहारी भोजन में 12 फीसदी की कमी आई है। फलों का उत्पादनआम, केले और अन्य फलों के कारण फलों का उत्पादन 2.29 फीसदी बढ़कर 112.73 मिलियन टन तक पहुंचने की उम्मीद है।

शो मैं दिल तुम धड़कन में एक भावुक सफर

मुंबई : शेमारू उमंग पर मैं दिल तुम धड़कन में एक चौंकाने वाला मोड़ देखने को मिलेगा जो एक ऐसे शिशु को जन्म देती हैं जो जिन्दगी की लड़ाई हार जाता है, जिससे उनका परिवार टूट जाता है। उसी समय, केशव की पत्नी दीपिका ने एक स्वस्थ बेटे को जन्म दिया है, वह तनाव में आकर डॉक्टर को अपने बच्चे से छुटकारा दिलाने की बात कहती है, क्योंकि उसके सपने मां बनने से ज्यादा बड़े हैं। कहानी में एक नया मोड़ तब आता है जब डॉक्टर वृंदा की जान बचाने के लिए उनकी सास को नवजात शिशु की अदला-बदली का सुझाव देते हैं। शो में एक मां के असली मायने को बखूबी दर्शाता है, साथ ही यह महसूस भी कराता है कि एक मां और बच्चे के मजबूत बंधन के लिए खून का रिश्ता होना जरूरी नहीं है।

स्वच्छ भारत मिशन ने बदली भारत की छवि

मधुकर पवार

भारत में इस समय चलाया जा रहा स्वच्छता ही सेवा - 2024 एक राष्ट्रव्यापी स्वच्छता अभियान है जो स्वच्छ और स्वस्थ भारत के प्रति प्रतिबद्धता प्रदर्शित करता है। इस अभियान की विषयवस्तु स्वभाव स्वच्छता और संस्कार स्वच्छता है। यह स्वच्छ भारत मिशन के तहत एक दशक के परिवर्तनकारी कार्यों पर आधारित है, जिसने 2014 में अपनी शुरूआत के बाद से भारत के स्वच्छता परिदृश्य को मौलिक रूप से नया आयाम प्रदान किया है।

इन दिनों समूचे भारत में स्वच्छता ही सेवा अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान के तहत विशेष रूप से केंद्र सरकार के सभी मंत्रालयों, कार्यालयों, सार्वजनिक व पर्यटक स्थलों, रेलवे स्टेशनों तथा आसपास के परिसरों आदि की साफ झ्र सफाई के लिये विशेष सफाई अभियान चलाकर आम जनता की भागीदारी सुनिश्चित की जा रही है ताकि स्वच्छता अभियान सतत चलता रहे। विगत 19 सितम्बर को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु उज्जैन प्रवास पर थीं। इस दौरान उन्होंने महाकाल परिसर में झाड़ू लगाकर श्रमदान कर यह संदेश दिया कि चाहे कोई व्यक्ति कितने ही बड़े पद पर क्यों न हो, स्वच्छता उनकी पहली प्राथमिकता होनी चाहिए। राष्ट्रपति ने इस अवसर पर कहा कि पिछले 10 वर्षों में स्वच्छता अभियान देशव्यापी जन आंदोलन बन गया है। मध्य प्रदेश में स्वच्छ भारत मिशन की उपलब्धियों की चर्चा करते हुये राष्ट्रपति ने कहा कि इंदौर ने लगातार सात बार देश का स्वछतम शहर बनने का कीर्तिमान स्थापित किया है। भोपाल को सबसे स्वच्छ राजधानी होने का गौरव प्राप्त है। राज्य के अनेक शहर वाटर प्लस और ओडीएफ डबल प्लस की श्रेणी में पुरस्कृत हुए हैं। उन्होंने स्वच्छता के क्षेत्र में मध्य प्रदेश की उपलब्धियों का श्रेय अग्रिम पंक्ति के सफाई मित्रों को दिया। उन्होंने कहा कि स्वच्छ भारत मिशन का दूसरा चरण सन 2025 तक चलेगा। इस दौरान हमें संपूर्ण स्वच्छता के लक्ष्य को पूरा करना है।

हाल ही में उपराष्ट्रपति श्री जगदीप धनखड़ ने भी राजस्थान के झुंझुनू जिला में स्वच्छता ही सेवा अभियान का शुभारंभ करते हुए कहा कि देश के अधिकांश परिवारों में शौचालयों का नहीं होना एक अभिशाप था। इससे सबसे ज्यादा बेटियों और महिलाओं को शर्मिंदगी उठानी पड़ती थी लेकिन अब स्वच्छ भारत मिशन से उनका सम्मान और गौरव बढ़ा है। यूनिसेफ के सर्वे में यह बात उभरकर सामने आई है कि अब करीब 93 प्रतिशत महिलाएं मानती हैं कि उन्हें सम्मान मिला है और वे सुरक्षित महसूस करती हैं। हाल ही में एक शोध में पाया गया कि स्वच्छ भारत मिशन के शुरू होने के बाद नवजात शिशुओं की मृत्यु दर में भी उल्लेखनीय कमी आई है। शोध के निष्कर्ष में बताया गया है कि भारत में सन 2014 के बाद से हर साल 60,000 से 70,000 नवजात शिशुओं की जान बच रही है।

भारत में स्वच्छ भारत मिशन को शुरू हुए लगभग 10 साल हो गए हैं। इस दौरान चरणबद्ध तरीके से शहरी व ग्रामीण क्षेत्रों में चलाए गए स्वच्छता अभियान के सार्थक परिणाम दिखाई दे रहे हैं। इस अभियान से बच्चे, युवा, जवान और बुजुर्ग सभी जुड़े और यह देखते ही देखते जन आंदोलन के रूप में परिवर्तित हो गया। गांव-गांव और शहर- शहर में स्वच्छता को लेकर होड़ सी लग गई और इसके परिणाम स्वरूप गांव, जिला और प्रदेश सहित समूचे भारत में स्वच्छता की बयार बहने लगी। पूरे भारत में आम जनता की सक्रिय भागीदारी से खुले में शौच से मुक्त यानी ओडीएफ घोषित कर दिया गया। करीब 10 साल पहले स्वच्छता को लेकर हमारी मानसिकता पर जो गर्द जमी हुई थी, वह अब पूरी तरह साफ हो गई है। हमारी नजरें अब स्वच्छता के बीच केवल गंदगी पर ही जाकर टिकती है। जब चारों ओर स्वच्छता का वातावरण बन रहा है तब कहीं जरा सी भी गंदगी रहती है, वहीं हमारी नजरें ठहर जाती हैं। यह स्वच्छता को लेकर बहुत बड़ा परिवर्तन हुआ है।

स्वच्छता को लेकर प्रशासन के साथ आम नागरिकों में भी जुनून सवार है तभी तो मध्य प्रदेश का इंदौर शहर भारत में सबसे स्वच्छ शहर का तमगा लेकर 7 सालों से शीर्ष पर बना हुआ है। इसमें आम नागरिकों और स्वयं सेवी संगठनों का भी सहयोग अतुलनीय है। इंदौर को केवल भारत में ही नहीं बल्कि पूरे विश्व में भी स्वछतम शहर के रूप में मान्यता मिली हुई है। इसका परिणाम यह हुआ है कि अन्य शहर भी इंदौर से स्वच्छता के विभिन्न मापदंडों पर बराबर आने या इससे आगे निकलने की होड़ में शामिल होने के लिए जी तोड़ मेहनत करने लगे हैं। चूंकि स्वच्छता एक सतत प्रक्रिया है और निरंतर स्वच्छता को लेकर सजग रहकर इसके विभिन्न मापदंडों के स्तर को बनाए रखना सबसे महत्वपूर्ण होता है। अब स्वच्छता धीरे झ्र धीरे आम नागरिकों की आदत में शामिल होने लगा है । इसी का परिणाम है कि आज स्वच्छता के मापदण्डों पर भारत की छवि एक स्वच्छ राष्ट्र के रूप में बन रही है।

भारत में सन 2014 से पहले निर्मल भारत अभियान चलाया जा रहा था जिसमें केवल शौचालय बनाना ही एकमात्र लक्ष्य था लेकिन राशि इतनी कम (मात्र 4600 रुपए) थी कि इससे किसी तरह शौचालय ही बना पाते थे। यह कार्यक्रम औपचारिकता मात्र बन कर रह गया था लेकिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जब स्वच्छ भारत मिशन की शुरूआत की, शौचालय बनवाने के लिये राशि को बढ़ाकर 12,000 रुपए कर दिया जो शौचालय बनवाने के लिये पर्याप्त कही जा सकती है। शौचालयों के निर्माण के साथ पेयजल, स्वच्छता, पॉलिथीन मुक्त शहर - गांव आदि को भी इस अभियान में शामिल कर व्यापकता प्रदान की गई । प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत बनाए जाने वाले मकानों में शौचालय बनाना अनिवार्य कर दिया जिससे स्वच्छता अभियान को नया आयाम मिला और गरीबों विशेषकर महिलाओं को सम्मान । इसका परिणाम यह हुआ कि सन 2014 में जहां देश में शौचालयों का प्रतिशत करीब 40 था, जो अब बढ़कर करीब 97 प्रतिशत हो गया है। देश में 11.6 करोड़ से अधिक शौचालयों का निर्माण करके यह सुनिश्चित किया गया है कि भारत खुले में शौच से मुक्त हो जाए। आज की तारीख में भारत के 50% गांव ओडीएफ प्लस मॉडल हो चुके हैं। भारत करीब झ्र करीब खुले में शौच से मुक्त यानी ओ.डी.एफ. के आसपास पहुंच चुका।

स्वच्छ भारत मिशन में पेयजल उपलब्ध कराना भी एक महत्वपूर्ण कारक है। ग्रामीण क्षेत्रों में स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराने के लिए जल जीवन मिशन चलाया जा रहा है। राज्यों एवं केंद्र शासित प्रदेशों द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार देश के करीब 19.24 करोड़ ग्रामीण परिवारों में से लगभग 13.76 करोड़ यानी 71.51 प्रतिशत परिवारों के घरों में नल से स्वच्छ पेयजल की आपूर्ति सुनिश्चित कर दी गई है।

शहरी और अर्ध शहरी क्षेत्रों में स्वच्छता के साथ घर से निकलने वाले सूखे, गीले, जैव अपशिष्ट और इलेक्ट्रॉनिक व इलेक्ट्रिक अपशिष्ट के व्यवस्था शुरू करने से शहरी स्वच्छता में क्रांतिकारी परिवर्तन आया है। घर से निकलने वाले सभी तरह के कचरे को घर से ले जाने के लिए सभी नगरीय क्षेत्रों में माकूल व्यवस्था की गई है। अनेक शहरों में गीले कचरे से जैविक खाद और बायोगैस बनाई जा रही है। उज्जैन के महाकाल सहित देश के अनेक धार्मिक स्थलों में फूल, पत्तियां से अब जैविक खाद बनाने के अभिनव प्रयोग किए जा रहे हैं। इससे धार्मिक स्थलों में स्वच्छता का वातावरण निर्मित हो रहा है, कुछ लोगों को रोजगार भी मिल रहा है और धार्मिक ट्रस्टों को आमदनी भी होने लगी है। देश में रिसायकल नहीं हो सकने वाली पॉलिथीन पर प्रतिबंध लगा दिया गया है। स्वच्छता के लिये तीन आर यानि रिड्यूस, रियूज और रिसायकल अर्थात आवश्यकता कम करना, पुनः उपयोग करना और पुनर्चक्रीकरण पर बल दिया गया है। इस प्रयास से आम नागरिकों के व्यवहार में भी परिवर्तन दिखाई दे रहा है। एक बार ही उपयोग (सिंगल यूज) में आने वाले प्लास्टिक / पोलिथीन से बने गिलास, प्लेट्स आदि का विवाह, सामाजिक और धार्मिक कार्यक्रमों में रोक लगाने के लिये प्रभावी कदम उठाए गये हैं। अनेक नगरीय निकाओं और ग्राम पंचायतों ने बर्तन बैंक बनाकर पोलिथीन मुक्त शहर / ग्राम बनाने की दिशा में अनुकरणीय पहल की है।

भारत में इस समय चलाया जा रहा स्वच्छता ही सेवा - 2024 एक राष्ट्रव्यापी स्वच्छता अभियान है जो स्वच्छ और स्वस्थ भारत के प्रति प्रतिबद्धता प्रदर्शित करता है। इस अभियान की विषयवस्तु स्वभाव स्वच्छता और संस्कार स्वच्छता है। यह स्वच्छ भारत मिशन के तहत एक दशक के परिवर्तनकारी कार्यों पर आधारित है, जिसने 2014 में अपनी शुरूआत के बाद से भारत के स्वच्छता परिदृश्य को मौलिक रूप से नया आयाम प्रदान किया है। पिछले दस वर्षों में स्वच्छता को लेकर केंद्र और राज्य सरकारों के साथ आम नागरिकों की सक्रिय भागीदारी से ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में स्वच्छता का वातावरण निर्मित हो गया है। अब भारत की छवि स्वच्छ भारत के साथ स्वस्थ भारत के रूप में भी बन रही है। स्वच्छता को बनाये रखना सबसे बड़ी चुनौती है लेकिन यह असम्भव भी नहीं है।

(लेखक - भारतीय सूचना सेवा के पूर्व अधिकारी)

संपादकीय

चीन को घुड़की

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा, क्वाड़ (चतुष्पक्षीय सुरक्षा संवाद) किसी के खिलाफ नहीं है। बल्कि नियमों पर आधारित अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था व संप्रभुता के सम्मान के पक्ष में है। यह.अमेरिका, आस्ट्रेलिया, जापान के साथ भारत को मिलाकर बनाया गया संगठन है। मोदी ने अपने संबोधन में कहा, स्वतंत्र, खुला, समावेशी व समृद्ध हिंद-प्रशांत हमारी प्राथमिकता है। किसी देश का नाम लिये बगैर उन्होंने जोड़ा, हम किसी के खिलाफ नहीं हैं। नियम आधारित अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था, संप्रभुता का सम्मान, क्षेत्रीय अखंड़ता व सभी मुद्दों का शांतिपूर्ण तरीके से हम समाधान करने के समर्थन में हैं।

प्रधानमंत्री का इशारा परोक्ष रूप से चीन की तरफ था। चूंकि क्वाड़ सदस्य हिंद-प्रशांत क्षेत्र में खुले व्यापार के समर्थक हैं। जिसका सकारात्मक व स्थाई प्रभाव दिख रहा है। लंबे समय से चीन 'स्ट्रिंग ऑफ पर्ल्स नीति' के तहत चीन-हिंद महासागर क्षेत्र में बंदरगाहों व सैन्य ठिकानों को विकसित कर रहा है। इसके चार प्रमुख समुद्री लोकतांत्रिक देशों के तौर पर यह संगठन शांति व स्थिरता बनाए रखने का कार्य कर रहा है। जो वैश्विक सुरक्षा व समृद्धि के लिए अनिवार्य माना जा रहा है। स्पष्ट रूप से चीन लगातार हमारे करीबी पड़ोसियों म्यामांर, बांग्लादेश, थाईलैंड़, नेपाल, मालदीव जैसे मुल्कों में वर्चस्व बढ़ा कर भारत को घेरने के प्रयास कर रहा है। हालांकि चीन के साथ सीमा विवाद में देश को अमेरिका व जापान का समर्थन प्राप्त है। साथ ही जापान लगातार भारत को बुनियादी ढ़ांचे के विकास के लिए वित्तीय मदद भी कर रहा है। जो चीन का मुकाबला करने में खास मददगार साबित हो रहा है। स्वास्थ्य सेवा, प्रौद्योगिकी, जलवायु परिवर्तन, क्षमता निर्माण जैसे प्रमुख क्षेत्रों में क्वाड़ के काम का लाभ देश को परोक्ष व प्रत्यक्ष तौर पर निरंतर प्राप्त हो रहा है। मोदी द्वारा बांग्लादेश की मौजूदा स्थिति पर प्रमुखता से जिक्र करना तथा विचारों का आदान-प्रदान असरकारी हो सकता है। बहुपक्षीय व द्विपक्षीय स्तरों पर वैश्विक तरक्की, शांति व सुरक्षा को लेकर भारत की प्रतिबद्धता व विचारों का सीधा असर दुनिया के समक्ष शीघ्र ही स्पष्ट होता जाएगा। जो अस्थिरताकारी व एकतरफा कार्रवाई का विरोध कर सकेगा व यथास्थिति को बदलने की सकारात्मक प्रयास होते नजर आ सकेंगे।

चिंतन-मनन

ध्वनि तंरगों से रोगें का उपचार

यह बात जान कर आप सभी को आश्चर्य होगा की ध्वनि तंरगें से भी रोगों के उपाच होते है। यह विश्व जीवों से भरा है। ध्वनि तंरगों की टकराहट से सुक्ष्म जीव मर जाते है, रात्री में सूर्य की पराबैगनी किरणां के अभाव में सूक्ष्म जीव उत्पन्न होते है जो ध्वनि तरगों की टकराहट से मर जाते है। ध्वनि तरगों से जीवों के मरने की खोज सर्वप्रथम बर्लिन विश्वविधालय में 1928 में हुई थी। शिकागों के डॉ.ब्राइन ने ध्वनि तरगों से जीवों के नष्ट होने की बात सिद्ध की है। आधुनिक वैज्ञानिकों ने सिद्ध किया कि शंख और घण्टा की ध्वनि लहरों से 27 घन फुट प्रति सेकिंड वायु शक्ति वेग से 1200फुट दूरी के बैक्टीरिया नष्ट हो जाते है।

पूर्व में मंदिरों का निमार्ण गुम्वजाकार होता था दरवाजे छोटे होते थे अन्दर की ध्वनि बाहर नही निकलती थी, बाहर की ध्वनि अन्दर प्रवेश नही करती थी। मन्दिर में एक ईष्ट देव की प्रतिमा, एक दीपक, एक घण्टा, शंख होता था। यहां कोई भी रोगी श्रद्धा से जाता घण्टा या शंख ध्वनि कर दीप जलता बैठ कर श्रद्धा से प्रार्थना भक्ति करता, मौन ध्यान करता। रोंगों के ठीक होने की कामना करता वह ठीक हो जाता था। इसका बैज्ञानिक कारण घण्टा -शंख ध्वनि भक्ति प्रार्थना की ध्वनि तंरगें बाहर न जाकर गुम्वजाकार शिखर से टकराकर शरीर से टकराती जिससे शरीर के रोगाणु नष्ट हो जाते रोग ठीक हो जाते। आज भी पुराने मंदिरों में यह होता है। इसलिये सीमित मात्रा में बोलना ठीक है। ध्वनि ज्यादा मात्रा में प्रदूषण का रूप ले लेती है, जो शारीरिक एवं मानसिक दृष्टि से हानिकारक होती है। मौन रहने में ही सुख एवं सुख मय जीवन है।

एआई आधारित टेक कंपनियों की नजर भारत पर

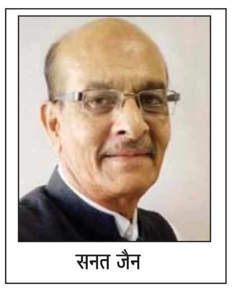

सनत जैन

भारत के प्रधानमंत्री अमेरिका की यात्रा पर गए थे। न्यूयॉर्क के मैसाचुसेट्स इंस्टीट्यूट आफ टेक्नोलॉजी की ओर से गोलमेज सम्मेलन आयोजित किया गया था। इसमें अमेरिका की 15 टेक कंपनियों के सीईओ ने भाग लिया। सभी कंपनियों का फोकस प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के ऊपर था। भविष्य में एआई तकनीकी पर आधारित सेवाओं पर टेक कंपनियों को अरबों खरबों रुपए की कमाई भारत से होने जा रही है। इसको लेकर विश्व भर की सभी टेक कंपनियां भारत के साथ अपने व्यापार और व्यवसाय को बढ़ाने के लिए सरकार पर दबाव बना रही हैं। एआई रिसर्च के मामले में चीन अभी सबसे आगे है। दूसरे स्थान पर अमेरिका है। भारत का नंबर तीसरा है। अमेरिका की कंपनियां एआई तकनीकी के माध्यम से भारत में अपना व्यवसाय बढ़ाने के लिए प्रयासरत हैं। भारत की आबादी, भारत की सबसे बड़ी पूंजी है। अभी एआई तकनीकी का काम ठीक तरह से शुरू भी नहीं हुआ है। इसके बाद भी हर माह अरबो रुपए की कमाई विदेशी कंपनियां भारत से कर रही। चैट जीपीटी और गूगल के कई टूल्स भारत में विभिन्न कंपनियों द्वारा मासिक सब्सक्रिप्शन के आधार पर उपलब्ध कराए जा रहे हैं। 1500 रुपए से लेकर ढाई हजार रुपए तक के विभिन्न किस्म के सब्सक्रिप्शन देकर प्रतिमाह अरबों रुपए की कमाई विदेशी कंपनियां करने लगी हैं। एआई तकनीकी अभी प्रारंभिक दौर में है। अगले कुछ ही वर्षों में सभी क्षेत्रों में एआई तकनीकी का उपयोग बड़े पैमाने पर जब होना शुरू हो जाएगा। उस समय टेक कंपनियों के लिए भारत सबसे बड़ा बाजार होगा। गूगल और एनवीडीया सहित कई बड़ी-बड़ी दिग्गज कंपनियां भारत सरकार के विकास की तारीफ करते हुए भारत में अपने व्यवसाय को बढ़ाने की हर संभव कोशिश कर रही हैं। प्रधानमंत्री की अमेरिका यात्रा के दौरान वहां की टेक कंपनियों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ अपनी नजदीकियां बढ़ाने के लिए हर संभव प्रयास की हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी कंपनियों से कहा है, अगले दो वर्षों में एआई तकनीकी के 85000 से अधिक इंजीनियर और टेक्नीशियन को भारत तैयार करना चाहता हैं। भारत सरकार अनुसंधान और विकास के मामले में भी सहयोग करने के लिए तैयार है। भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अमेरिका यात्रा में टेक कंपनियों के गोलमेज सम्मेलन में भारत में ज्यादा निवेश करने का भरोसा टेक कंपनियों ने दिया हैं। भारत में अभी एआई तकनीकि और सेवाओं को लेकर कोई कानून तैयार नहीं हुए हैं। संयुक्त राष्ट्र संघ एआई तकनीकी को लेकर नियम और कानून बनाने पर विचार विमर्श कर रही है। अभी एआई तकनीकि शुरूआती दौर में हैं। भारत में जिस तरह से ऑनलाइन सेवाओं का विस्तार पिछले वर्षों में हुआ है। मोबाइल और इंटरनेट की कनेक्टिविटी जिस तरह से भारत में बढ़ी है। उसके कारण दुनिया भर की टेक कंपनियां, यह मानकर चल रही है। एआई तकनीकी आधारित सेवाओं के शुरू होने पर भारत दुनिया का सबसे बड़ा बाजार होगा। इसलिए बड़ी-बड़ी कंपनियां भारत मैं बड़े पैमाने पर निवेश करने के लिए प्रयासरत हैं। दुनिया में जिस तरह से आर्थिक मंदी की आहट देखने को मिल रही है। एआई तकनीकी आने के बाद बेरोजगारी और भी बढ़ने की बात कहीं जा रही है। मानवीय सेवाओं का स्थान अब रोबोट और इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों की सहायता से होने पर, बेरोजगारी बढ़ना तय है। भारत की युवा आबादी सबसे ज्यादा है। भारत में बेरोजगारी की दर भी दुनिया में सबसे ज्यादा है। ऐसी स्थिति में एआई तकनीकी के फायदे भारत को कम और विदेशी कंपनियों को आर्थिक लाभ ज्यादा होंगे। भारत अपनी बेरोजगारी की समस्या से किस तरह से निपटेगा। इसका कोई उपाय भारत सरकार ने नहीं सोचा है। विदेशी कंपनियों के दबाव में भारत सरकार को ऐसा लग रहा है। एआई तकनीकी का उपयोग बढ़ने से भारत का तेजी के साथ विकास होगा। आर्थिक विशेषज्ञों के अनुसार ऐसा होना संभव नहीं है। शुरूआती दौर में ही जिस तरह टेक कंपनियों द्वारा मनमाना सब्सक्रिप्शन वसूल किया जा रहा है। उससे टेक कंपनियों को आर्थिक रूप से बहुत बड़ा फायदा होगा। भारत में एआई तकनीकी को सीखने और उपयोग में लाने से हर माह अरबो रुपए भारतीय उपभोक्ता खर्च कर रहे हैं। भारतीय युवा एआई तकनीकी पर निर्भर होने के कारण मानसिक दुष्प्रभाव भी आगे चलकर देखने को मिलेंगे। भारत सरकार को बड़ी गंभीरता के साथ इस मामले में निर्णय करना होगा। विदेशी निवेश और टेक कंपनियों के ऊपर भरोसा करने के पहले एआई तकनीकी के प्रभाव और दुष्प्रभाव पर भी सरकार को गंभीरता से विचार करना चाहिए। टेक कंपनियां अपना एकाधिकार ना बना पाएं, इसके लिए भी सरकार को समय रहते हुए पहले नियम और कानून तैयार करने होंगे। वैश्विक स्तर पर जिस तरह से युद्ध के बादल मंडरा रहे हैं। हाल ही में लेबनान और अन्य देशों में जिस तरह से पेजर, मोबाइल फोन और कंप्यूटर में विस्फोट किए गए हैं। यह भी तकनीकी का कमाल है। पेजर जो ऑनलाइन जुड़े हुए भी नहीं थे। उसके बाद भी बड़े पैमाने पर सुनयोजित रूप से विस्फोट कराकर युद्ध के रूप में तकनीकी का सहारा लिया गया है। इस तरह की स्थितियों से बचने के लिए भी भारत सरकार को गंभीरता से विचार करने की जरूरत है।

जलवायु बदलावः आघात से आहत होती सड़के

वीरेन्द्र कुमार पैन्यूली

इस समय एक ध्यान देने की बात यह है कि उत्तराखंड, हिमाचल व जम्मू-कश्मीर में अधिकांश राजमार्ग जो बाधित हैं या धंस रहे हैं अथवा जिन पर खण्ड-खण्ड हो भूखण्ड गिर जाते हैं उनमें व सड़कें भी हैं जिन्हें बारहमासी चालू रखना इसलिए भी आवश्यक हो जाता है क्योंकि वे सीमांतों को छूती हैं। इनका 'ऑल वेदर रोड' यानी बारहमासी सडक्ष्क होना अपेक्षित है। निस्संदेह बनाई भी वे इसी लक्ष्य से बनाई गई होंगी। मौसमी आपदाओं को झेलने में समर्थ सड़कें आपदाओं में राहत, पुनर्वास व पुनर्निमाण कार्यों को भी आसान कर देती हैं। वैसे हर कोई चाहता है कि उसके आवागमन की राह चाहे वे पगडंडियां ही हों बारहमासी हों। समय असमय की चुनौतियों पर खरी उतरती रहीं पगडंडियां इसकी साक्षी हैं। आज की आल वेदर रोड या हर मौसम में खरी उतरने वाली सड़कों की चाहत भी उसी क्रम में है।

संयुक्त राष्ट्र संघ सतत विकास 2030 के लक्ष्यों (एसडीजी) में भी सड़क परिवहन व उससे जुड़े इनफ्रास्ट्रक्चर्स को महत्त्वपूर्ण मानते हुए सड़क परिवहन तथा पुल सड़कों जैसे इनफ्रास्ट्रक्चरों को जलवायु बदलाव के कुप्रभावों से बचाने और उनके अनुकूलन पर काम करने का आह्वान भी किया गया है, जिससे जलवायु बदलाव के आघात से सड़कें कम आहत हों। धरा का बढ़ता तापमान सड़कों पर भी असर डाल रहा है। गरम होती धरा में पिघलते ग्लेशियरों के साथ पिघलती सड़कों पर भी सचेत किया जा रहा है। यह सामयिक भी है। विश्व में अधिकांश पक्की सड़कें जो कोलतार से ही बनतीं रहीं हैं तेज गर्मी में पिघलने लगती हैं। उधर ध्रुवीय प्रदेशों व सदैव बर्फ से ढके रहने वाले क्षेत्रों में जहां वाहन परिचालन बर्फ की सड़कों पर होता है बढ़ते तापक्रम में बर्फ की सड़कें गलने लगती हैं। बारहमासी सड़कों की राह में कई चुनौतियां भी हैं। अति की गर्मी, अति की ठंड़, अति की बरसात के साथ जहां बरसात नहीं होती थी वहां बरसात होने लगी है। अतः सड़कों को बारहमासी बनाने के डिजाइन और सामग्री चयन में भी अनिचितता आ गई है। जलवायु बदलाव के हंगामे के बीच पहले की बनी सड़कों के आसपास का भी मौसम वैसा नहीं रह गया है जैसा उनके बनने के समय था। अतः पहले से बनीं सड़कों को भी ऑल वेदर रोड बनाने के लिए उसी तरह काम किए जाने की जरूरत है। जैसे हम उन भवनों को जो भूकम्प अवरोधी नहीं हैं; रिट्रोफिटिंग कर भूकम्प सहने लायक बनाते हैं। बारहमासी सड़कों के पुलों को भी बारहमासी होना है। बाढ़, नींव कटाव, पुलों के नजदीक अवैद्य खनन के अलावा जलवायु बदलाव के दौर में पुल के संदर्भ में एक अन्य तरह की चुनौती भी आ रही है। चूंकि नदियां अपनी राह बदल रहीं हैं इसलिए कई बार पुल निष्प्रयोजन भी हो रहे हैं। सच्चाई यह भी है कि हर मौसम पर खरी रहने वाली सडक्ष्क भी हर मौसम में यातायात की गारंटी नहीं हो सकती है। सड़कें भले ही मौसमी मार झेल ले उनका कुछ न बिगड़े परंतु विपरीत मौसम की मार वाहन या यात्री झेलने में असमर्थ रहते हैं। उन्हें आगे न बढ़ने की चेतावनियां भी देनी पड़ती है। उदाहरण के लिए आयरलैंड में वाहन चालकों को तेज हवाओं की चेतावनी देते हुए सीमित गति रखने को कहा जाता है। समुद्रों के पास जो सड़कें हैं उनमें तूफानी हवाओं और लहरों में यातायात न जारी रखने की चेतावनियां दी जाती हैं। इसी प्रकार सुरंगों के मुहानों पर बर्फ जम जाती है तो सुरंगों का तो कोई नुकसान नहीं होता है किंतु यातायात बाधित हो जाता है। वैज्ञानिक राय है कि बारहमासी सड़कों के बगल से या भीतर से जो गैस पाइपें, सीवर लाइनें, बिजली की तारें पानी की पाइपें आदि गुजरती है या गुजरेंगी जलवायु बदलाव के बीच गिरते बढ़ते तापक्रम में वे कैसी प्रतिक्रियाएं पैदा करती हैं उनका भी असर निर्माण सामग्री चयन के दौरान संज्ञान में रखा जाना चाहिए। सतत विकास व जलवायु बदलाव के प्रत्युत्तर में सड़क इक्कीसवीं सदी में बनाई जा रहीं हो तो इन बातों पर भी ध्यान दिया जाना आपेक्षित है कि उनसे जलवायु बदलाव से जुड़ी समस्याएं और न बढ़ें, जैव विविधता पर संकट न आए और लोगों के स्वास्थ्य पर प्रतिकूल असर न पड़े।

प्राकृतिक संसाधनों का कम-से-कम उपयोग हो पर्यावरण हानि कम से कम हो। शोर कम हो। ईंधन की खपत कम हो आदि। विडंबना है कि जलवायु बदलाव अनुकूलन के प्रत्युत्त स्वरूप जो बारहमासी सड़के बनाई जा रहीं हैं आपेक्षित रूप से ग्रीन रोड होने के बजाय उनके निर्माण में कतिपय संवेदनशील क्षेत्रों में भी हजारों पेड़ काट दिए जाते हैं। भूमिगत जलस्त्रोत प्रणालियां ध्वस्त की जाती हैं। हजारों टन मलबा नदियों में डाल दिया जाता है। जैवविविधता के प्रति भी संवेदनशीलता नहीं बरती जाती है व निर्माण के दौरान कम-से-कम कार्बन उत्सर्जन करने वाले ईंधन पर ध्यान नहीं दिया जाता है। वास्तव में आल वेदर रोड से ज्यादा जरूरी आल टाइम उपयोग की सड़कों पर काम करने की जरूरत है। सड़कों पर पर्याप्त रोशनी के लक्ष्यों पर तो अभी बात ही नहीं हो रही है। राजनैतिक कारणों से कमजोर भूगर्भीय संरचनाओं पर सड़कों के बनाने के दबाव से भी उबरने की जरूरत है।

स्वामी, प्रकाशक और मुद्रक डा0 सरवर जमाल ने आर0 डी0 प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स प्रा0 लि0 प्लाट नं0 16-17 पाटलिपुत्रा इंडस्ट्रीयल एरिया, रोड नं0 झ्र 09 पटना झ्र 800013 से छपवाकर कार्यालय 203 बी, ब्लाक रंजीत रेसीडेंसीज, साकेतपुरी, मछली गली, राजा बाजार पटना- 800014 से प्रकाशित किया ।सम्पादक: श्रीमती शबाना प्रवीन पी0 आर0 बी0 एक्ट के तहत खबरों की जिम्मेवारे मैनेजिंग एडिटर: डा0 राजीव कुमार, स्थानीय सम्पादक: डा0 नूतन कुमारी, उप सम्पादक: तबस्सुम नवाज PRGI NO:- BIHHIN/2023/86924 E-mail- Newsindogulf730@gmail.com,Mob-9472871824/8544031786 समस्त विवादों का निवारण पटना न्यायालय के अधीन ही होंगे।

मर्डर मिस्ट्री सीरीज हनीमून फोटोग्राफर का ट्रेलर जारी

मर्डर मिस्ट्री सीरीज हनीमून फोटोग्राफर का ट्रेलर जारी कर दिया है। आशा नेगी अभिनीत इस फिल्म का ट्रेलर एक हनीमून गेटअवे के बारे में है, जो उस समय अराजकता में बदल जाता है जब दूल्हा समुद्र तट पर मृत पाया जाता है। छह-एपिसोड की श्रृंखला में आशा को अंबिका नाथ की भूमिका निभाते हुए दिखाया गया है, जो अधीर ईरानी (साहिल सलाथिया) और जोया ईरानी (अपेक्षा पोरवाल) के लिए एक हनीमून फोटोग्राफर हैं। यह यात्रा जल्दी ही एक बुरे सपने में बदल जाती है, जब अधीर समुद्र तट पर मृत पाया जाता है। अंबिका को पिछली रात की कोई याद नहीं है और अपने साथी रिहान (राजीव सिद्धार्थ) के लापता होने के कारण वह खुद को इस हत्या में मुख्य संदिग्ध पाती है। अंबिका का एकमात्र सहयोगी एल्विन (जेसन थाम) है, जो उसका दोस्त है और उसे निर्दोष साबित करने पर तुला हुआ है। अपने खुद के एजेंडे से प्रेरित होकर, पुलिसकर्मी दिव्या सावंत (संवेदना सुवालका) जांच का नेतृत्व करती है। आशा ने कहा, अपने करियर में मैंने कई भूमिकाएं निभाई हैं, लेकिन उनमें से ज़्यादातर रोमांटिक और पारिवारिक रही हैं। मैंने हनीमून फ़ोटोग्राफर को एक ताजी हवा के झोंके के रूप में देखा, क्योंकि शो का आधार शीर्षक से आप जो अनुमान लगाते हैं, उससे बहुत अलग है। अंबिका एक बहुत ही बहुस्तरीय चरित्र है और जैसे-जैसे आप आगे बढ़ते हैं, आप वास्तव में उसे विकसित होते हुए देखते हैं। इस किरदार ने मुझे वाकई चौंका दिया। शो का अपना रोमांच है, जिसमें बिल्ली और चूहे का पीछा करना और हर किरदार अपने-अपने कारणों से विजयी होने की कोशिश करना शामिल है। यह बहुत रोमांचक है और मैं चाहती हूं कि दर्शक इसे देखने का उतना ही आनंद लें, जितना मुझे इस तरह की कहानी का हिस्सा बनने में आया। शो में राजीव सिद्धार्थ और अपेक्षा पोरवाल भी हैं।

करीना कपूर की हिरोइन में डायलॉग डिलीवरी कमाल की

बालीवुड फिल्म हिरोइन की डायलॉग डिलीवरी कमाल की है। फिल्म में करीना कपूर खान प्रमुख भूमिका में है। करीना किसी पहचान की मोहताज नहीं हैं। इनकी पर्सनल और पब्लिक लाइफ में सबको इंटरेस्ट भी है और ये उसे छुपाने में भी यकीन नहीं रखतीं। हिंदी सिनेमा में 25 साल पूरे कर चुकी हैं और इसका जश्न भी मनाया जा रहा है उन फिल्मों के जरिए जिसने इन्हें नई पहचान दी तो दर्शकों को कपूर फैमिली के एक और टैलेंट से मुलाकात कराई। करीना ने अपने करियर की शुरुआत रिफ्यूजी से की। करियर की शुरुआत के लिए ऑफबीट फिल्म कही जा सकती है लेकिन फिर करीना तो करीना हैं। 2000 में आई रिफ्यूजी के गाने हिट रहे, एक खास वर्ग को पसंद भी आई लेकिन बॉक्स ऑफिस पर धमाल नहीं मचा पाई। द ग्रेट शोमैन की पोती और रणधीर कपूर-बबीता की छोटी बेटी बेबो 21 सितंबर को अपना 44वां जन्मदिन मना रही हैं। बेबो ने कई फिल्में की कुछ हिट तो कुछ फ्लॉप लेकिन कुछ कैरेक्टर्स ऐसे जो दिमाग में छप गए। जैसे कभी खुशी कभी गम की पू। जिसमें एटीट्यूड है तो साफगोई भी। तेज तर्रार तो है लेकिन इमोशनल भी। काजोल की छोटी बहन पूजा शर्मा के रोल में दिखी करीना का डायलॉग कि कौन है जिसने पू को मुड़ कर नहीं देखा- सालों बाद भी अगर जेहन में ताजा है तो अदायगी को 100 फीसदी नंबर दिए जाने चाहिए। चमेली का- ये बोलता है हाथ मत लगाओ, दुनिया हाथ लगाने के लिए पैसा देती है! हो या फिर ऐतराज का- हमेशा मर्द ही गलत नहीं होता, औरत भी गलत हो सकती है। महिला सशक्तिकरण को सही मायने में परिभाषित करता है। करीना का नाम विवादों से भी जुड़ा। सबसे ज्यादा अपने रिलेशनशिप को लेकर। अपने से 10 साल बड़े सैफ अली खान से शादी को लेकर भी बवाल मचा तो बच्चों के नाम तैमूर और जहांगीर रखने पर भी खूब हल्ला हुआ। लेकिन करीना का ये डायलॉग कि मैं अपनी फेवरेट खुद हूं इन सवालों को जवाब देने में माहिर है। बेबो अपनी सोशल लाइफ को लेकर भी काफी सुर्खियों में बनी रहती हैं। बिग स्क्रीन के अलावा छोटे पर्दे पर कई टॉक शो में भी दिखीं तो ओटीटी पर जाने जान से डेब्यू किया। करीना की ही हिट फिल्म ओमकारा का डायलॉग है जो उनको बखूबी डिफाइन करता है- चाँद जब आधा हो जावे है ना, तो भी चाँद ही कहलावे है। अच्छी बात ये है कि करीना उम्र के हिसाब से खुद को ढाल रही हैं। 16 साल की लड़की की तरह पेड़ों के पीछे नहीं भाग रहीं बल्कि कैरेक्टर्स ऐसे चुन रही हैं जो उनकी उम्र से मेल खाते हैं। बर्किंघम मर्डर्स को लेकर भी चर्चा में हैं। क्राइम थ्रिलर का निर्माण भी करीना कपूर ने किया है। फिल्म को उम्मीद के हिसाब से सफलता नहीं मिली लेकिन इस बार भी एक्टिंग की लोग दाद दे रहे हैं।

रवीना ने चढ़ा दिया सोशल मीडिया का पारा, शेयर की फोटोज

अपने लंदन यात्रा की फोटो शेयर करके अभिनेत्री रवीना टंडन ने सोशल मीडिया का पारा चढ़ा दिया है। इस पोस्ट में वह दोस्तों और परिवार के सदस्यों के साथ इंजॉय करती दिख रही हैं। फोटोज में अभिनेता संजय कपूर भी उनके साथ दिख रहे हैं। साथ ही इन तस्वीरों में अद्भुत लंदन शहर भी दिख रहा है। उन्होंने यह तस्वीरें अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर शेयर कीं। तस्वीरों में वह सफेद शर्ट और हरे रंग की स्कर्ट में बेहद खूबसूरत लग रही हैं, साथ ही उन्होंने लाइट मेकअप भी किया हुआ है। अभिनेत्री के इंस्टाग्राम पर 8.5 मिलियन फॉलोअर्स हैं। इस पोस्ट में उनके साथ उनकी बेटी राशा और बेटा रणबीर वर्धन भी दिख रहे हैं। राशा मिनी ड्रेस और स्टाइलिश काले कोट में सबका ध्यान अपनी ओर खींच रही हैं। अभिनेता संजय कपूर और उनके बेटे जहान भी इस पोस्ट को मेमोरेबल बना रहे हैं। रवीना ने अपने इस पोस्ट में लंदन डायरीज और फ्रेंड्स लाइक फैमिली हैशटैग के साथ कैप्शन दिया, 'जस्ट बी...। बता दें कि रवीना टंडन फिल्म वितरक अनिल थडानी की पत्नी हैं। 1995 में उन्होंने पूजा और छाया नामक दो लड़कियों को शादी से पहले गोद लिया था। रवीना मशहूर निर्देशक रवि टंडन की बेटी हैं। उन्होंने अपने करियर की शुरुआत 1991 में एक्शन फिल्म पत्थर के फूल की थी। इसके बाद उन्होंने दिलवाले, खिलाड़ियों का खिलाड़ी, जिद्दी, लाडला, बड़े मियां छोटे मियां, दुल्हे राजा और अनाड़ी नंबर 1 जैसी हिट फिल्मों में काम किया। हाल ही में उन्होंने कन्नड़ फिल्म 'केजीएफ- चैप्टर 2' में काम किया है, जिसे प्रशांत नील ने लिखा और निर्देशित किया है। इस फिल्म का निर्माण विजय किरागंदूर ने होम्बले फिल्म्स के बैनर तले किया। इस फिल्म में यश, संजय दत्त, श्रीनिधि शेट्टी, प्रकाश राज जैसे कलाकारों ने काम किया था। इसके अलावा हाल ही में उन्होंने विवेक बुडाकोटी द्वारा निर्देशित और अरबाज खान द्वारा निर्मित कानूनी ड्रामा फिल्म 'पटना शुक्ला' में भी अभिनय किया है।

आइफा 2024 में अपने बेहतरीन प्रदर्शन के लिए उत्सुक हूं: नोरा फतेही

अंतरराष्ट्रीय भारतीय फिल्म अकादमी पुरस्कार (आइफा) के 24वें संस्करण में अभिनेत्री नोरा फतेही धमाकेदार प्रस्तुति देने के लिए तैयार हैं। एक्ट्रेस ने कहा कि वह अपने सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के लिए उत्सुक हैं। एक्ट्रेस ने कहा, आइफा वीकेंड में प्रस्तुति देना मेरे लिए सम्मान की बात है। भारतीय सिनेमा का जश्न, दर्शकों की भारी भीड़, और एक से बढ़कर एक प्रदर्शन इसे अविस्मरणीय बनाता है। मैं अबू धाबी के यास द्वीप पर मंच पर अपने प्रदर्शन का इंतजार नहीं कर सकती। उन्होंने प्रशंसकों को चेतावनी देते हुए कहा, तैयार हो जाइए, क्योंकि यह अनुभव शानदार होने वाला है। प्रशंसकों को एक अद्भुत ट्रीट मिलेगी, जिसे वे कभी नहीं भूलेंगे। 32 वर्षीय नोरा फतेही ने अपनी करियर की शुरुआत हिंदी फिल्म रोअर- टाइगर्स ऑफ द सुंदरबन से की थी। इसके बाद उन्होंने टेम्पर, बाहुबली- द बिगिनिंग, और किक 2 जैसी तेलुगु फिल्मों में विशेष भूमिकाएँ निभाईं। उन्होंने सलमान खान द्वारा होस्ट किए गए विवादास्पद रियलिटी शो बिग बॉस में भी भाग लिया था।

नोरा ने दिलबर, गर्मी, साकी साकी, कुसु कुसु, जेडा नशा, एक तो कम ज़िंदगानी, पछताओगे, और माणिके जैसे आइटम सॉन्ग्स में अपने डांस से अपार लोकप्रियता हासिल की है। उन्हें हाल ही में विद्युत जामवाल की क्रैक और कुणाल खेमू की मडगांव एक्सप्रेस में देखा गया, जिसमें दिव्येंदु, प्रतीक गांधी, अविनाश तिवारी, उपेंद्र लिमये और छाया कदम भी शामिल हैं। नोरा अगली बार मटका में नजर आएंगी, जो 1958 से 1982 के बीच की पृष्ठभूमि पर आधारित है और मटका जुआ घोटालों पर केंद्रित है।

ऐश्वर्या राय ने पेरिस फैशन वीक में बिखेरा जलवा

बॉलीवुड स्टार एवं पूर्व विश्वसुंदरी ऐश्वर्या राय बच्चन ने पेरिस फैशन वीक में जलवा बिखेर दिया। पेरिस फैशन वीक में ऐश्वर्या राय, सौंदर्य की दिग्गज कंपनी लोरियल के अम्बेस्डर के रूप में उपस्थित हुईं। बैलून हेम रेड ड्रेस पहने, ऐश्वर्या ने अपने आकर्षक लुक से एक बार फिर साबित कर दिया कि उन्हें 'रैंप की रानी' क्यों कहा जाता है। ऐश्वर्या ने बहुत ही लाइट मेकअप के साथ बालों को खुला रखा और बोल्ड रेड लिप शेड के साथ अपने लुक में चार चांद लगा दिए। वह लोरियल पेरिस का प्रतिनिधित्व करते हुए बेहद आत्मविश्वास और शालीनता के साथ रनवे पर चलीं। उन्होंने वॉक के बाद अपनी भारतीय परंपरा को बरक़रार रखते हुये फ्रांसीसी दर्शकों का अभिवादन 'नमस्ते' के साथ किया। ऐश्वर्या राय बच्चन ने पेरिस फैशन वीक 2024 में शानदार एंट्री की, और लोरियल पेरिस के लिए रनवे पर बिल्कुल आइकॉनिक स्टाइल में वॉक किया। ऐश्वर्या ने अपने हॉट लुक से महफिल लूट ली। 'पेरिस फैशन वीक 2024' में ऐश्वर्या की बेटी आराध्या भी नजर आईं।

तापसी पन्नू ने 'दिवा एनर्जी' के बारे में की खुलकर बात

'दिवा एनर्जी' के बारे में बात करते हुए बॉलीवुड अभिनेत्री तापसी ने इसका मतलब समझाते हुए कहा है कि यह अपने आप पर गर्व करना और बिना किसी शर्म के अपनी पहचान को दुनिया के सामने पेश करना है। तापसी ने इंस्टाग्राम पर एक तस्वीर शेयर की। पोस्ट को कैप्शन देते हुए तापसी ने लिखा, दिवा एनर्जी- बोल्ड मूव्स, बड़े सपने और बेबाकी से खुद को पेश करना। इस महीने की शुरुआत में ऐसी खबरें सामने आई थी कि अभिनेत्री एक बार फिर एक्शन थ्रिलर गांधारी के लिए लेखिका कनिका ढिल्लों के साथ हाथ मिला रही हैं, जिसका निर्देशन देवाशीष मखीजा करेंगे, जिन्होंने जोरम बनाई थी। फिल्म की कहानी दृढ़ संकल्प और गहन व्यक्तिगत दांवों से भरी है, जो मनोरंजक रहस्य और उच्च स्तरीय एक्शन की पृष्ठभूमि पर आधारित है। स्ट्रीमिंग दिग्गज नेटफिलक्स के अनुसार दर्शक तापसी पन्नू को एक मिशन पर निकली एक उग्र मां के रूप में देखेंगे। अनुराग कश्यप की 'मनमर्जियां', 'हसीन दिलरुबा' और इसके सीक्वल 'फिर आई हसीन दिलरुबा', 'रश्मि रॉकेट' और राजकुमार हिरानी निर्देशित हिट 'डंकी' के बाद, 'गांधारी' तापसी और ढिल्लों की साझेदारी का छठा उदाहरण है। तापसी को पिछली बार अक्षय कुमार, वाणी कपूर, एमी विर्क और फरदीन खान अभिनीत 'खेल खेल में' में देखा गया था। यह फिल्म जोड़ों के बीच एक गेम नाइट के बारे में थी, जो एक-दूसरे के सामने अपने रहस्य कबूल करते हैं। वह जयप्रद देसाई के निर्देशन में बनी 'फिर आई हसीन दिलरुबा' में भी नजर आईं, इसमें अभिनेता विक्रांत मैसी और सनी कौशल भी हैं। तापसी और विक्रांत ने रानी और रिशु के अपने किरदारों को फिर से निभाया है। फिल्म रानी और रिशु के किरदारों पर आधारित है। इसमें दिखाया गया है कि वह एक बार फिर रोमांच के साथ बाधाओं को पार करते हैं। इस फिल्म का पहला पार्ट हसीन दिलरुबा था, जिसे 2021 में रिलीज किया गया था।

द नाइट मैनेजर एमी अवॉर्ड्स 2024 में नॉमिनेट

बीते साल 2023 में ओटीटी सीरीज द नाइट मैनेजर हॉटस्टार पर रिलीज हुई थी। अनिल कपूर और आदित्य रॉय कपूर स्टारर इस सीरीज को लोगों ने काफी पसंद किया था। अब इस सीरीज को इंटरनेशनल एमी अवॉर्ड्स 2024 में नॉमिनेट किया गया है।

यह सीरीज डिज्नी प्लस हॉटस्टार पर प्रसारित की गई थी। फिल्म में अनिल कपूर और आदित्य कपूर के साथ शोभिता धूलिपाला, तिलोत्मा शोमे, शाश्वत चटर्जी और जगदीश राजपुरोहित नजर आए थे। हॉटस्टार की ये सीरीज ब्रिटिश टीवी शो से इंस्पायर है जिसे संदीप मोदी और श्रीधर राघवन ने बनाया है। इस सीरीज की कहानी ब्रिटिश उपन्यास जॉन ले कारे और टीवी शो द नाइट मैनेजर से इंस्पायर्ड है। इस सीरीज में अनिल कपूर और आदित्य रॉय कपूर को दर्शकों ने काफी पसंद किया था। द इंटरनेशनल अकादमी ऑफ टेलिविजन आर्ट्स एंड साइंस के सीईओ ब्रूस एल पेसनर ने इसकी घोषणा कर दी है। ये सीरीज भारत की तरफ से नॉमिनेट की गई है। ये सीरीज अब दूसरे देशों की कहानियों के साथ कॉम्पटीशन करेगी। अब देखना होगा कि क्या ये सीरीज एमी अवॉर्ड्स अपने नाम कर पाती है या नहीं। बॉलीवुड की कई फिल्मों में काम करने के बाद वीर दास ने हॉलीवुड की दुनिया में एक खास पहचान बना ली है। वीर दास इस सीरीज को होस्ट करते नजर आएंगे। ये सीरीज हॉटस्टार पर देखी जा सकती है। आईएमडीबी पर इस सीरीज की रेटिंग 10 में 7.6 है। बता दें कि पूरी दुनिया में अपनी स्टैंडअप कॉमेडी का जलवा बिखेरने वाले कॉमेडियन वीर दास इस अवॉर्ड शो को होस्ट करने वाले हैं। वीर दास बीते साल ये अवॉर्ड भी जीत चुके हैं। एक्टर, कॉमेडियन और डायरेक्टर वीर दास इस शो में होस्टिंग करते नजर आएंगे। वीर दास एक इंटरनेशनल हिट सेलिब्रिटी हैं।

भारत/बांग्लादेश: दूसरे टेस्ट के लिए कानपुर पहुंची भारतीय टीम

कानपुर (एजेंसी)। बांग्लादेश के खिलाफ 27 सितंबर से शुरु होने वाले श्रृखंला के दूसरे और आखिरी टेस्ट मैच के लिए भारतीय टीम के सदस्य मंगलवार को कानपुर पहुंचे। भारतीय टीम के सदस्य टुकड़ियों में यहां पहुंचे। सबसे पहले चकेरी हवाई अड्डे से भारतीय कोच गौतम गंभीर और विराट कोहली बाहर निकले जबकि कुछ देर बाद शुभमन गिल,रोहित शर्मा को औद्योगिक नगरी में आगमन हुआ। बाद में विकेटकीपर बल्लेबाज रिषभ पंत भी कानपुर पहुंच गए।

बांग्लादेश की टीम के देर शाम तक यहां पहुंचने की संभावना है। दोनो टीमे बुधवार से ऐतिहासिक ग्रीन पार्क स्टेडियम पर बारी बारी से अभ्यास करेंगी। दोनो टीमों को शहर के एकमात्र तीन सितारा होटल लैंडमार्क में ठहराया गया है। टीमों के अभ्यास के शेड्यूल जारी होना बाकी है। हालांकि सूत्रों का दावा है कि सुबह के सत्र में मेहमान बांग्लादेश की टीम ग्रीनपार्क में नेट प्रैक्टिस करेगी जबकि शाम को भारतीय टीम अभ्यास सत्र में हिस्सा लेगी।

अरसे बाद ग्रीनपाक पर टेस्ट मैच के आयोजन को लेकर कानपुर के क्रिकेट प्रेमियों में गजब का उत्साह देखा जा रहा है। अपने पसंदीदा क्रिकेट सितारों की एक झलक पाने के लिये क्रिकेट प्रशंसकों की भीड़ होटल के बाहर दोपहर से ही जम गयी। सुरक्षा के लिहाज से हालांकि पुलिस प्रशंसकों को धकियाते दिखायी दी। होटल में क्रिकेट सितारों का स्वागत तिलक लगा कर किया गया।

गौरतलब है कि बांग्लादेश के खिलाफ सीरीज में 1-0 की अपराजेय बढ़त हासिल कर चुकी भारतीय टीम के लिये आईसीसी टेस्ट क्रिकेट चैंपियनशिप में अपनी रैंकिंग को मजबूत करने का कानपुर में भरपूर मौका होगा।

भारत/बांग्लादेश मैच पर मंडराया खतरा, ग्वालियर में मुकाबले से पहले हिंदू महासभा का बड़ा ऐलान

कानपुर (एजेंसी)। बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार के विरोध में हिंदू महासभा ने अगले महीने ग्वालियर में होने वाले भारत-बांग्लादेश क्रिकेट मैच का विरोध करने के लिए 6 अक्टूबर को मध्य प्रदेश के ग्वालियर में बंद का आह्वान किया है। 6 अक्टूबर को ग्वालियर में भारत और बांग्लादेश के बीच टी20 मैच होना है।

ग्वालियर में पत्रकारों से बात करते हुए हिंदू महासभा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष जयवीर भारद्वाज ने कहा कि हिंदू महासभा 6 अक्टूबर को ग्वालियर में होने वाले भारत-बांग्लादेश मैच का विरोध कर रही है। उन्होंने दावा किया कि बांग्लादेश में हिंदुओं पर 'अत्याचार' अभी भी जारी है और बांग्लादेश के साथ क्रिकेट खेलना सही नहीं है। उन्होंने कहा, 'हिंदू महासभा ने मैच के दिन 'ग्वालियर बंद' का आह्वान किया है और आवश्यक वस्तुओं पर कोई प्रतिबंध नहीं होगा।' भारद्वाज ने यह भी मांग की कि तिरुपति बालाजी मंदिर में लड्डुओं में 'मिलावट' करने वालों को मृत्युदंड दिया जाना चाहिए। उन्होंने कहा, 'अयोध्या में राम मंदिर के अभिषेक समारोह के दौरान भी ये लड्डू बांटे गए थे। इस घटना (लड्डू विवाद) ने हिंदुओं की भावनाओं को ठेस पहुंचाई है।' गौर हो कि भारतीय टीम इस समय दो मैचों की टेस्ट सीरीज में पहला मैच जीतकर 1-0 से आगे है। दूसरा टेस्ट 27 अक्तूबर से कानपुर में खेला जाएगा। इसके बाद तीन मैचों की वनडे सीरीज 6, 9 और 12 अक्तूबर को होगी जिसके मैच क्रमशः ग्वालियर, दिल्ली और हैदराबाद में खेले जाएंगे।

द्रविड़ का रवैया काफी सख्त था, गंभीर शांत हैं : अश्विन ने किया खुलासा

चेन्नई (एजेंसी)। भारतीय टीम के सबसे उम्रदराज सदस्य रविचंद्रन अश्विन का मानना है कि गौतम गंभीर राहुल द्रविड़ की तुलना में अधिक शांत हैं, जिनकी कार्यशैली 'अनुशासित' थी। नवंबर 2021 से टीम इंडिया की कमान संभाल रहे द्रविड़ ने टी20 विश्व कप जीत के बाद इस जुलाई में पद छोड़ दिया और तब से उनकी जगह गौतम गंभीर को नियुक्त किया गया है।

अंतर बताते हुए अश्विन ने कहा कि गंभीर का दृष्टिकोण शांत है और ड्रेसिंग रूम में जीवंत माहौल बनाए रखने में मदद करता है, उन्होंने उन्हें 'रिलैक्स्ड रैंचो' कहा। अश्विन ने अपने यूट्यूब चैनल पर कहा, 'मुझे लगता है कि वह (गंभीर) बहुत शांत हैं। मैं उन्हें 'रिलैक्स्ड रैंचो' कहना चाहता हूं। उन पर बिल्कुल भी दबाव नहीं है। सुबह, टीम की बैठक होगी। वह इस बारे में भी बहुत शांत हैं। वह कहते हैं, 'क्या आप आ रहे हैं, कृपया आइए'; यह ऐसा ही है।'

द्रविड़ के मामले में अश्विन ने खुलासा किया कि उनका रवैया काफी सख्त और व्यवस्थित था। उन्होंने कहा, 'राहुल भाई के साथ, जैसे ही हम आते हैं, वह क्रम में खेलने की मांग करते हैं। यहां तक कि एक बोतल को भी एक खास समय पर एक खास जगह पर रखना चाहिए। वह बहुत अनुशासित हैं।'

अश्विन ने कहा, 'गंभीर के साथ, वह यह सब उम्मीद नहीं करते हैं। उनका क्रम बहुत सहज है और वह लोगों के दिलों में बसने वाले व्यक्ति हैं। वह सभी का दिल जीत लेंगे और मुझे लगता है कि लड़के उनसे प्यार करेंगे।' द्रविड़ ने पद से हटने से पहले भारत को टी20 विश्व कप में जीत दिलाई थी, वहीं गंभीर ने कोलकाता नाइट राइडर्स को अपने तीसरे इंडियन प्रीमियर लीग खिताब पर पहुंचाने के बाद कार्यभार संभाला, वह इस सीजन में ही अपनी पूर्व फ्रेंचाइजी के मेंटर के रूप में शामिल हुए थे। गंभीर अपने पहले टेस्ट मैच में भारतीय टीम का मार्गदर्शन कर रहे हैं, उन्होंने यहां बांग्लादेश के खिलाफ पहला टेस्ट मैच जीता था।

महिला टी20 विश्व कप से पहले हरमनप्रीत टीम की तैयारी से खुश

मुंबई (एजेंसी)। हरमनप्रीत कौर लंबे समय से खिताब के करीब पहुंचकर चूकने के अहसास से परेशान हैं लेकिन भारतीय कप्तान को लगता है कि उनकी टीम ने तीन से 20 अक्टूबर तक यूएई में होने वाले महिला टी20 विश्व कप में खिताब जीतने की दावेदारी पेश करने के लिए अच्छी तैयारी की है। वर्ष 2009 में टूर्नामेंट की शुरुआत के बाद से भारत केवल एक बार 2020 में फाइनल में पहुंचने में सफल रहा है और तब वे ऑस्ट्रेलिया से हार गए थे।

भारत 2017 में महिला एकदिवसीय विश्व कप फाइनल भी खेला और वहां भी उप विजेता रहा। हरमनप्रीत दोनों टीमों का हिस्सा रहीं और उन्होंने 2020 टी20 विश्व कप में टीम का नेतृत्व भी किया था। टी20 विश्व कप के लिए रवाना होने से पहले हरनमप्रीत ने कहा, 'यह सर्वश्रेष्ठ टीम है जिसके साथ हम आगे बढ़ रहे हैं। खिलाड़ी लंबे समय से एक साथ खेल रहे हैं। हम पिछली बार इतने करीब आ गए थे और सेमीफाइनल (2023) में हार गए। हमारी सभी विभागों में तैयारी काफी अच्छी है।'

जुलाई के अंत में एशिया कप के फाइनल में श्रीलंका के खिलाफ हार के बाद से भारतीय टीम को खेलने का मौका नहीं मिला है। टीम ने राष्ट्रीय क्रिकेट

अकादमी (एनसीए) में एक व्यापक तैयारी शिविर में हिस्सा लिया जहां खिलाड़ियों ने फिटनेस और क्षेत्ररक्षण में बहुत समय बिताया। ये ऐसे क्षेत्र हैं जहां टीम अतीत में कमजोर रही है। प्रेस कांफ्रेंस में मुख्य कोच अमोल मजूमदार और मुख्य चयनकर्ता नीतू डेविड भी मौजूद थे।

अब तक सभी टी20 विश्व कप में खेलने वाली हरमनप्रीत ने कहा, 'एशिया कप के दौरान हमने अच्छी क्रिकेट खेली, एक दिन चीजें योजना के अनुसार नहीं हुईं।' हरमनप्रीत ने अपने लगभग डेढ़ दशक के करियर में कई वैश्विक प्रतियोगिताओं में हिस्सा लिया लेकिन उन्हें लगता है कि वह अब भी अपनी पहली विश्व चैंपियनशिप की तरह ही उत्साहित हैं। उन्होंने कहा, 'मुझे पता है कि मैंने कई विश्व कप खेले हैं लेकिन मेरे अंदर उतना ही उत्साह है जितना 19 साल की उम्र में था।'

हरमनप्रीत की टीम को मुख्य चुनौती इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया से मिलेगी जिन्होंने मुश्किल परिस्थितियों में भी आईसीसी प्रतियोगिताओं में भारत को हराने का तरीका ढूंढ लिया है। मुख्य कोच मजूमदार में बेंगलुरू में ट्रेनिंग शिविर पर अधिक प्रकाश डाला। मजूमदार ने कहा, 'हमने कुछ चीजों की पहचान की (श्रीलंका से हार के बाद) और हमने अगले शिविर में इन पर काम किया। हमने पहले फिटनेस और क्षेत्ररक्षण शिविर लगाया। फिर हमने 10 दिन का कौशल शिविर लगाया। हमने एक खेल मनोवैज्ञानिक (मुग्धा बावरे) को भी बुलाया। वह टीम के साथ शानदार रहीं।'

उन्होंने कहा, 'हमने एथलेटिक क्षमता, ऑलराउंड क्षेत्ररक्षण क्षमताओं को बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित किया, योग सत्र और मनोवैज्ञानिक सत्र भी जोड़े गए।' मैच नहीं खेलने के बारे में उन्होंने कहा, 'हम हर चीज के लिए तैयार हैं। कौशल शिविर में हमने 10 दिन में नेट पर तैयारी के साथ पांच मैच खेले। जहां तक तैयारी का सवाल है, हमने अच्छी तैयारी की है।' उन्होंने बल्लेबाजी विभाग में भी आत्मविश्वास दिखाया जिसमें ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड जैसी ताकत नहीं है। मजूमदार ने कहा, 'हमारे शीर्ष छह बल्लेबाज सर्वश्रेष्ठ हैं। उनकी शैली अलग है। हमने नंबर तीन की पहचान कर ली है लेकिन हम इसका खुलासा तब करेंगे जब एकादश की घोषणा की जाएगी। टी20 में नंबर तीन का बल्लेबाज मैच की दिशा तय करता है, असल में किसी भी प्रारूप में।' उन्होंने कहा, 'जहां तक परिस्थितियों का सवाल है, यह भारत के समान ही होंगी। सत्र की शुरुआत में अतिरिक्त उछाल हो सकता है विशेष रूप से दुबई में लेकिन मौसम भारत की तरह ही होगा।'

रहाणे ईरानी कप में मुम्बई की कप्तानी करेंगे, शारदुल करेंगे वापसी

मुंबई । अनुभवी बल्लेबाज अजिंक्य रहाणे को शेष भारत के खिलाफ एक अक्टूबर से होने वाले ईरानी कप मैच के लिए मुंबई का कप्तान बनाया गया है । वहीं सर्जरी से उबरे ऑलराउंडर शारदुल ठाकुर भी इस मुकाबले से प्रथम श्रेणी क्रिकेट में वापसी करेंगे । इस मैच में मुंबई की टीम की ओर से श्रेयस अय्यर, मुशीर खान, शम्स

मुलानी और तनुश कोटियान जैसे खिलाड़ी खेलेंगे। इसमें सरफराज खान के शामिल होने को लेकर भी संशय छाया हुआ है क्योंकि वह भारतीय टीम के 15 खिलाड़ियों में शामिल हैं। ऐसे में अगर कोई बल्लेबाज चोटिल होता है तो उन्हें अवसर मिल सकता है। ईरानी कप में सबसे सफल टीम शेष भारत है। उसने 30 बार यह खिताब जीत चुकी है। अगर आंकड़े देखें तो शेष भारत ने 61 बार इस टूर्नामेंट में हिस्सा लिया है जिसमें 30 बार जीत तो 29 बार वह उपविजेता रही है। वहीं मुंबई 29 बार टूर्नामेंट में हिस्सा ले चुकी है। वह 14 बार चैंपियन तो 14 बार उपविजेता रही है। कर्नाटक ने 8 बार में 6 बार यह चैंपियनशिप जीती है। दिल्ली ने 7 भागीदारियों में 2 बार, रेलवे ने 2 भागीदारियों में 2 बार इसे जीता है। वहीं पंजाब, बड़ौदा, उत्तर प्रदेश, गुजरात और मध्य प्रदेश टीमें ऐसे हैं जोकि एक बार भी यह टूर्नामेंट जीत नहीं पाई हैं।

शुभमन से अच्छी दोस्ती से बड़ी साझेदारी बनाने में सहायता मिली : ऋषभ

चेन्नई । भारतीय क्रिकेट टीम के आक्रामक विकेटकीपर बल्लेबा बल्लेबाज ऋषभ पंत ने कहा है कि उनकी शुभमन गिल के साथ अच्छी दोस्ती है। इससे बांग्लादेश के खिलाफ पहले टेस्ट क्रिकेट मैच की दूसरी पारी में शुभमन के साथ अच्छी साझेदारी बनाने में सहायता मिली। ये दोनो ही बल्लेबाज पहली पारी में अधिक रन नहीं बना पाये थे पर दूसरी पारी में उन्होंने 167 रन की साझेदारी बनाकर मैच बदल दिया। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने इसी को लेकर सोशल मीडिया पर एक वीडियो भी साझा किया है। इसमें ऋषभ ने कहा कि जब मैदान के बाहर आपके बीच बहुत अच्छे संबंध होते हैं तो फिर उस खिलाड़ी के साथ बल्लेबाजी करते हुए तालमेल बनाने में सहायता मिलती है। हम एक दूसरे के खेल का आनंद ले रहे थे, आपस में खूब बातें कर रहे थे और मैच पर भी बात कर रहे थे और बेहद सहज थे। इसके अलावा हम दोनों यह जानते थे कि हमें क्या करना है। दिसंबर 2022 में सड़क हादसे के बाद अपना पहला टेस्ट मैच खेलने वाले ऋषभ ने कहा कि आप जहां भी खेल रहे हों, आपके खेल में सुधार होना चाहिए, ये मेरा मानना है, इसलिए मैं टीम की सहायता करने की कोशिश कर रहा था और यह शानदार रहा। मैंने इसका पूरा आनंद उठाया। ऋषभ ने 128 गेंद पर 109 रन बनाए। अपनी इस पारी के दौरान उन्होंने अपने रक्षात्मक और आक्रामक खेल का शानदार नमूना पेश किया।

दो हॉकी मैचों की श्रृंखला के लिए जर्मनी की मेजबानी करेगा भारत, शेड्यूल आया सामने

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय पुरुष हॉकी टीम 23 और 24 अक्टूबर को मेजर ध्यानचंद राष्ट्रीय स्टेडियम में जर्मनी के साथ दो मैचों की द्विपक्षीय श्रृंखला खेलेगी। हॉकी इंडिया ने मंगलवार को यह घोषणा की। भारत ने पिछली बार जर्मनी का सामना पेरिस ओलंपिक के सेमीफाइनल में किया था जहां यूरोप की दिग्गज टीम ने 3-2 से जीत दर्ज की थी। भारत ने ओलंपिक में तीसरे स्थान के प्ले ऑफ में स्पेन को हराकर कांस्य पदक जीता था।

हॉकी इंडिया के अध्यक्ष दिलीप टिर्की ने कहा, 'जर्मनी के खिलाफ यह द्विपक्षीय श्रृंखला विश्व स्तरीय हॉकी का एक उल्लेखनीय प्रदर्शन होगी। भारत और जर्मनी दोनों का खेल में एक समृद्ध इतिहास है और यह श्रृंखला प्रशंसकों को दुनिया की दो सबसे मजबूत टीमों के बीच कड़ी प्रतिस्पर्धा देखने का अवसर देगी।' पूर्व भारतीय कप्तान ने कहा, 'हम इस श्रृंखला की मेजबानी से सम्मानित महसूस कर रहे हैं। इससे ना केवल हॉकी की भावना को बढ़ावा मिलेगा बल्कि दोनों देशों के बीच रिश्ते भी मजबूत होंगे।'

हॉकी इंडिया के महासचिव भोला नाथ सिंह ने कहा, 'भारत-जर्मनी हॉकी प्रतिद्वंद्विता हमेशा एक रोमांचक प्रतियोगिता रही है। हमारे खिलाड़ी ऐसी अच्छी टीम के खिलाफ प्रतिस्पर्धा करने के लिए उत्सुक हैं और मेरा मानना है कि यह श्रृंखला दोनों टीमों को भविष्य के अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंटों से पहले अपने कौशल और रणनीतियों को बेहतर बनाने का मौका देगी।'

जर्मन हॉकी महासंघ के अध्यक्ष हेनिंग फास्टरिच ने कहा कि राष्ट्रीय टीम इस चुनौती के लिए तैयार है। उन्होंने कहा, 'हॉकी के लिए भारत हमेशा विशेष स्थान रहा है और हमारी टीम उत्साही भारतीय प्रशंसकों के सामने खेलने के लिए रोमांचित है। यह श्रृंखला जर्मनी और भारत के बीच खेल संबंध मजबूत करने का शानदार मौका है जबकि दोनों टीमों को आगामी वैश्विक प्रतियोगिताओं की तैयारी के लिए प्रतिस्पर्धी मंच भी देगा।' फास्टरिच ने कहा, 'हम चुनौती और ऐतिहासिक मेजर धयान चंद राष्ट्रीय स्टेडियम में खेलने के अनुभव के लिए उत्सुक हैं।'

शाकिब का दूसरे टेस्ट में खेलना संदिग्ध

चेन्नई। बांग्लादेश के ऑलराउंडर शाकिब अल हसन का भारत के खिलाफ 27 सितंबर से कानपुर मे होने वाले दूसरे क्रिकेट टेस्ट मैच में खेलना संदिग्ध है। इसका कारण ये है कि शाकिब की अंगुली में लगी चोट अभी तक ठीक नहीं हुई है। शाकिब के फिट नहीं होने से बांग्लादेश के खेम में चिन्ता की लहर है। इसका कारण है कि शाकिब एक अच्छे बल्लेबाज और गेंदबाज हैं। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) के चयनकर्ता हनन सरकार ने कहा कि वह डॉक्टर की निगरानी में हैं और कानपुर में उनके खेलने को लेकर फैसला बाद में उनकी फिटनेस की समीक्षा के बाद होगा। चेन्नई में खेले गए पहले टेस्ट मैच के दौरान बल्लेबाजी करते समय शाकिब को जसप्रीत बुमराह की गेंद लग लगी थी। हनन ने कहा अभी हमारे पास दो दिनों का समय है। इसमें देखते हैं क्या होता है। उनके चयन को लेकर हम विचार करने और फिटनेस देखने के बाद भी फैसला करेंगे।हम जानते हैं कि उनके हाथ की चोट को लेकर चर्चा हो रही है. मैच से पहले ऐसा नहीं था। फिजियो ने उन्हें पहले टेस्ट मैच में उतरने के लिए सौ फीसदी फिट घोषित किया था।' पहले टेस्ट मैच में शाकिब को गेंदबाजी देर से देने पर भी सवाल उठे थे। तब ये भी कहा जा रहा था कि शाकिब की स्पिनिंग उंगली और कंधे में दर्द था।

क्रिकेट के अलावा विज्ञापन से भी करोड़ों की कमाई करते हैं पंड्या

मुम्बई (एजेंसी)। क्रिकेट के मैदान पर अपने जुनून के कारण छाये रहने वाले ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या कमाई के मामले में भी पीछ नहीं हैं। वह करोड़ों की संपत्ति के मालिक हैं जबकि क्रिकेटर बनने से पहले वह बेहद कठिन हालातों से गुजरे हैं। वह देश के सबसे धनी क्रिकेटर्स की सूची में शामिल हैं। एक मीडिया रिपोर्ट के अनुसार पंड्या की वर्तमान में कुल संपत्ति लगभग 11.4 मिलियन डॉलर तकरीब 95 करोड़ से ज्यादा है। उनकी महीने की आय ही 1.5 करोड़ रुपये है। पंड्या की मोटी कमाई क्रिकेट से मिलने वाली मैच फीस, अनुबंध राशि के अलावा विज्ञापनों और सोशल मीडिया से होती है। वह कई कंपनियों के ब्रांड प्रमोशन से भी जुडें हैं। वह बोट, सिन डेनिम, गल्फ ऑयल इंडिया, ड्रीम 11, एमेजॉन एलेक्सा, रिलायंस रिटेल और एसजी क्रिकेट जैसे कई ब्रांड से जुड़े हुए हैं। इन कंपनियों से वह विज्ञापन के जरिए करोड़ों कमाते हैं। पंड्या ने साल 2016 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में कदम रखा था। जिस तरह से पंड्या ने टीम में आते ही अपनी जगह बना ली, उसी तरह उनकी नेट वर्थ भी तेजी से बढ़ी। उनका यहां तक का सफर हालांकि आसान नहीं रहा है। पंड्या को एकदिवसीय और टी20 मैच खेलने के लाखों मिलते हैं जबकि आईपीएल में गुजरात टाइटंस के जब वो कप्तान थे तब उनका वेतन 15 करोड़ था। अभी वह इससे अधिक रकम में मुंबई इंडियंस टीम के कप्तान हैं। पंड्या ने साल 2016 में वडोदरा में करीब 6000 वर्ग फीट का घर लगभग 3.6 करोड़ में खरीदा था। इसके अलावा पंड्या के पास लग्जरी गाड़ियों में रॉल्स रॉयस, लेंबोर्गिनी हुराकन ईबीओ, पोर्श केयेन, ऑडी ए6, रेंज रोवर वोग, जीप कंपास, मर्सिडीज जी वैगन और टोयोटा इटियोस है।

बुमराह को खेलना कभी भी आसान नहीं होता : स्मिथ

सिडनी । ऑस्ट्रेलिया के अनुभवी बल्लेबाज स्टीव स्मिथ ने भारतीय क्रिकेट टीम के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह की जमकर प्रशंसा की है। स्मिथ ने कहा कि गेंद नई हो या पुरानी बुमराह को खेलना आसान नहीं होता क्योंकि उनका गेंदबाजी कौशल काफी अच्छा है। साथ ही कहा कि अभी के समय में बुमराह सभी प्रारुपों में नंबर एक तेज गेंदबाज हैं। ऐमें वह नवंबर–दिसंबर में होने वाली बॉर्डर–गावस्कर सीरीज में अहम भूमिका निभा सकते हैं। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच पांच टेस्ट मैचों की सीरीज 22 नवंबर को पर्थ में शुरू होगी। भारत ने पिछली दो सीरीज ऑस्ट्रेलिया में जीती हैं। इस बार भी अगर उसे जीत दर्ज करनी है तो बुमराह को अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा। स्मिथ ने कहा, वह एक बेहतरीन गेंदबाज हैं, चाहे मैं नई गेंद से, थोड़ी पुरानी गेंद से या पुरानी गेंद से उनका सामना करूं। उनको खेलना आसान नहीं होता क्योंकि उनके पास सभी तरह के कौशल हैं। वह एक बेहतरीन गेंदबाज हैं जो तीनों ही प्रारूपों में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करता है। डेविड वार्नर के संन्यास क बाद से ही स्मिथ ने पिछली कुछ सीरीज में ऑस्ट्रेलिया में पारी की शुरुआत की है और ऐसे में वह भारत के खिलाफ सीरीज में भी सलामी बल्लेबाज के तौर पर उतरेंगे। इस कारण पारी की शुरुआत में ही बुमराह से उनका सामना होगा। 109 टेस्ट खेल चुके स्मिथ का लक्ष्य अधिक से अधिक रन बनाकर इस सीरीज में 10,000 रनों का आंकड़ा पार करना रहेगा। उन्होंने अब तक 9685 रन बनाए हैं। दूसरी ओर बुमराह ने जनवरी 2018 में टेस्ट क्रिकेट में पदार्पण करने के बाद से शानदार प्रदर्शन करते हुए 37 मैचों में 20.51 की औसत से अब तक 164 विकेट लिए हैं।

आदिल राशिद ने बताया रिटायरमेंट का प्लान, 200 वनडे विकेट लेने वाले हैं इंग्लैंड के पहले स्पिनर

डरहम (यूके) (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ दूसरे वनडे के दौरान 200 वनडे विकेट लेने वाले देश के पहले स्पिनर बने इंग्लैंड के स्पिनर आदिल राशिद ने कहा कि फिलहाल रिटायरमेंट के बारे में उनके दिमाग में कुछ नहीं है और वह 2027 वनडे विश्व कप तक खेलते हुए युवाओं को अपनी समझ और अनुभव देना चाहते हैं। आदिल मंगलवार को चेस्टर-ले-स्ट्रीट में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ होने वाले तीसरे वनडे से पहले यह बात कही।

ऑस्ट्रेलिया पांच मैचों की सीरीज में 2-0 से आगे है और उसने आखिरी वनडे 271 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए इंग्लैंड को 202 रनों पर समेट कर 68 रनों से जीता था। इंग्लैंड ने अपने पिछले 14 वनडे में से 10 गंवाए हैं और एक और हार मेजबान टीम को सीरीज में हार का सामना करना पड़ेगा। इस सीरीज में खेली जा रही टीम में बदलाव हो रहे हैं, कप्तान जोस बटलर चोट के कारण बाहर हैं और युवा हैरी ब्रूक के हाथों में कमान है।

नए दौर की शुरुआत, शुरुआत में अंतरिम कोच मार्कस ट्रेस्कोथिक के नेतृत्व में हुई, उसके बाद ब्रेंडन मैकुलम ने टेस्ट प्रतिबद्धताओं के साथ-साथ व्हाइट-बॉल कोच की भूमिका संभाली, लेकिन इसकी शुरुआत अच्छी नहीं रही। रणनीति और खिलाड़ियों के बदलने के साथ, राशिद अभी भी इंग्लैंड के व्हाइट-बॉल क्रिकेट का अहम हिस्सा बने हुए हैं। 36 वर्षीय राशिद ने इंग्लैंड और वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) के साथ एक केंद्रीय अनुबंध पर हस्ताक्षर किए हैं, जो उन्हें 2025 के अंत तक टीम में बनाए रखेगा और उनका लक्ष्य अगले साल की चैंपियंस ट्रॉफी, 2026 टी20 विश्व कप और 2027 50 ओवर का विश्व कप खेलना है।

राशिद ने कहा, 'मैंने अभी तक इसके बारे में नहीं सोचा है। खेलते रहना, इसका लुत्फ उठाना, फिट रहना, अच्छी गेंदबाजी करना, जीत में योगदान देना, उम्मीद है कि विश्व कप और चैंपियंस ट्रॉफी जीतना--यही मेरा अंतिम लक्ष्य है। मैं हर मैच और हर सीरीज खेल रहा हूं और अगर मैं अभी भी इसका लुत्फ उठा रहा हूं और अच्छा प्रदर्शन कर रहा हूं, तो मैं खेलना जारी रखूंगा। इतने लंबे समय तक खेलना और विकेट लेना, मैंने कभी सपने में भी नहीं सोचा था, इसलिए उम्मीद है कि मैं इसे जारी रखूंगा। यह उतार-चढ़ाव के साथ एक मजेदार सफर रहा है और उम्मीद है कि मैं अपने करियर के बाकी बचे हिस्से में भी इसी तरह आगे बढ़ूंगा।'

उन्होंने अपनी बात समाप्त करते हुए कहा, 'मैंने अभी तक संन्यास लेने या ऐसा कुछ करने के बारे में नहीं सोचा है, यह मेरे दिमाग में भी नहीं आया है। यह खेल का लुत्फ उठाने और अपना सबकुछ देने के बारे में है।' राशिद का यह बयान बहुत महत्वपूर्ण है। हालांकि जो रूट और बेन स्टोक्स के सीटी 2025 से पहले व्हाइट-बॉल सेट-अप में लौटने की उम्मीद है और वर्तमान में टेस्ट प्रतिबद्धताओं में व्यस्त हैं, लेकिन टीम ने हाल ही में बहुत अनुभव खो दिया है। ऑलराउंडर और पूर्व उप-कप्तान मोईन अली की अनुपस्थिति काफी महसूस की जा रही है, जिन्होंने इस महीने की शुरुआत में ऑस्ट्रेलिया सीरीज की टीम से बाहर होने के बाद अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास की घोषणा की थी।

मालदीव अब नहीं करेगा भारत के साथ हुए समझौते की जांच

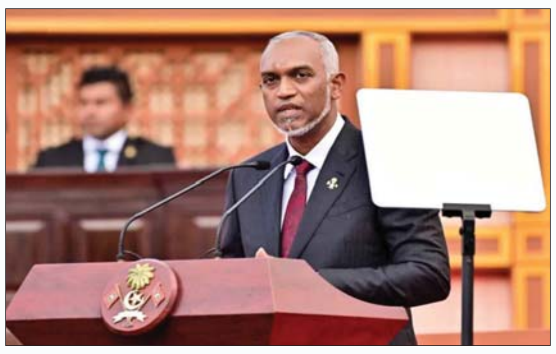

माले। मालदीव की सरकार अब भारत के साथ हुए समझौतों की जांच नहीं कराएगी। राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू ने संसद को भारत के साथ हुए समझौतों की जांच करने से रोकने का आदेश दिया है। मुइज्जू ने यह कदम भारत-मालदीव संबंधों में सुधार के बीच उठाया गया है। चुनाव प्रचार के दौरान मुइज्जू ने पिछली सरकार के समय किए गए समझौतों की समीक्षा करने का वादा किया था, लेकिन अब उन्होंने संसद को इस जांच से रोक दिया है। हाल ही में, भारत ने मालदीव को दिए गए कर्ज की चुकाने की समयसीमा बढ़ा दी है और आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति भी बढ़ाई है। रिपोर्ट के अनुसार, मुइज्जू की पार्टी के सांसद अहमद अजान ने 9 जून को संसद की सुरक्षा समिति (241 समिति) के समक्ष भारत के साथ हुए समझौतों की जांच के लिए प्रार्थना पत्र प्रस्तुत किया था। इस पर मुइज्जू की सरकार ने 10 जून को एक उप-समिति का गठन किया, जिसका काम भारत और मालदीव के बीच हाइड्रोग्राफी समझौते और उथुरु थिला फाल्हू समझौते की जांच करना था। सांसद अजान ने बताया कि मालदीव के लोगों ने मुइज्जू को वोट दिया था ताकि देश की स्वतंत्रता और संप्रभुता की रक्षा की जा सके। उन्होंने कहा कि समिति को संविधान द्वारा दी गई शक्तियों का इस्तेमाल करना चाहिए। हालांकि, संसद ने इस मुद्दे पर चर्चा करने में असमर्थता जताई है। सूत्रों के अनुसार, यह मामला तीन महीने से समिति स्तर पर लंबित है, और कुछ सांसदों का आरोप है कि मुइज्जू के आदेश पर इस मुद्दे को लटकाया गया है। एक सांसद ने बताया कि राष्ट्रपति नाराज हुए थे जब बिना चर्चा के यह मुद्दा उठाया गया। मुइज्जू ने अभी तक भारत से संबंधित किसी भी वादे को पूरा नहीं किया है। भारतीय हेलीकॉप्टर और डोर्नियर विमान वापस नहीं किए गए हैं, और भारतीय सैनिकों को हटाने के लिए चर्चा जारी है, लेकिन उनकी जगह हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स कंपनी के सदस्यों को रखा गया है।

श्रीलंका के नये राष्ट्रपति बन रहे मार्क्सवादी नेता अनुरा कुमारा दिसानायके क्या भारत से मिलाएंगे हाथ

कोलंबो। श्रीलंका के राष्ट्रपति चुनाव में मार्क्सवादी नेता अनुरा कुमारा दिसानायके ने अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी साजिथ प्रेमदासा को हराकर जीत हासिल कर ली है। उनकी इस जीत से पूरी दुनिया चौंक गई है। 56 वर्षीय दिसानायके की जीत ने यह सवाल खड़ा कर दिया है कि अब श्रीलंका किस दिशा में जाएगा। श्रीलंका को तंगहाली से निकालने के दो ही रास्ते हैं। एक भारत जाता है और दूसरा चीन। पिछले वर्षों में श्रीलंका चीन के आर्थिक जाल में फंसा था, जिससे देश गंभीर वित्तीय संकट में घिर गया। ऐसे में सवाल उठ रहे हैं कि क्या श्रीलंका चीन की छाया से बाहर निकलकर अपने पड़ोसी और सबसे बड़े मित्र भारत की मदद से खुद को मजबूत करेगा। अब, श्रीलंका की नई नेतृत्व की भूमिका यह तय करेगी कि देश किस प्रकार चीन के प्रभाव से बाहर निकलकर अपने आर्थिक और रणनीतिक हितों को पुनर्निर्धारित करता है।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को अनुरा कुमारा दिसानायके को चुनावी जीत पर बधाई दी और भारत-श्रीलंका के बीच सहयोग को और मजबूत करने की इच्छा जताई। पीएम मोदी ने अपनी एक्स पोस्ट में कहा कि श्रीलंका का भारत की पड़ोस प्रथम नीति और विजन सागर में विशेष स्थान है और वह दोनों देशों के बहुआयामी सहयोग को बढ़ाने के लिए मिलकर काम करने के लिए उत्सुक हैं।दिसानायके ने पीएम मोदी के बधाई संदेश का उत्तर देते हुए भारत के साथ संबंधों को मजबूत करने की प्रतिबद्धता जताई। उन्होंने लिखा कि हम साथ मिलकर अपने लोगों और पूरे क्षेत्र के लाभ के लिए सहयोग बढ़ाने की दिशा में काम कर सकते हैं निभाएगा।

पहली बार जापानी फाइटर जेट ने रूसी गश्ती जेट को चेताया

टोक्यो । जापान ने कहा है कि रूसी गश्ती फाइटर जेट ने उसके हवाई क्षेत्र का उल्लंघन किया है। टोक्यो ने कहा है कि तीन बार रूसी जेट होक्काइडो के मुख्य द्वीप पर जापान के हवाई क्षेत्र में आए। इस पर जापानी जेट ने उन्हें चेताया और फ्लेयर्स का इस्तेमाल भी किया। ये पहली बार है जब जापान ने रूसियों को चेतावनी देने के लिए फ्लेयर्स का इस्तेमाल किया है। लड़ाकू जेट फ्लेयर्स यानी तेज रोशनी का इस्तेमाल विरोधी को वापस जाने के लिए कड़ी चेतावनी देने के तौर पर करते हैं। जापानी लड़ाकू विमानों ने पहले रूसी विमान के खिलाफ इस तरह की चेतावनी जारी नहीं की थी। रिपोर्ट के अनुसार, जापानी रक्षा मंत्रालय ने कहा कि रूसी आईएल-38 सैन्य गश्ती विमान ने उत्तरी द्वीप होक्काइडो के पास तीन बार जापानी हवाई क्षेत्र में प्रवेश किया। इस पर जापान ने रेडियो संदेशों के माध्यम से विमान को चेतावनी देकर लड़ाकू विमानों को भेजा। तीसरी बार रूसी जेट के हवाई क्षेत्र में आने पर जापानी एयरक्राफ्ट ने फ्लेयर्स का इस्तेमाल किया। जापानी सरकार के प्रवक्ता योशिमासा हयाशी ने कहा कि हवाई घुसपैठिए के खिलाफ फ्लेयर्स का यह पहला प्रयोग था। हयाशी ने कहा कि जापान ने घुसपैठ के विरोध के लिए राजनयिक तरीका भी अपनाया है। रूस की स्टेट मीडिया ने इस घटना पर कोई रिपोर्ट नहीं की है। ये घटना तब समय हुई है जब रूसी और चीनी युद्धपोत जापान के उत्तरी तट के पास अभ्यास कर रहे हैं। वहीं जापान के प्रधानमंत्री फुमियो किशिदा ने न्यूयॉर्क में यूक्रेनी राष्ट्रपति वलोडिमिर जेलेंस्की से भी मुलाकात की।

उच्च न्यायालय ने इमरान खान पर सैन्य मुकदमे से संबंधित याचिका का निपटारा किया

इस्लामाबाद । पाकिस्तान के एक उच्च न्यायालय ने पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान के खिलाफ सैन्य मुकदमा चलाने संबंधी याचिका का निपटारा कर दिया। न्यायालय को बताया गया कि संघीय सरकार ने इस संबंध में कोई निर्णय नहीं लिया है। भ्रष्टाचार के आरोप में पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के संस्थापक खान की गिरफ्तारी के विरोध में उनके समर्थकों ने नौ मई, 2023 को रक्षा प्रतिष्ठानों पर हमला किया और सरकारी संपत्तियों को नुकसान पहुंचाया था। गिरफ्तार किए गए लोगों में से 100 से ज्यादा लोगों को सैन्य अदालतों में मुकदमे के लिए सैन्य अधिकारियों को सौंप दिया गया था। कई सरकारी अधिकारियों ने संकेत दिया है कि खान पर सैन्य अदालत में भी मुकदमा चलाया जा सकता है। खान ने अपने मुकदमे की सुनवाई सैन्य अदालत में किए जाने के खिलाफ इस्लामाबाद उच्च न्यायालय में याचिका दायर की थी। न्यायमूर्ति मियांगुल हसन औरंगजेब की अध्यक्षता वाली पीठ ने मामले की सुनवाई की। सरकार की ओर से पेश अतिरिक्त अटॉर्नी जनरल मुनव्वर इकबाल दुग्गल ने अदालत को बताया कि संघीय सरकार ने यह तय नहीं किया है कि खान पर सैन्य अदालत में मुकदमा चलाया जाएगा या नहीं। उन्होंने कहा कि अगर इस तरह का मुकदमा चलाया जाता है, तो यह आवश्यक कानूनी प्रक्रिया का पालन करते हुए नियम 549 के अनुसार चलाया जाएगा। दुग्गल ने अदालत को यह भी बताया कि सैन्य मुकदमे की स्थिति में, सिविल मजिस्ट्रेट से अनुरोध के बाद ही यह प्रक्रिया शुरू होगी।

सऊदी अरब के राष्ट्रीय दिवस पर राजधानी रियाद में जमकर आतिशबाजी हुई।

सुनीता विलियम्स दूसरी बार बनीं स्पेस स्टेशन की कप्तान

वॉशिंगटन। लगभग 4 माह से अंतरिक्ष में रह रहीं एस्ट्रोनॉट सुनीता विलियम्स को धरती पर लाने के प्रयासों के साथ उन्हे आईएसएस यानी अंतरराष्ट्रीय स्पेस स्टेशन की कमान सौंपी गई है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, अमेरिकी स्पेस एजेंसी नासा ने ऐलान किया है कि रूसी कॉस्मोनॉट ओलेक कोनोनेंको ने स्पेस स्टेशन की कमान विलियम्स को सौंप दी है। इसे लेकर स्पेस स्टेशन पर छोटा कार्यक्रम भी आयोजित हुआ था। अंतरिक्ष में 374 दिन बिताने के बाद वापस रूस के कोनोनेंको और निकोलाइ चुब और एक अमेरिकी अंतरिक्ष यात्री ट्रेसी सी डायसन धरती पर लौट आए हैं। डायसन 6 महीने अंतरिक्ष में रहीं। इससे पहले करीब 12 साल पहले यानी 2012 में एक्सपीडीशन 33 के दौरान विलियम्स ने स्पेस स्टेशन की कमान संभाली थी। स्पेस स्टेशन की कप्तान होने के नाते भारतवंशी अंतरिक्ष यात्री के पास कई अहम ऑपरेशन और साइंटिफिक रिसर्च का काम संभालेंगी। कार्यक्रम के दौरान विलियम्स ने कहा, एक्सपीडीशन 71 ने हमें काफी कुछ सिखाया है...। आपने मुझे और बुच को अपनाया। जबकि, यह प्लान का हिस्सा भी नहीं था। आपने परिवार की तरह हमारा स्वागत किया। बता दें कि बोइंग स्टारलाइनर में तकनीकी खराबी आने के कारण विलियम्स की यह अंतरिक्ष यात्रा लंबी हो गई थी। कहा जा रहा है कि उनकी वापसी फरवरी 2025 तक टल गई है।

एशिया का तीसरे नंबर का ताकतवार देश भारत... रुस और जापान पीछे

-पाकिस्तान का दूर तक नंबर नहीं

मेलबर्न (एजेंसी)। ताइवान से लेकर लद्दाख तक चल रहे तनाव के बीच एशिया में सबसे शक्तिशाली देशों की सूची आई है। भारत रूस और जापान को पीछे छोड़कर एशिया में तीसरा सबसे शक्तिशाली देश बन गया है। भारत से आगे चीन और सबसे ऊपर अमेरिका का नाम है। ऑस्ट्रेलिया के लोवी इंस्टीट्यूट थिंक टैंक की ओर से जारी किए गए एशिया पावर इंडेक्स में भारत ने अच्छी छलांग लगाई है। इस रिपोर्ट में कहा गया है कि जापान के आर्थिक ताकत में गिरावट की वजह से उसकी ताकत में कमी आई है। जापान अब चौथा सबसे शक्तिशाली और प्रभावशाली देश बन गया है। इस लिस्ट को हर साल इन देशों के संसाधान और प्रभाव को ध्यान में रखकर जारी किया जाता है। इस लिस्ट में ऑस्ट्रेलिया को पांचवां और यूक्रेन युद्ध में फंसे रूस को छठवां स्थान मिला है।

अमेरिका को 81.7, चीन को 72.7 और जापान को 38.9 प्वाइंट मिले हैं। वहीं पाकिस्तान को मात्र 14.6 प?वाइंट मिले हैं और वह 16वें नंबर पर है। एशिया पावर इंडेक्स में कुल 27 देशों और क्षेत्रों का आकलन किया गया। इसमें 6 साल के आंकड़े का इस्तेमाल किया गया है। यह एशिया में तेजी से बदल रहे शक्ति के वितरण का अब तक का सबसे व्यापक आकलन है। इसमें कहा गया है कि अमेरिका अभी भी एशिया में सबसे प्रभावशाली ताकत है लेकिन अब अमेरिका को चीन की ओर से तेजी से बढ़ती सेना का दबाव झेलना पड़ रहा है।

इस रिपोर्ट में कहा गया है कि चीन ने सैन्य बढ़त जरूर हासिल की है, लेकिन उसका प्रभाव स्थिर ही है। रिपोर्ट में कहा गया है कि चीन की ताकत न बढ़ रही है और न ही कम हो रही है। वहीं अमेरिका ने एशिया में अपनी सैन्य ताकत में इजाफा किया है। हालांकि अमेरिका के लिए चिंता की बात यह है कि वह सैन्य ताकत के मामले में चीन के हाथों पिछड़ रहा है। इस सर्वे रिपोर्ट में भारत की तारीफ की गई है। रिपोर्ट के मुताबिक, भारत का उभार हो रहा है लेकिन यह थोड़ा धीमा है। भारत अब जापान को पीछे करके एशिया में तीसरा सबसे शक्तिशाली देश बन गया है लेकिन उसका प्रभाव उसके संसाधनों के मुकाबले में कम बना हुआ है। रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत की एशिया में ताकत बढ़ रही है। ऐसा पहली बार हुआ है जब भारत ने ताकत के मामले में तीसरा स्थान हासिल किया है।

अमेरिका के मुस्लिम बाहुल्य शहर के मेयर आमेर ग़ालिब ने डोनाल्ड ट्रंप का किया समर्थन

वाशिंगटन (एजेंसी)। संयुक्त राज्य अमेरिका के एकमात्र मुस्लिम बाहुल्य शहर हैमट्रैमक के मेयर आमेर ग़ालिब ने राष्ट्रपति चुनाव में पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को समर्थन देने का ऐलान किया है। मिशिगन राज्य के हैमट्रैमक शहर का नेतृत्व करने वाले ग़ालिब ने हाल ही में कहा कि, हालांकि उनकी कुछ मुद्दों पर ट्रंप से असहमति है, लेकिन वह उन्हें सिद्धांतों वाले व्यक्ति और सही च्वाइस मानते हैं।

ग़ालिब ने सोशल मीडिया पर पोस्ट करते हुए कहा, कि डोनाल्ड ट्रंप और मैं हर मुद्दे पर सहमत नहीं हैं, लेकिन मैं जानता हूं कि वे सिद्धांतों वाले आदमी हैं। उन्होंने यह भी कहा कि वह ट्रंप की चुनावी जीत की कामना करते हैं, और यह महसूस करते हैं कि वह इस समय के लिए सही च्वाइस हैं। ग़ालिब ने अपने फैसले पर गर्व व्यक्त करते हुए कहा है, कि नतीजे कुछ भी हों, मुझे अपने फैसले पर पछतावा नहीं होगा और मैं नतीजों का सामना करने के लिए तैयार हूं। ग़ालिब के इस बयान का स्क्रीनशॉट लेते हुए ट्रंप ने अपने ट्रुथ सोशल प्लेटफॉर्म पर साझा किया है।

कौन हैं ग़ालिब

आमेर ग़ालिब, 17 साल की उम्र में यमन से अमेरिका आए थे। हैमट्रैमक की जनसंख्या लगभग 28,000 है। इस शहर ने 2021 में एक मुस्लिम नगर परिषद और एक मुस्लिम मेयर का चुनाव कर के सुर्खियाँ बटोरी थीं। उन्होंने मिशिगन के फ्लिंट शहर में एक टाउन हॉल में रिपब्लिकन उम्मीदवार से मिलने के एक सप्ताह बाद ट्रंप का समर्थन करने का फैसला लिया। ग़ालिब का ट्रंप को समर्थन एक महत्वपूर्ण राजनीतिक बदलाव माना जा रहा है। अब देखना यह होगा कि उनके इस समर्थन का चुनावी परिणाम पर क्या प्रभाव पड़ता है।

चीन और भारत के बीच सैंडविच नहीं बनेंगे : दिसानायके

कोलंबो। दुनिया में चल रही दबदबे की लड़ाई में श्रीलंका फंसना नहीं चाहता। चीन व भारत के बीच सैंडविच तो हम नहीं ही बनना चाहते है। यह कहना है श्रीलंका के नए राष्ट्रपति अनुरा कुमारा दिसानायके का। उन्होंने स्पष्ट कर दिया है कि वो किसी एक देश के साथ नहीं रहेंगे, बल्कि सभी के साथ मिलकर तरक्की के रास्ते तय करेंगे। श्रीलंका के नए राष्ट्रपति अनुरा कुमारा दिसानायके ने इस आशय की बात एक साक्षात्कार के दौरान कहीं हैं। उन्होंने कहा कि भारत और चीन के बीच वो सैंडविच बनकर नहीं रहना चाहेंगे। इसी के साथ उन्होंने स्पष्ट किया कि श्रीलंका दुनिया में चल रही दबदबे की लड़ाई में फंसना नहीं चाहता है। उन्होंने कहा, कि हम न तो दबदबे की होड़ में शामिल होंगे और न ही इस दौड़ में शामिल किसी देश का साथ ही देंगे। उन्होंने भारत और चीन का नाम लिए बगैर ही कहा कि दोनों ही देश हमारे अच्छे दोस्त हैं। इस आधार पर मुझे पूरी उम्मीद है कि भविष्य में हमारी साझेदारी अच्छी ही होगी।

एआई को लेकर फोकस कर रहे पीएम मोदी... जानकर अच्छा लगा : सुंदर पिचाई

न्यूयॉर्क (एजेंसी)। अल्फाबेट और गूगल के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) सुंदर पिचाई का कहना है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने टेक नेताओं को जमीनी स्तर पर महत्वपूर्ण मुद्दों के समाधान के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) का उपयोग करने के लिए प्रोत्साहित किया है। न्यूयॉर्क में पीएम मोदी के साथ सीईओ की गोलमेज बैठक में पिचाई ने कहा कि वह 'डिजिटल इंडिया' विजन के साथ देश को बदलने पर प्रधानमंत्री के फोकस से काफी प्रभावित हुए हैं। पिचाई ने कहा, पीएम मोदी ने हमें भारत में निर्माण और डिजाइन जारी रखने को प्रेरित किया है। हमें अब भारत में अपने पिक्सेल फोन का निर्माण करने पर गर्व है। पीएम मोदी सचमुच में इस बारे में सोच रहे है कि एआई से भारतीय लोगों को फायदा हो। पिंचई के अनुसार, पीएम मोदी ने उन्हें स्वास्थ्य, शिक्षा, कृषि, बुनियादी ढांचे, डेटा सेंटर, बिजली और ऊर्जा आदि में एप्लीकेशन बनाने के बारे में सोचने के लिए चुनौती दी है, ताकि भारत विकसित राष्ट्र बनने की दिशा में आगे बढ़ सके। गूगल के सीईओ पिंचई ने कहा, हम भारत में एआई में मजबूती से निवेश कर रहे हैं और हम और भी ज्यादा निवेश करने के लिए तत्पर हैं। गगूल ने इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय, कृषि और स्वास्थ्य मंत्रालय और केंद्र और राज्य सरकारों के साथ साझेदारी में कई कार्यक्रम निर्धारित किए हैं। प्रौद्योगिकी (टेक) दिग्गज भारत में और अधिक निवेश करने का इरादा रखता है। पिचाई ने कहा, प्रधानमंत्री मोदी ने हमेशा हम सभी को भारत के लिए और अधिक करने को कहा है। अब, वे हमसे एआई के साथ भी ऐसा ही करने के लिए कह रहे हैं। वे एआई की क्षमता को समझकर जानते हैं कि यह तकनीक लोगों के जीवन में कैसे सकारात्मक परिवर्तन ला सकती है। इसके लिए उनके पास स्पष्ट दृष्टिकोण (विजन) है।

जापान में भूकंप के झटके, सुनामी का अलर्ट जारी

टोक्यो (एजेंसी)। जापान की धरती एक बार फिर भूकंप के झटकों से थर्रा गई है। इसके बाद सुनामी का अलर्ट भी जारी किया गया है। यह घटना सोमवार की सुबह हुई, जब मौसम वैज्ञानिकों ने इजू द्वीप के पास 5.6 तीव्रता के भूकंप आना दर्ज किया। भूकंप का केंद्र लगभग सुबह 5 बजे था और इसके बाद ओगासावारा द्वीप पर 3.3 इंच की सुनामी आने की आशंका जताई गई है।

जापान, जो चार प्रमुख टेक्टोनिक प्लेटों के शीर्ष पर स्थित है, हर साल लगभग 1,500 भूकंप महसूस करता है, जिनमें से अधिकांश छोटे होते हैं। हाल ही में, पिछले महीने क्यूशु और शिकोकू द्वीपों पर भी भूकंप के झटके महसूस किए गए थे, जिनकी तीव्रता 7.1 मापी गई थी। उस समय तटीय इलाकों में, जैसे मियाजाकी, कोची, इहिमे, कागोशिमा, और आइता, सुनामी का अलर्ट जारी किया गया था, और समुद्र में 20 सेंटीमीटर ऊँची लहरें देखी गई थीं।

जापान के मौसम विज्ञानियों ने नागरिकों को सुरक्षा उपाय अपनाने की सलाह दी है। लोगों को भूकंप की तैयारी के लिए पहले से ही प्रशिक्षित किया गया है, जिससे वे आपात स्थिति में बेहतर तरीके से प्रतिक्रिया कर सकें। स्थानीय सरकारें भी लोगों को चेतावनी देने और सुरक्षित स्थानों की ओर मार्गदर्शन करने के लिए तैयार हैं। हालांकि भूकंप का केंद्र दूरस्थ द्वीपों पर था,

लेकिन इसके प्रभाव से निपटने के लिए जापान सरकार ने सभी आवश्यक कदम उठाए हैं। जापान के नागरिकों की सुरक्षा और राहत कार्यों के लिए पूरा तंत्र सक्रिय है। अधिकारी स्थिति पर नजर रखे हुए हैं और स्थिति में सुधार की प्रतीक्षा कर रहे हैं।

क्यों आता है भूकंप

भूकंप का कारण धरती के अंदर टेक्टोनिक प्लेटों का आपस में टकराना, रगड़ना, या एक-दूसरे के ऊपर चढ़ना होता है। जब ये प्लेटें एक-दूसरे के करीब आती हैं या दूर जाती हैं, तब धरती हिलती है। भूकंप को मापने के लिए रिक्टर पैमाने का उपयोग किया जाता है, जो 1 से 9 तक की तीव्रता को दर्शाता है। रिक्टर स्केल पर 1 का मतलब बहुत कम तीव्रता है, जबकि 9 अत्यधिक तीव्रता का संकेत देता है।

युद्ध और खतरनाक होगा ! लेबनान में 16 सौ ठिकानों पर हमला, मृतकों की संख्या 5 सौ के पार

बेरुत (एजेंसी)। गाजा के बाद अब लेबनान पर इजरायल ताबड़तोड़ हमले कर रहा है। इन हमलों में अब तक 90 महिलाओं और बच्चों समेत अब तक 500 लोगों की मौत हो गई है। जबकि घायलों की संख्या हजारों में हैं। इजरायली हमले में इतनी तबाही मच गई कि लोग जान बचाकर भागते नजर आए। इजरायली सेना ने हमले के बाद बयान में कहा कि उसने हिजबुल्लाह के 1600 ठिकानों को निशाना बनाया। आईडीएफ ने तस्वीरों के साथ बयान जारी किया कि लेबनान में हिजबुल्लाह ने आम लोगों के घरों को अपना शस्त्रागार बनाकर रखा था। सेना पहले ही आम लोगों को चेतावनी दे चुकी थी कि वे हिजबुल्लाह के ठिकानों से दूर चले जाएं।

इजरायली सेना ने लेबनान को दूसरा गाजा बनाने की तैयारी शुरू कर दी है। सोमवार को इजरायली सेना ने इतने भीषण हवाई हमले किए कि पूरा लेबनान थर्रा गया। हवाई हमलों में मरने वालों की संख्या 500 पहुंच गई है। लेबनान स्वास्थ्य मंत्रालय का कहना है कि मरने वालों की संख्या अभी और बढ़ सकती है। उधर, हिजबुल्लाह के खिलाफ महायुद्ध का बिगुल फूंक चुके इजरायल ने अपने यहां भी एक हफ्ते की इमरजेंसी जारी कर दी है। इजरायल पर ईरान समर्थित हिजबुल्लाह के भी काउंटर अटैक का खतरा मंडरा रहा है। हमलों के कुछ घंटों बाद, प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने लेबनानी लोगों से संपर्क किया और उनसे हिजबुल्लाह के लिए मानव ढाल न बनने का अनुरोध किया। नेतन्याहू ने अपने संदेश में कहा कि उनका निशाना हिजबुल्लाह हैं क्योंकि उसने हमारी उत्तरी सीमा में लगातार हमलों से इजरायली लोगों का जीना दुश्वार कर दिया है। उत्तरी सीमा पर रह रहे लोग लगातार पलायन कर रहे हैं। हमारा काम उन्हें फिर से उनका घर देना है। इसके लिए हिजबुल्लाह को मिटाना जरूरी है।

इजरायल में 30 तक इमरजेंसी

हिजबुल्लाह के तेज होते संघर्ष को देखते हुए इजरायल सरकार ने भी देशभर में हफ्तेभर की इमरजेंसी घोषित कर दी है। रक्षा मंत्री योआव गैलेंट के प्रस्ताव के बाद यह घोषणा की गई। इस निर्णय को होम फ्रंट कमांड को बढ़ती सुरक्षा चिंताओं के मद्देनजर जारी किया गया है। इमरजेंसी आगामी 30 सितंबर तक जारी की गई है। घोषणा में कहा गया है, संघर्ष में हाल के घटनाक्रमों और पूरे देश में नागरिकों पर हमलों की उच्च संभावना के कारण यह निर्णय लिया गया है। वहीं इजरायल ने चेतावनी दी है कि समूह के खिलाफ हमले बढ़ेंगे और लेबनानी नागरिकों को उन क्षेत्रों से भागने की चेतावनी दी गई है जहां ईरान समर्थित आतंकवादी समूह के हथियार छिपाने की आशंका है। इस बीच ईरान का आरोप है कि इजरायल तेहरान को भड़काने के लिए हमले कर रहा है। ईरान ने इजरायल को अंजाम भुगतने की धमकी दी है।

जयपुर में रक्षा मंत्री की सुरक्षा में चूक... जब पास पहुंच गया 10वीं का छात्र

जयपुर । राजस्थान की राजधानी जयपुर में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की सुरक्षा में बड़ी चूक हुई है। दरअसल, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह सीकर रोड स्थित भवानी निकेतन स्कूल के कैंपस में पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप (पीपीपी) मोड पर सैनिक स्कूल का उद्घाटन करने आए थे। तभी रक्षा मंत्री की सुरक्षा में चूक हो गई। बता दें कि रक्षा मंत्री सिंह भवानी निकेतन स्कूल के कैंपस में पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप (पीपीपी) मोड पर सैनिक स्कूल का उद्घाटन करने के बाद एयरपोर्ट के लिए रवाना हो रहे थे। तभी अचानक ही एक बालक सुरक्षा घेरा तोड़कर राजनाथ सिंह के पास पहुंच गया। हालांकि तभी सुरक्षाकर्मियों की सतर्कता काम आई और सुरक्षाकर्मियों ने छात्र को उठाकर बाहर किया। लेकिन सिंह ने सादगी दिखाते हुए छात्र को अपने पास बुलाया और छात्र की पूरी बात सुनी। इस दौरान छात्र हर्ष भारद्वाज ने कहा कि 10वीं क्लास में पढ़ता है और जयपुर में अकेला रहता है। उसकी मम्मी झालावाड़ में सरकारी टीचर हैं। उनका ट्रांसफर यहां नहीं हो रहा है। हालांकि रक्षा मंत्री सिंह ने छात्र हर्ष से उसकी मम्मी के ट्रांसफर को लेकर उसके हाथों में मौजूद आवेदन तक नहीं लिया। जयपुर में हुई चूक से पहले आगरा में भी 5 फरवरी को रक्षा मंत्री सिंह की सुरक्षा को लेकर हुई चूक का मामला सामने आया था। बता दें कि उत्?तर प्रदेश विधानसभा चुनाव के मद्देनजर सिंह पांच फरवरी को आगरा गए थे। दरअसल पांच फरवरी को रक्षा मंत्री सिंह ने खेरागढ़ और आगरा ग्रामीण विधानसभा क्षेत्र में मतदाता संवाद कार्यक्रम किया था। इस दौरान रक्षा मंत्री द्वारा पेय एवं खाद्य पदार्थों की सैंपलिंग के लिए एफएसडीए की टीम लगाई गई थी, जो कि निर्धारित समय पर यहां नहीं पहुंची थी। इस बीच रक्षा मंत्री ने खाने के लिए कहा जिस पर बिना सैंपल लिए ही खाना परोस दिया गया।

संपत्ति ब्योरा नहीं देने वाले कर्मचारियों को नहीं मिलेगा सितंबर का वेतन

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में राज्य कर्मचारियों को संपत्ति का ब्योरा नहीं देना अब भारी पड़ सकता है। दरअसल ऐसे कर्मचारियों को सितंबर महीने का वेतन नहीं मिलेगा। मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह ने सभी अपर मुख्य सचिव, प्रमुख सचिव और विभागाध्यक्षों को आदेश जारी करते हुए कहा है कि मानव संपदा पोर्टल पर संपत्ति की घोषणा करने वाले अधिकारियों और कर्मचारियों का ही वेतन जारी किया जाएगा। संपत्ति की घोषणा करने की आखिरी तारीख 30 सितंबर निर्धारित की गई है। मुख्य सचिव ने स्पष्ट किया है कि संपत्ति का विवरण न देने वाले सरकारी कर्मचारियों के लिए सरकार सख्त कदम उठा सकती है। यदि किसी कर्मचारी ने अपना संपत्ति ब्योरा नहीं दिया, तो संबंधित डीडीओ का वेतन भी रोका जा सकता है। आदेश में कहा गया है कि मानव संपदा पोर्टल पर संपत्ति का ब्योरा उपलब्ध कराने वाले कर्मचारियों को ही सितंबर महीने का वेतन मिलेगा।

8 साल में अवैध शराब पीने से 150 से अधिक लोगों की मौत

पटना। बिहार में अप्रैल 2016 में शराब बंद होने के बाद से राज्य में अवैध शराब पीने से 150 से अधिक लोगों की मौत हो हुई है। बिहार के मद्य निषेध एवं उत्पाद शुल्क विभाग के एक वरिष्ठ अधिकारी ने इसकी जानकारी दी। अधिकारी ने कहा कि हालांकि, पिछले आठ वर्षों में राज्य के विभिन्न हिस्सों से संदिग्ध जहरीली शराब से होने वाली मौतों की संख्या 266 है। दरअसल अप्रैल 2016 में नीतीश सरकार ने बिहार में शराब की बिक्री और खपत पर पूरी तरह प्रतिबंध लगा दिया था।

156 मौतों की पुष्टि– विभाग के सचिव विनोद सिंह गुंजियाल ने बताया कि राज्य में 2016 के बाद से विभिन्न जिलों में जहरीली शराब पीने से कुल 156 लोगों की मौत की पुष्टि हुई है। पिछले आठ वर्षों में राज्य में जहरीली शराब पीने से रिपोर्ट की गईं संदिग्ध मौतों की संख्या 266 है, जिसमें से 156 की पुष्टि की गई है।

सबसे ज्यादा बारिश वाले चेरापूंजी मैं भरी गर्मी, पारा 33 के पार

शिलांग। भारत में ग्लोबल वार्मिंग का असर बड़ी तेजी के साथ दिखने लगा है। मेघालय के चेरापूंजी में सबसे ज्यादा बारिश होती है। इस बार यहां के मानसून सीजन मैं न्यूनतम बारिश नहीं हुई। पहली बार चेरापूंजी का पारा 33.1 डिग्री सेल्सियस है। यहां के लोगों ने पहली बार इतनी गर्मी देखी है। मानसून के चार महीनो में 11000 मिली मीटर बारिश का रिकॉर्ड होता था। जो इस बार घटकर मात्र 9712 मिलीमीटर पर आ गया है। पिछले कई वर्षों से हर साल यहां 27 मिली मीटर बारिश घटती जा रही है। पिछले 5 वर्षों में लगभग 15 फ़ीसदी बारिश कम हो गई है। असम के गुवाहाटी में हीट वेव चलने के कारण 4 दिन स्कूल बंद किए गए थे। पूर्वोत्तर के कुछ इलाकों में तापमान 45 डिग्री तक पहुंच गया था। जो सामान्यत: 32 के आसपास रहता था।

सप्ताह भर देरी से लौट रहा मॉनसून

नई दिल्ली। देश के अधिकतर हिस्सों में झमाझम बारिश के बाद मंगलवार को पश्चिमी राजस्थान और कच्छ के कुछ इलाकों से दक्षिण पश्चिम मॉनसून की वापसी होने लगी है। मौसम विभाग ने यह जानकारी दी है। उल्लेखनीय है कि मॉनसून की वापसी एक सप्ताह पहले होनी थी। जून में केरल से शुरू होने के बाद मॉनसून की वापसी चार महीने बाद हो रही है। 23 सितंबर तक देश में कुल मिलाकर पांच फीसदी अधिक बारिश हुई है और पूर्वी एवं पूर्वोत्तर भारत को छोड़कर देश के सभी हिस्सों में सामान्य से अधिक बारिश हुई है। मंगलवार तक पश्चिम बंगाल, बिहार, झारखंड, ओडिशा और असम जैसे पूर्वी और पूर्वोत्तर भारत के बड़े राज्यों में दक्षिण पश्चिम मॉनसून सामान्य से 13 फीसदी कम बरसा। इसके तहत 1 जून से 23 सितंबर तक के बीच सबसे कम 30 फीसदी बारिश अरुणाचल प्रदेश में हुई है और उसके बाद 28 फीसदी कम बारिश बिहार में हुई। देश में अच्छी बारिश होने से हाल के दिनों में खरीफ फसलों की बोआई भी अपने शीर्ष स्तर पर पहुंच गई है। मॉनसून में हुई झमाझम बारिश से कई जलाशय भी भर गए हैं।

'आप' द्वारा केजरीवाल की तुलना भगवान राम से करने पर भड़की कांग्रेस, देवेन्द्र यादव बोले- अजीब खेल चल रहा

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली कांग्रेस अध्यक्ष देवेन्द्र यादव ने अरविंद केजरीवाल को लेकर आप द्वारा किए जा रहे दावे पर सवाल खड़े किए है। दिल्ली के मंत्री और आप नेता कैलाश गहलोत द्वारा खुद की तुलना भगवान हनुमान और अरविंद केजरीवाल की भगवान राम से करने पर पलटवार किया गया है। देवेन्द्र यादव ने कहा कि अजीब खेल चल रहा है। उन्होंने कहा कि मुझे दुख है कि भ्रष्टाचार के आरोप में जेल में बंद व्यक्ति की तुलना भगवान राम से कैसे की जा सकती है। इससे न केवल हिंदुओं की भावनाएं आहत होती हैं, बल्कि यह लोगों को गुमराह करने का भी प्रयास है।' यह निंदनीय है।

देवेन्द्र यादव ने कहा कि आप को इस पर अफसोस करना चाहिए और इसके बजाय अपने कर्तव्य पर ध्यान देना चाहिए।' दिल्ली के मंत्री कैलाश गहलोत ने कहा कि अरविंद केजरीवाल का हनुमान बनकर मेरी प्राथमिकता सभी लंबित कार्यों को पूरा करना है और यह सुनिश्चित करना है कि अरविंद केजरीवाल फिर से दिल्ली के मुख्यमंत्री बनें...इसमें कुछ भी गलत नहीं है। सीएम की कुर्सी खाली छोड़ते हुए आतिशी के निर्णय पर उन्होंने कहा कि इसका मतलब यह है कि जब भगवान राम 14 साल के लिए वनवास गए और भरत को कमान संभालनी पड़ी, तो यह भी गलत था, जिसका मतलब है कि बीजेपी भगवान राम के खिलाफ है। बड़ों का सम्मान करना भारतीय परंपरा का हिस्सा है...इसमें कुछ भी गलत नहीं है।'

आम आदमी पार्टी (आप) की नेता आतिशी ने सोमवार को दिल्ली की आठवीं मुख्यमंत्री का प्रभार संभाल लिया था। उन्होंने शनिवार को मुख्यमंत्री पद की शपथ ली थी। अब दिल्ली विधानसभा का सत्र 26 और 27 सितंबर को आयोजित किया जाएगा। आतिशी ने केजरीवाल सरकार में उनके पास रहे 13 विभागों का प्रभार अपने पास रखा है जिनमें शिक्षा, राजस्व, वित्त, बिजली और पीडब्ल्यूडी शामिल हैं। उन्होंने प्रभार संभालने के बाद कहा, ''मैं दिल्ली के मुख्यमंत्री के रूप में चार महीने तक उसी तरह काम करूंगी, जैसे भरत ने भगवान राम की खड़ाऊं को सिंहासन पर रखकर काम किया था। अरविंद केजरीवाल ने इस्तीफा देकर राजनीति में गरिमा की मिसाल कायम की है। भाजपा ने उनकी छवि बिगाड़ने में कोई कोर कसर नहीं छोड़ी।''

एस जयशंकर न्यूयॉर्क में जी4 देशों के विदेश मंत्रियों से मिले

नई दिल्ली। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने संयुक्त राष्ट्र महासभा के 79वें सत्र के दौरान जी4 देशों के विदेश मंत्रियों से मुलाकात की। जिसमें भारत की तरफ से संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में तत्काल सुधार के लिए समूह की प्रतिबद्धता को लेकर चर्चा की गई। इन जी4 राष्ट्रों में ब्राजील, जर्मनी, भारत और जापान शामिल हैं। एस जयशंकर ने बैठक के बाद सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में कहा ?कि आज न्यूयॉर्क में अपने सहकर्मियों एनालेना बेयरबॉक (जर्मनी), योको कामिकावा (जापान) और माउरो विएरा (ब्राजील) के साथ पारंपरिक जी4 विदेश मंत्रियों की बैठक में शामिल होकर प्रसन्नता हुई। जी4 ने पाठ आधारित वार्ता के माध्यम से संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के तत्काल सुधार के लिए अपनी प्रतिबद्धता जाहिर की है। जी4 राष्ट्र में भारत, ब्राजील, जर्मनी और जापान शामिल हैं। ये सभी देश संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में स्थायी सीटों के लिए एक-दूसरे की दावेदारी का समर्थन करते हैं। एस जयशंकर ने सोमवार को वेनेजुएला के विदेश मंत्री इवान गिल के साथ ऊर्जा और आर्थिक सहयोग समेत अन्य मुद्दों पर भी बातचीत की। जयशंकर ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा ?कि आज संयुक्त राष्ट्र महासभा के 79वें सत्र के दौरान वेनेजुएला के विदेश मंत्री इवान गिल से मिलकर प्रसन्नता हुई। ऊर्जा, स्वास्थ्य और आर्थिक सहयोग के साथ-साथ बहुपक्षवाद में सुधार पर भी चर्चा हुई। विदेश मंत्रालय के अनुसार, भारत और वेनेजुएला के बीच अच्छे संबंधों का इतिहास रहा है और दोनों देशों के बीच प्रमुख अंतरराष्ट्रीय, राजनीतिक और आर्थिक मुद्दों पर उनके विचारों में समानता है। दोनों देशों ने 2024 में राजनयिक संबंधों की स्थापना की 65वीं वर्षगांठ मनाई।

जम्मू-कश्मीर: उद्योग और रोजगार के मुद्दे गायब, 370 पर लड़ा जा रहा विधानसभा चुनाव

नई दिल्ली (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर में विधानसभा चुनाव के दूसरे चरण की 25 सिंतबर को होने जा रही वोटिंग की तैयारियां जोरदार तरीके से चल रही हैं। 2019 में अनुच्छेद 370 के हटने के बाद यह पहला अवसर है जब राज्य में चुनाव हो रहे हैं। यहां के मूल मुद्दों को लेकर राजनैतिक दल उतने दमखम से नहीं उठा रहे जितने उन्हे उठाना चाहिए। यहां कोई कहता है कि अनुच्छेद 370 वापस लगा देंगे तो कोई कहता है ऐसा कभी नहीं होगा। जबकि यहां के लोगों का मानना है कि यहां उद्योग और रोजगार की जरुरत है। बता दें कि कई उद्योगों और स्टार्टअप्स को आतंकवाद और अस्थिरता के कारण ठप होना पड़ा है।

एक रिपोर्ट के अनुसार, 2020 में सुप्रीम कोर्ट के इंटरनेट बंदी के आदेश के बाद से 2022 में 43 बार और 2023 में 10 बार इंटरनेट सेवाएं बाधित की गईं। इससे राज्य के व्यवसायों और कृषि गतिविधियों पर प्रतिकूल असर पड़ा है। कश्मीर में सेब की खेती एक महत्वपूर्ण आर्थिक स्रोत है। हर साल 15 हजार करोड़ रुपये का सेब का व्यापार होता है, जो करीब सात लाख लोगों की रोजी-रोटी का साधन है। देश में 80 प्रतिशत सेब का उत्पादन कश्मीर में होता है। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि इंटरनेट सेवाएं स्थिर रहतीं, तो सेब के व्यापार में और भी वृद्धि हो सकती थी। इंटरनेट बंद होने से सेब उत्पादकों को गंभीर नुकसान उठाना पड़ता है, जो उनके व्यापार को प्रभावित करता है। भाजपा सरकार ने अनुच्छेद 370 हटने के बाद घाटी में स्टार्टअप्स और उद्योगों को बढ़ावा देने पर जोर दिया है, लेकिन बार-बार इंटरनेट बंद होने से यह प्रयास प्रभावित हो रहा है। स्टार्टअप्स के लिए इंटरनेट एक आवश्यक तत्व है, और इसके बिना उनका संचालन ठप हो जाता है। कई स्टार्टअप व्यवसायी अन्य शहरों में चले जाते हैं, जिससे राज्य की आर्थिक स्थिति और भी कमजोर होती है।

सिद्धारमैया की याचिका खारिज, क्या राहुल भ्रष्टाचार की दुकान पर लेंगे एक्शन?

–भाजपा ने आरोप लगाकर कांग्रेस से पूछा

बेंगलुरु (एजेंसी)। कर्नाटक उच्च न्यायालय ने कथित मुडा घोटाले में अभियोजन के लिए राज्यपाल की मंजूरी को चुनौती देने वाली सीएम सिद्धारमैया की याचिका खारिज हो गई है। इसके बाद से राज्य में सियासत तेज है। भाजपा ने इस लेकर सत्ताधारी कांग्रेस पर निशाना साधा है। बीजेपी प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने कहा कि कांग्रेस पार्टी को हमें बताना चाहिए कि कर्नाटक उच्च न्यायालय के फैसले के बाद क्या मुख्यमंत्री सिद्धारमैया का पद पर बने रहना उचित है? सिद्धारमैया को पद छोड़ना होगा। उन्होंने वह जमीन लूट ली जो एससी/एसटी समुदाय के लोगों के लिए थी।

बीजेपी प्रवक्ता पूनावाला ने कहा कि मुडा घोटाले में 5000 करोड़ रुपये का भ्रष्टाचार किया है। सिद्धारमैया के परिवार और दोस्तों को फायदा हुआ। कांग्रेस पार्टी को एससी/एसटी समुदाय के लोगों की कोई परवाह नहीं है। क्या राहुल गांधी भ्रष्टाचार की दुकान पर लेंगे एक्शन? बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष बीवाई विजयेंद्र ने कहा कि पहले भी स्पष्ट कहा था कि मुडा घोटाले में सीधे तौर पर सीएम शामिल थे। भाजपा ने भ्रष्ट मुख्यमंत्री के इस्तीफे की मांग करते हुए बेंगलुरु से मैसूरु तक पदयात्रा निकाली।

उन्होंने कहा कि मामला राज्यपाल के कार्यालय तक पहुंचा और राज्यपाल ने कागजात देखने और विशेषज्ञों से चर्चा करने के बाद मुकदमा चलाने की अनुमति दी। सीएम और उनके कैबिनेट सहयोगियों ने राज्यपाल कार्यालय के खिलाफ कई आरोप लगाए। विजयेंद्र ने कहा कि इस फैसले से साफ है कि सीएम और उनका परिवार घोटाले में शामिल है। हम पिछले दो माह से मुडा घोटाले में सीएम के इस्तीफे की मांग कर रहे हैं। मुझे उम्मीद है कि सीएम सिद्धारमैया हाई कोर्ट के फैसले का सम्मान कर इस्तीफा दें।

बीजेपी की बढ़ेगी टेंशन, अब कंगना रनौत ने कर दी तीन कृषि कानूनों को वापस लाने की मांग, कांग्रेस बोली- हरियाणा देगा जवाब

मंडी (एजेंसी)। भारतीय जनता पार्टी की हिमाचल सांसद कंगना रनौत अब खत्म हो चुके कृषि कानूनों पर अपने विचारों से पीछे हटने से इनकार करती नजर आ रही हैं। एक ताजा वीडियो अब वायरल हो रहा है, जिसमें मंडी सीट से सांसद विवादास्पद कृषि कानूनों पर बोलती नजर आ रही हैं। वीडियो में कंगना रनौत तीन कृषि कानूनों को दोबारा लागू करने की वकालत करती नजर आ रही हैं। पत्रकारों से बात करते हुए, अभिनेता से नेता बनीं कंगना ने कहा कि मुझे पता है कि यह बयान विवादास्पद हो सकता है लेकिन तीन कृषि कानूनों को वापस लाया जाना चाहिए। किसानों को खुद इसकी मांग करनी चाहिए। कंगना रनौत ने तर्क दिया कि तीन कानून किसानों के लिए फायदेमंद थे लेकिन कुछ राज्यों में किसान समूहों के विरोध के कारण सरकार ने इन्हें रद्द कर दिया। उन्होंने कहा कि किसान देश के विकास में शक्ति स्तंभ हैं। मैं उनसे अपील करना चाहती हूं कि वे अपने भले के लिए कानूनों को वापस मांगें। कांग्रेस ने रनौत की टिप्पणी पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि पार्टी ऐसा कभी नहीं होने देगी। कांग्रेस प्रवक्ता सुप्रिया श्रीनेत ने कहा कि तीन किसान विरोधी काले कानूनों का विरोध करते हुए 750 से अधिक किसान शहीद हो गए। उन्हें फिर से वापस लाने का प्रयास किया जा रहा है। हम ऐसा कभी नहीं होने देंगे। उन्होंने आगामी हरियाणा विधानसभा चुनाव की ओर इशारा करते हुए कहा, 'हरियाणा सबसे पहले जवाब देगा।' कांग्रेस ने वीडियो साक्षा करते हुए एक्स पर लिखा कि किसानों पर लादे गए 3 काले कानून वापस लाने चाहिए। भाजपा की सांसद कंगना रनौत ने ये बात कही। देश के 750 से ज्यादा किसान शहीद हुए, तब जाकर मोदी सरकार की नींद टूटी और ये काले कानून वापस हुए। पार्टी ने कहा कि अब क्क्क्के सांसद फिर से इन कानून की वापसी का प्लान बना रहे हैं। कांग्रेस किसानों के साथ है. इन काले कानून की वापसी अब कभी नहीं होगी, चाहे नरेंद्र मोदी और उनके सांसद जितना जोर लगा लें।

अक्षय शिंदे का एनकाउंटर ध्यान भटकाने की साजिश? संजय राउत ने उठाए कई सवाल

मुंबई (एजेंसी)। शिवसेना (यूबीटी) नेता संजय राउत ने बदलापुर यौन उत्पीड़न मामले के आरोपी अक्षय शिंदे की पुलिस मुठभेड़ में मौत को लेकर महाराष्ट्र की भाजपा नीत महायुति सरकार पर मंगलवार को हमला बोला। अक्षय शिंदे की मौत को 'मुठभेड़' करार देते हुए राउत ने कहा कि मामले के 'मुख्य आरोपी' स्कूल प्रबंधन को बचाने के लिए शिंदे की हत्या की गई। पत्रकारों से बात करते हुए, राज्यसभा सांसद ने कहा कि आरोपियों के प्रति कोई सहानुभूति दिखाने का कोई कारण नहीं है, लेकिन यह मुठभेड़ संदिग्ध है। उन्होंने सवाल उठाया कि कैसे एक चौकीदार हिरासत में रहते हुए बंदूक छीन सकता है और बंद हथियार से गोली चला सकता है।

राउत ने कहा कि यह हत्या या मुठभेड़ मुख्य आरोपी (स्कूल प्रबंधन) को बचाने के लिए की गई है। यह कितना विश्वसनीय है कि एक चौकीदार पुलिसकर्मी से बंदूक छीन ले और बंद बंदूक से गोली चला दे? यह एक बुनियादी सवाल है। इस घटना को लेकर सरकार पर स्कूल अधिकारियों को बचाने का आरोप लगाते हुए राउत ने कहा कि यह एक बड़ी साजिश है। जिन लोगों को बचाया जा रहा है, उन्हें मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री का संरक्षण प्राप्त है।

बदलापुर के एक स्कूल में दो नाबालिग लड़कियों के साथ यौन शोषण के मामले में मुख्य आरोपी अक्षय शिंदे की बीते दिनों मुंबई इलाके में मुठभेड़ में मौत हो गई। अक्षय ने पुलिस से बंदूक छीन ली और एक पुलिसकर्मी पर फायरिंग कर दी। इसके बाद पुलिस द्वारा आत्मरक्षार्थ की गई फायरिंग में अक्षय शिंदे की मौत हो गई। फिलहाल इस मामले पर राज्य में माहौल काफी गर्म है. ऐसे में सत्ता पक्ष और विपक्ष की अलग-अलग प्रतिक्रियाएं भी सामने आ रही हैं। इस घटना पर आज उपमुख्यमंत्री अजित पवार ने प्रतिक्रिया दी है। अक्षय शिंदे एक हत्यारा था, उसके कृत्य के बाद बदलापुर गुस्से में था। विरोधियों ने चिल्लाकर कहा कि महिलाएं असुरक्षित हैं।

वोट के लिए आरक्षण की मांग... राहुल गांधी विदेश जाकर खत्म करने की बात करते : मायावती

लखनऊ (एजेंसी)। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की सुप्रीमो और पूर्व सीएम मायावती ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर जोरदार हमला बोला है। मायावती ने कहा कि कांग्रेस और राहुल गांधी की एससी-एसटी और ओबीसी आरक्षण नीति स्पष्ट नहीं है, बल्कि यह छल-कपट से भरी है। मायावती ने पोस्ट में कहा, कांग्रेस और राहुल गांधी की एससी/एसटी/ओबीसी आरक्षण नीति स्पष्ट नहीं है, बल्कि छल-कपट की है। अपने देश में वोट के लिए ये आरक्षण का समर्थन करते हैं, वहीं विदेश में जाकर आरक्षण को खत्म करने की बात करते हैं।

उन्होंने कहा कि केंद्र में कांग्रेस सरकार ने ओबीसी आरक्षण संबंधी मंडल कमीशन रिपोर्ट लागू नहीं की थी। इसके अलावा, बीएसपी के संघर्ष से एससी/एसटी के पदोन्नति में आरक्षण को प्रभावी बनाने के लिए संसद में लाए गए संविधान संशोधन बिल को कांग्रेस ने पास नहीं होने दिया, जो अब तक लंबित है। मायावती ने कहा कि कांग्रेस ने इस मामले में सही तरीके से कोर्ट में पैरवी भी नहीं की।

मायावती ने जातीय जनगणना पर सवाल उठाकर कहा कि जब कांग्रेस सत्ता में थी तब उन्होंने जनगणना नहीं होने दी और अब सत्ता से बाहर होने पर आवाज उठा रहे हैं, यह सब ढोंग नहीं और क्या है? पिछले दिन, मायावती ने कहा था कि राजनीतिक घटनाक्रम यह साबित करते हैं कि कांग्रेस और अन्य जातिवादी पार्टियां अपने बुरे दिनों में दलितों को महत्वपूर्ण पदों पर रखने की याद करती हैं, लेकिन अच्छे दिनों में उन्हें दरकिनार कर देती हैं, जैसा कि हाल ही में हरियाणा में देखा गया है।

आखिरी कौन रच रहा ट्रेन पलटाने की साजिश? रोकने के लिए क्या कदम उठा रही सरकार? रेल मंत्री का आया जवाब

नई दिल्ली (एजेंसी)। ट्रेनों को लेकर हाल के दिलों में जिस तरीके से खबरें आ रही है, उससे हर भारतीय चिंतित हो रहे होंगे। लगातार ट्रेनों को पलटने की साजिश का खुलासा हो रहा है। पटरियों पर शरारती तत्व कुछ ऐसे काम कर रहे हैं जिसकी वजह से एक्सीडेंट की संभावनाएं बढ़ रही हैं। ऐसे में बड़ा सवाल यह है कि इस तरह की घटनाओं को रोकने के लिए रेलवे की ओर से किस तरीके के कदम उठाए जा रहे हैं? क्या रेलवे राज्य सरकारों से सहयोग ले रहा है? इसी को लेकर रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव का बड़ा बयान सामने आया है।

अश्विनी वैष्णव ने कहा कि भारतीय रेलवे उन शरारती तत्वों पर नज़र रखने के लिए सभी राज्य सरकारों, पुलिस महानिदेशकों और राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) के साथ मिलकर काम कर रही है जो रेल परिचालन को पटरी से उतारने और पटरियों पर वस्तुएं रखकर यात्रियों को नुकसान पहुंचाने की कोशिश कर रहे हैं। अपने बयान में उन्होंने कहा कि पूरा रेलवे प्रशासन अलर्ट पर है और इस मामले को गंभीरता से ले रहा है हम लगातार सभी राज्य सरकारों के संपर्क में हैं।'

मंत्री ने कहा कि राज्य के डीजीपी, गृह सचिव और एनआईए भी शामिल हैं... जो कोई भी दुर्घटना करने की कोशिश करेगा उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि यह हमारी प्रतिबद्धता है। पूरा रेलवे प्रशासन काफी सतर्कता के साथ काम कर रहा है। वैष्णव ने कहा कि उनका मंत्रालय मामले की तह तक जाने के लिए सभी जोन और रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) के साथ काम कर रहा है। उन्होंने कहा कि हम ऐसी अवैध गतिविधियों के पीछे किसी भी व्यक्ति के खिलाफ सख्त कार्रवाई करेंगे। प्रशासन यह सुनिश्चित करने के लिए कड़ी मेहनत कर रहा है कि ऐसी कोई घटना दोबारा न हो और हम अपराधियों का पता लगा सकें।

हालाँकि, मंत्री ने एनआईए की भूमिका के बारे में विस्तार से नहीं बताया। यह घटनाक्रम ऐसे कई उदाहरणों के बाद सामने आया है जब लोकोमोटिव पायलटों ने रेलवे ट्रैक पर हानिकारक वस्तुएं देखी हैं, जिनका उद्देश्य ट्रेन को पटरी से उतारना या यात्रियों के जीवन को नुकसान पहुंचाना था। 22 सितंबर को, कानपुर से प्रयागराज की ओर जा रही एक मालगाड़ी के चालक ने ट्रैक पर एक गैस सिलेंडर देखा और किसी दुर्घटना से बचने के लिए समय रहते आपातकालीन ब्रेक लगा दिया। ऐसी ही एक घटना 15 सितंबर को हुई जब कालिंदी एक्सप्रेस के कानपुर में रुकने से ठीक पहले एक क्षतिग्रस्त सिलेंडर और अन्य हानिकारक वस्तुएं मिलीं।